MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 07 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-305

पेट्रोल 'बम'

सरकारी तेल कंपनियों की खुली पोल

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

पेट्रोल की गुणवत्ता और इथेनॉल मिश्रण को लेकर कर्नाटक सरकार ने बड़ा खुलासा किया है। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री रिजवान अरशद ने प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट जारी कर आरोप लगाया कि इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम और शेल जैसी प्रमुख तेल कंपनियां पेट्रोल में निर्धारित 20 प्रतिशत (ई-20) से अधिक इथेनॉल मिला रही हैं। कुछ नमूनों में इसकी मात्रा 31.2 प्रतिशत तक पाई गई। राज्य सरकार ने इसे उपभोक्ताओं के साथ धोखा बताते हुए केंद्र सरकार से तेल कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई, पेट्रोल पंपों पर इथेनॉल की मात्रा प्रदर्शित करने और प्रभावित वाहन मालिकों के लिए मुआवजा कोष बनाने की मांग की है।



80 प्रतिशत नमूनों में निर्धारित सीमा से अधिक इथेनॉल

मंत्री रिजवान अरशद के अनुसार, तेल विपणन कंपनियों की ओर से जानकारी नहीं दिए जाने पर राज्य सरकार ने 7-8 जिलों से पेट्रोल के 63 नमूने एकत्र कर जांच के लिए भेजे थे। राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से मान्यता प्राप्त श्रीराम रिसर्च इंस्टीट्यूट की जांच में 80 प्रतिशत नमूनों में निर्धारित 20 प्रतिशत से अधिक इथेनॉल पाया गया। इंडियन ऑयल के नमूनों में सबसे अधिक 31.2 प्रतिशत और हिंदुस्तान पेट्रोलियम में 30.5 प्रतिशत इथेनॉल दर्ज किया गया। भारत पेट्रोलियम, नायरा और शेल के नमूनों में भी इसकी मात्रा 22 से 27 प्रतिशत के बीच मिली।

वाहनों के कलपुर्जों को नुकसान की आशंका

कर्नाटक सरकार ने चेतावनी दी है कि देश की 99 प्रतिशत गाड़ियां अधिक इथेनॉल मिश्रित ईंधन के अनुकूल नहीं हैं। अप्रैल 2023 के बाद निर्मित ई-20 अनुकूल वाहन भी 20 प्रतिशत से अधिक इथेनॉल सहन नहीं कर सकते। अधिक इथेनॉल से ईंधन पंप, इंजेक्टर, फिल्टर और सील जैसे कलपुर्जों को नुकसान पहुंचने तथा माइलेज घटने का खतरा है। राज्य सरकार ने वाहन निर्माता कंपनियों से यह भी सवाल किया कि ऐसे पेट्रोल से वाहनों को नुकसान होने पर क्या वारंटी का लाभ मिलेगा।

केंद्र से पारदर्शिता और मुआवजे की मांग

राज्य सरकार का आरोप है कि पहले जब नमूने कंपनियों की आंतरिक प्रयोगशालाओं में भेजे गए थे, तब उनकी रिपोर्ट में इथेनॉल की मात्रा का उल्लेख नहीं किया गया। सरकार ने देशभर के पेट्रोल पंपों पर इथेनॉल मिश्रण का प्रतिशत अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने और खराब ईंधन से क्षतिग्रस्त वाहनों के मालिकों को राहत देने के लिए विशेष ई-20 क्षति राहत कोष बनाने की मांग की है।

कर्नाटक सरकार ने मोटर स्पिरिट और हाई स्पीड डीजल (आपूर्ति एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2005 के तहत अधिकारियों को पेट्रोल पंपों और आपूर्ति शृंखला पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। राज्य के 'मिशन निखरा' के तहत पूरे कर्नाटक में ईंधन के नमूनों की जांच जारी रहेगी। वहीं, केंद्र सरकार का कहना है कि इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम वैज्ञानिक सत्यापन और निगरानी के तहत चलाया जा रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम ने भी आंतरिक रूप से ईंधन की गुणवत्ता को लेकर चिंता जताई थी।

टोल प्लाजा 'फ्री'

रूकने की झंझट खत्म, नया नियम

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)।



राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले वाहन चालकों को जल्द ही टोल प्लाजा पर रुकने और लंबी कतारों में इंतजार करने से राहत मिल सकती है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने बैरियरमुक्त टोल व्यवस्था लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके लिए शुक्रवार को चार लेन और उससे अधिक चौड़े राष्ट्रीय राजमार्गों पर बहु-लेन निर्बाध यातायात (मल्टीलेन फ्री फ्लो) टोल प्रणाली के डिजाइन और बुनियादी ढांचे से संबंधित मानकीकृत दिशानिर्देश जारी किए गए।

बिना रुके चुकाया जा सकेगा टोल

एनएचएआई के अनुसार, नई व्यवस्था में वाहनों को टोल भुगतान के लिए रुकने की आवश्यकता नहीं होगी।

इससे टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारें समाप्त करने, यात्रा का समय घटाने और ईंधन की खपत कम करने में मदद मिलेगी। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात को अधिक सुगम और सुरक्षित बनाना है।

नए दिशानिर्देशों में टोल प्लाजा का प्रारूप, टोल लेन की संख्या, गैन्ट्री की व्यवस्था एवं स्थान, सड़क सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था, संकेतक और अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए एक समान मानक तय किए गए हैं। वाहनों को भुगतान के लिए रुकना नहीं पड़ेगा, इसलिए पारंपरिक टोल प्लाजा की तुलना में लेन की संख्या भी आवश्यकता के अनुसार कम रखी जा सकेगी।

समय और ईंधन दोनों की होगी बचत

इस व्यवस्था से उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग होगा और वाहनों की आवाजाही आसान बनेगी। वाहन चालकों को टोल क्षेत्र की जानकारी देने और यातायात सुचारु रखने के लिए पर्याप्त संकेतक तथा इलेक्ट्रॉनिक परिवर्तनीय संदेश संकेतक (वीएमएस) लगाए जाएंगे। इसके अलावा टोल प्लाजा के संचालन एवं रखरखाव के लिए प्रशासनिक भवन और रखरखाव केंद्र जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

एनएचएआई के ये दिशानिर्देश भविष्य की सभी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं और निर्माणाधीन परियोजनाओं पर लागू होंगे। जिन परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है, उनमें नए डिजाइन को शामिल किया जाएगा। वहीं, जिन परियोजनाओं के ठेके पहले ही दिए जा चुके हैं या निर्माण कार्य जारी है, उनमें अनुबंध की शर्तों के अनुसार आवश्यक बदलाव किए जाएंगे।

प्रकाश 'राज'नीति

एसआईआर के खिलाफ कोच्चि में मोर्चा

कोच्चि, 06 नवंबर (एजेंसियां)।



केरल के कोच्चि में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ शनिवार को विरोध मार्च निकाला जाएगा। इसका आयोजन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से किया जा रहा है। पार्टी ने एसआईआर प्रक्रिया वापस लेने की मांग की है। इस विरोध मार्च में अभिनेता प्रकाश राज और पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके भी शामिल होंगे। आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

मरीन ड्राइव से राजेंद्र मैदान तक मार्च

आयोजकों के अनुसार, शनिवार शाम 4 बजे कोच्चि के मरीन ड्राइव से विरोध मार्च शुरू होगा और राजेंद्र मैदान तक पहुंचेगा। यहां जनसभा आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम को 'जंतर-मंतर एट कोच्चि' नाम दिया गया है। सीजेपी कार्यकर्ताओं को उम्मीद है कि केरल के विभिन्न हिस्सों से लोग इसमें शामिल होंगे। विशेष रूप से युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

प्रकाश राज सहित कई नेता होंगे शामिल

अभिनेता प्रकाश राज और पार्टी संस्थापक अभिजीत दीपके के अलावा पार्टी की राष्ट्रीय नेता अफरीन नवाज तथा दक्षिण भारत के प्रभारी विजय रेड्डी मल्लांगी भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। दीपके और प्रकाश राज ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर लोगों से विरोध मार्च में शामिल होने की अपील की।

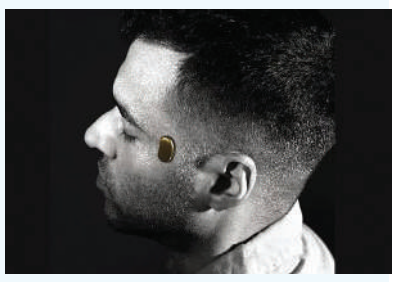
कोच्चि सिटी पुलिस की विशेष शाखा के अधिकारियों के अनुसार, सीजेपी कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम की व्यवस्था को लेकर हाल ही में कोच्चि के पुलिस उपायुक्त से मुलाकात की थी। पुलिस को मार्च शांतिपूर्ण रहने की उम्मीद है, हालांकि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

कोच्चि में यह प्रदर्शन ऐसे समय हो रहा है, जब पार्टी के नेता हाल ही में दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों को लेकर पुलिस कार्रवाई का सामना कर चुके हैं। पार्टी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली के जंतर-मंतर में प्रवेश करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस ने पिछले महीने जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में अधिसूचित नहीं किया था। इसके बाद पार्टी के घोषित तिरंगा मार्च से पहले अभिजीत दीपके को हिरासत में लिया गया था। हाल ही में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने राजधानी में हुए विरोध प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में सीजेपी नेताओं से पूछताछ भी की थी। ▶8पर

टेंपल स्कैम नहीं!

जोमैटो फाउंडर गोयल का करारा जवाब

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)।



जोमैटो के सह-संस्थापक दीपिंदर गोयल का टेंपल डिवाइस बाजार में लॉन्च होने की तैयारी में है। इसके लिए पूर्व पंजीकरण शुरू हो चुका है और आने वाले दिनों में इसकी आपूर्ति शुरू होने की संभावना है। हालांकि, इस उपकरण को लेकर कई डॉक्टरों ने सवाल उठाए हैं और कुछ ने इसे स्वास्थ्य के नाम पर बड़ा घोटाला तथा वेलनेस के क्षेत्र में धोखाधड़ी तक बताया है। अब दीपिंदर गोयल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि यह कोई घोटाला नहीं है।

डिवाइस तैयार करने में करोड़ों रुपये खर्च

गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारतीय डॉक्टरों को जवाब देते हुए बताया कि इस उपकरण को तैयार करने में लगभग 3 करोड़ अमेरिकी डॉलर खर्च हुए हैं, जिनमें से 2 करोड़ अमेरिकी डॉलर उनकी अपनी मेहनत की कमाई है। भारतीय मुद्रा में यह राशि करीब 188 करोड़ रुपये बताई गई है। उन्होंने कहा कि यदि यह उपकरण वास्तव में काम नहीं करता, तो परीक्षण करने वाले लोगों को कुछ ही दिनों में इसकी जानकारी हो जाती।

14 दिनों में वापसी की सुविधा

दीपिंदर गोयल ने बताया कि कंपनी 14 दिनों के भीतर बिना कोई सवाल पूछे उत्पाद वापस करने की सुविधा दे रही है। यदि टेंपल डिवाइस काम नहीं करेगा तो शुरुआत में ही इसका पता चल जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह परियोजना जल्द पैसा कमाने का माध्यम नहीं है। इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पद भी छोड़ दिया है।

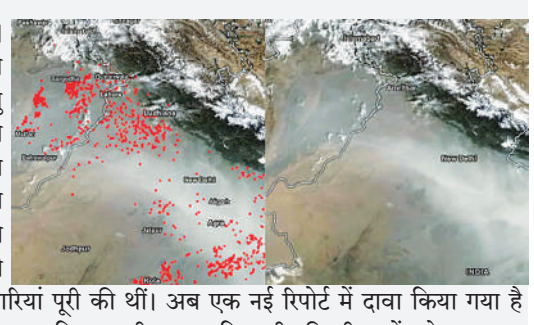
क्या है टेंपल डिवाइस?

टेंपल राजमा के दाने जैसा दिखने वाला एक छोटा उपकरण है, जिसे सिर के पास यानी कनपटी पर लगाया जाता है। कंपनी का दावा है कि यह मस्तिष्क में रक्त प्रवाह और एंट्रॉपी में होने वाले बदलावों की निगरानी करता है। कंपनी के पोर्टल के अनुसार, एंट्रॉपी से आशय शरीर द्वारा खुद को ठंडा रखने और गर्मी बाहर निकालने में किए जाने वाले प्रयास से है। कई डॉक्टरों ने इस उपकरण की तकनीक और मस्तिष्क के रक्त प्रवाह को मापने की क्षमता पर सवाल उठाए हैं। यकृत रोग विशेषज्ञ डॉ. साइरिएक एबी फिलिप्स, जिन्हें 'द लिवर डॉक' के नाम से भी जाना जाता है, इसके प्रमुख आलोचकों में शामिल हैं। उन्होंने इसे बड़ा स्वास्थ्य घोटाला और वेलनेस के नाम पर धोखाधड़ी बताया है। ▶8पर

पराली चकमा!

सैटेलाइट निगरानी किसानों के आगे फेल

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)।



करीब तीन दशक पहले भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण के दौरान दुनिया को चौंका दिया था। उस समय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और उनकी टीम ने अमेरिकी जासूसी उपग्रहों की निगरानी से बचते हुए परीक्षण की तैयारियां पूरी की थीं। अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पंजाब और हरियाणा के कुछ किसान भी उपग्रह निगरानी की सीमाओं को समझकर पराली जलाने के लिए इसी तरह की रणनीति अपना रहे हैं।

सैटेलाइट की निगरानी के समय को समझ रहे किसान

रिपोर्ट के मुताबिक, किसानों को यह समझ आने लगा है कि उपग्रह हर समय किसी क्षेत्र की निगरानी नहीं करते, बल्कि निर्धारित समय पर ही किसी इलाके के ऊपर से गुजरते हैं। ऐसे में यदि पराली को निगरानी के निर्धारित समय के बाहर, विशेषकर शाम या रात में जलाया जाए, तो कई घटनाएं उपग्रह के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पातीं।

इसी चुनौती को देखते हुए पर्यावरण संस्था आईफॉरेस्ट ने 'फायर वॉच' नामक नया बहु-उपग्रह निगरानी मंच विकसित किया है। संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. चंद्र भूषण के अनुसार, मौजूदा व्यवस्था पराली जलाने की पूरी तस्वीर सामने नहीं ला पाती, क्योंकि यह सीमित संख्या में ध्रुवीय कक्षा वाले उपग्रहों पर निर्भर है।

कलाम की रणनीति से जुड़ा उदाहरण

मई 1998 में भारत ने राजस्थान के पोखरण में शक्ति शृंखला के तहत पांच परमाणु परीक्षण किए थे। बाद में सामने आया था कि भारतीय वैज्ञानिकों ने उपग्रहों के एक क्षेत्र से गुजरने और दूसरी बार आने के बीच उपलब्ध समय का उपयोग तैयारियां पूरी करने के लिए किया था। इससे यह स्पष्ट हुआ था कि अंतरिक्ष से निगरानी लगातार नहीं होती, बल्कि निर्धारित अंतराल पर होती है। रिपोर्ट के अनुसार, खेतों में आग की निगरानी में भी ऐसी ही तकनीकी सीमाएं मौजूद हैं।

चार उपग्रहों के आंकड़ों पर निर्भर निगरानी

वर्तमान में खेतों में आग का पता लगाने के लिए मुख्य रूप से चार ध्रुवीय कक्षा वाले उपग्रहों के आंकड़ों का उपयोग किया जाता है। इनमें अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मॉडिस और वीआईआईआरएस सेंसर शामिल हैं। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 16°

कर्मभूमि एक्सप्रेस के 4 डिब्बे स्वाहा

द बर्निंग ट्रेन



पटियाला, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

पंजाब के पटियाला जिले में शुक्रवार को अमृतसर से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लग गई। घटना सराय बंजारा रेलवे स्टेशन के पास हुई। आग का पता चलते ही ट्रेन को तत्काल रोक दिया गया और प्रभावित डिब्बों को शेष ट्रेन से अलग कर दिया गया, जिससे आग आगे फैलने से रोक दी गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, आग शुरुआत में एक डिब्बे में लगी थी, लेकिन तेज हवा के कारण दूसरे डिब्बों तक फैल गई। अंबाला मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार भाटिया ने बताया कि शुरुआत में एक डिब्बे में आग लगी थी, जो हवा के कारण चार डिब्बों तक पहुंच गई। उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक यशजित सिंह के अनुसार, ▶8पर

अब तक 119

गुलाम कश्मीर में पाक बर्बरता

बलूचिस्तान, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के कब्जे वाले गुलाम जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) के राजनीतिक कार्यकर्ता डॉ. अमजद अयूब मिर्जा ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सुरक्षा बल क्षेत्र में नागरिकों के खिलाफ हिंसक कार्रवाई कर रहे हैं। उनके दावे के अनुसार, जून 2026 में विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से कम से कम 119 लोगों की मौत हुई है और 910 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

पांच महीने से जारी है आंदोलन

5 नवंबर को जारी बयान में डॉ. मिर्जा ने आंदोलन के पांच महीने पूरे होने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आंदोलन 5 जून को



धरने और मुजफ्फराबाद की ओर लंबे मार्च की अपील के साथ शुरू हुआ था। उनके अनुसार, पंजाब पुलिस, इस्लामाबाद कांस्टेबुलरी और रेंजर्स सहित सुरक्षा बलों ने मार्च को रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण आंदोलन को दबाने के लिए सिंध पुलिस को गैरकानूनी तरीके से पीओजेके में तैनात किया गया।

डॉ. मिर्जा के अनुसार, अकेले 5 नवंबर को तीन लोगों की मौत हुई और 17 लोग घायल हुए।

उन्होंने आरोप लगाया कि रावलकोट में एक अदालत के पास नागरिकों पर हमले के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। एक अन्य घटना में रॉकेट से चलने वाला ग्रेनेड होने के संदेह वाला अज्ञात प्रक्षेप्य एक घर पर गिरा। उस समय परिवार के सदस्य भोजन कर रहे थे।

इस घटना में तीन बच्चों और दो महिलाओं सहित परिवार के पांच सदस्यों की मौत होने का दावा किया गया। ▶8पर



मिडटर्म नतीजों के बाद अमेरिका में हलचल : वेंस की नई रणनीति और पेंटागन में उथल-पुथल

वाशिंगटन

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को मिले निराशाजनक जनादेश के बाद, वाशिंगटन के सत्ता गलियारों में आत्ममंथन और जवाबदेही तय करने का दौर शुरू हुआ है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस 2028 के राष्ट्रपति चुनाव को ध्यान में रखकर रिपब्लिकन पार्टी के भीतर एक नया न्यू राइट गठबंधन खड़ा करने की कवायद में जुटे हैं। वहीं, ईरान युद्ध के संकट और उसके राजनीतिक नतीजों के कारण ट्रंप प्रशासन के भीतर पेंटागन में भी उथल-पुथल मची है, जहाँ रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, वेंस इसतरह के रूढ़िवादी मतदाताओं को एकजुट करने का प्रयास कर रहे हैं जो डोनाल्ड ट्रंप के मूल राष्ट्रवादी एजेंडे के प्रति प्रतिबद्ध हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय विवादों और प्रशासन की विदेश नीति से नाखुश हैं। व्हाइट हाउस में हुई महत्वपूर्ण बैठक के बाद, वेंस ने ट्रंप के निराश मतदाताओं को वापस जोड़ने के लिए चार सूत्रीय रणनीति साझा की। इस प्रस्तावित रणनीति में ईरान में अमेरिकी सैन्य भागीदारी को खत्म करना, महंगाई और बढ़ती जीवन-लागत जैसी घरेलू आर्थिक चिंताओं को दूर करना, अमेरिका फर्स्ट एजेंडे के मूल सिद्धांतों की ओर लौटना और इज़राइल के प्रति वाशिंगटन के राजनयिक दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करना शामिल है। वेंस ने चुनावों में हार का सीधा संबंध चल रहे संघर्ष से जोड़कर कहा, हम इसलिए हारे क्योंकि युद्ध चल रहा है, और उन्होंने खुद राष्ट्रपति के बयानों का हवाला दिया।

मध्यावधि चुनावों में मिली हार ने ट्रंप प्रशासन के भीतर ईरान संघर्ष से निपटने के तरीके को लेकर जवाबदेही के सवाल खड़े किए हैं। रिपोर्ट बताती है कि राष्ट्रपति ट्रंप इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या रक्षा सचिव पीट हेगसेथ को अपने पद पर बने रहना चाहिए या नहीं, क्योंकि ईरान युद्ध प्रशासन के कामकाज के मूल्यांकन में एक प्रमुख कारक बन गया है। ट्रंप ने अपने करीबी सलाहकारों से नेतृत्व में बदलाव की संभावना पर बात की है। यह जांच केवल रक्षा सचिव तक ही सीमित नहीं है; अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर और जाइंट चीफ्स आफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन जैसे वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व को भी उनके फैसलों पर सवालों का सामना करना पड़ सकता है। पेंटागन में संभावित बदलाव की अटकलों के बीच, फ्लोरिडा के गवर्नर रान डेसेंटिस का नाम रक्षा विभाग की कमान संभालने वाले संभावित उम्मीदवार के तौर पर सामने आ रहा है।

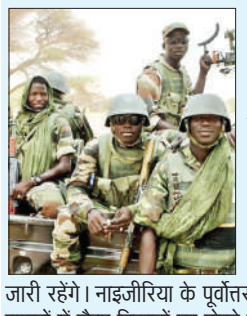
न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के पंजाब में सड़क हादसा, 11 लोगों की मौत, 33 घायल



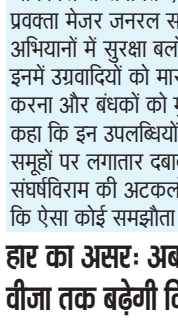
लाहौर (पंजाब) पाकिस्तान। पाकपट्टन के पास एक यात्री बस और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए। रेस्क्यू 1122 ने बताया कि यह हादसा हुआ। हादसे में 11 लोग मौके पर मारे गए। आठ लोगों को मामूली चोट आई है। 25 अन्य लोगों को पाकपट्टन के जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचक्यू)) में भर्ती कराया गया। पाकपट्टन ऐतिहासिक शहर है। यह पंजाब सूबे के मध्य-दक्षिण हिस्से में सतलुज नदी के दाएं तट पर स्थित है। पाकपट्टन जिले का मुख्यालय भी है। प्रांत की राजधानी लाहौर से यह दक्षिण-पश्चिम में लगभग 179 से 184 किलोमीटर और मुल्तान से लगभग 205 किलोमीटर दूर है। यह भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर है। डान समाचार पत्र की रिपोर्ट में जिला प्रशासन की प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से बताया गया है कि यह हादसा देपालपुर रोड पर हुआ। मुल्तान से कसूर जा रही एक यात्री बस और विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक के बीच टक्कर हो गई। सूचना पाकर जिला उपायुक्त आसिफ रजा और जिला पुलिस अधीक्षक जावेद इकबाल चधर पहुंचे। उन्होंने रेस्क्यू 1122 और जिला प्रशासन की टीमों के साथ मिलकर बचाव कार्यों की निगरानी की। विज्ञप्ति के अनुसार, तीन घंटे तक चले बचाव अभियान में क्रेन और अन्य भारी मशीनों का इस्तेमाल करके मलबे में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इस घटना पर गहरा शोक और दुख व्यक्त किया। राष्ट्रपति ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई और हादसे में घायल हुए लोगों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना की।

नाइजीरिया ने बोको हराम और आईएसडब्ल्यूएपी से संघर्षविराम से किया इनकार



अबुजा। नाइजीरिया की सेना ने आतंकी संगठन बोको हराम और इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (आईएसडब्ल्यूएपी) के साथ किसी भी तरह के संघर्षविराम की संभावना से इनकार किया। सेना ने स्पष्ट किया कि उग्रवादी और अन्य सशस्त्र समूहों के खिलाफ सैन्य अभियान लगातार जारी रहेंगे। नाइजीरिया के पूर्वोत्तर क्षेत्र में हाल के सप्ताहों में सैन्य ठिकानों पर बोको हराम और आईएसडब्ल्यूएपी के हमले बढ़े हैं। यह स्थिति ऐसे समय बनी है, जब क्षेत्र में पिछले 17 वर्षों से जारी उग्रवाद को नियंत्रित करने के लिए सेना लगातार अभियान चला रही है। राजधानी अबुजा में खुफिया जानकारी से संबंधित एक ब्रीफिंग के दौरान सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल समाइला उबा ने कहा कि हालिया अभियानों में सुरक्षा बलों को कई सफलताएं मिली हैं। इनमें उग्रवादियों को मार गिराना, संदिग्धों को गिरफ्तार करना और बंधकों को मुक्त कराना शामिल है। उन्होंने कहा कि इन उपलब्धियों से स्पष्ट है कि सेना सशस्त्र समूहों पर लगातार दबाव बनाए हुए है। उबा ने संघर्षविराम की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा कोई समझौता नहीं है।

हार का असर: अब ट्रेड डील से लेकर वीजा तक बढ़ेगी निगरानी



वाशिंगटन। अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत मिलने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए घरेलू राजनीतिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि उनकी विदेश नीति पर पूरी तरह अंकुश लग जाएगा। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में इन चुनावी परिणामों का असर व्यापार, टैरिफ, रूस से तेल खरीद, आव्रजन और रक्षा सहयोग जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देखने को मिल सकता है। अमेरिकी संसद में डेमोक्रेटिक बहुमत आने से ट्रंप प्रशासन के व्यापारिक फैसलों पर निगरानी बढ़ सकती है। सांसद टैरिफ नीति, भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते और अमेरिकी कंपनियों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर सवाल उठा सकते हैं। इससे भारत को व्यापार वार्ता में कुछ राहत मिलने की संभावना है, लेकिन किसी आसान समझौते की गारंटी नहीं है। राष्ट्रपति के पास व्यापार और टैरिफ से जुड़े कई कार्यकारी अधिकार अब भी बरकरार हैं। रूस से तेल खरीद के मुद्दे पर भी भारत को अमेरिकी दबाव का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, कांग्रेस में डेमोक्रेट्स की बढ़ती भूमिका से इस मामले पर चर्चा और जांच तेज हो सकती है, लेकिन ट्रंप प्रशासन की नीति में तत्काल बदलाव की संभावना सीमित है। आव्रजन नीति भी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनी हुई है। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा की फीस, पात्रता और नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर सख्ती बढ़ाई है। डेमोक्रेटिक सांसद इन नियमों की समीक्षा कर सकते हैं और अमेरिकी कंपनियों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर सुनवाई कर सकते हैं।

इजराइल में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ, आइसेनकोट पर सबकी नजर

यरुशलम (इजराइल)

इजराइल में गुरुवार देरशाम नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया। 11 सांसदों वाली अरब पार्टियों के गठबंधन ज्वाइंट लिस्ट के नेताओं ने राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। इसके बाद राष्ट्रपति को मध्यमार्गी गठबंधन के नेता और पूर्व सेना प्रमुख 66 वर्षीय गादी आइसेनकोट के समर्थन का पत्र सौंप दिया। आइसेनकोट यशार पार्टी के नेता हैं। उन्होंने पिछले साल पार्टी बनाई और इस साल चुनाव मैदान में कूदे।

द यरुशलम पोस्ट और द टाइम्स आफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह हुए नेसेट (संसद) के चुनाव के बाद उन्हें विपक्षी गुटों और अरब राजनीतिक दलों ज्वाइंट लिस्ट और रा'अम का का समर्थन मिलने तस्वीर बदल गई। इनके समर्थन से आइसेनकोट 120 सदस्यों वाली नेसेट में सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत के आंकड़े (61 सीट) को पार कर गए। अरब पार्टी रा'अम के आठ सांसद हैं। चुनाव में आइसेनकोट के नेतृत्व वाले गठबंधन के 48 उम्मीद जीते हैं।

देश में सबसे ज्यादा समय 19 वर्ष तक सत्ता में रहे बेंजामिन नेतन्याहू नई सरकार के गठन के लिए आवश्यक बहुमत नहीं जुटा सके। 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में उनके गठबंधन को 53 सीटें मिलीं। गुरुवार को नेतन्याहू के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी गठबंधन में शामिल सात सांसदों वाली पार्टी यूनाइटेड टोरा जूडिज्म (यूटीजेड) ने अलग होने की घोषणा कर दी। इसके बाद समीकरण बदल गए। नेतन्याहू गुट के पास केवल 46 सांसद बचे। यूटीजेड ने फिलहाल नेसेट में अलग बैठने का फैसला किया है।

आइसेनकोट ने कहा कि वह इजराइल को यहूदी राष्ट्र मानते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था से देश को चलाएंगे। हमास को आतंकी संगठन मानते हुए उसकी सैन्य शक्ति को खत्म किया जाएगा। सेना में भर्ती के लिए नियम बदले जाएंगे। देश के गठन के समय नागरिक अधिकारों के लिए तय की गई आचार संहिता का पालन किया जाएगा। राष्ट्रपति को आइसेनकोट के समर्थन में पत्र सौंपने वाली ज्वाइंट लिस्ट में तीन अरब पार्टियां- हदाश, ताल और बलद हैं हैं। रा'अम ने अलग होकर चुनाव लड़ा।

राष्ट्रपति हर्जोग ने कहा कि नेसेट के चुने गए 120 सदस्यों में से 67 ने आइजेनकोट के नाम की सिफारिश की है। वह रविवार को उन्हें सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने एकता की अपील की। उन्होंने विरोधियों को विनाशकारी गुट करार दिया। चैनल-12 की रिपोर्ट के अनुसार, 10 नवंबर को शपथ ग्रहण कार्यक्रम किया जाएगा। शपथ ग्रहण के बाद नेसेट के नए अध्यक्ष का चुनाव होगा।

नेसेट के अध्यक्ष अमीर ओहाना ने कहा है कि कम से कम 61 सांसद औपचारिक रूप से अनुरोध करते हैं तो वह अपने उत्तराधिकारी को चुनने के लिए बहस का समय तय करेंगे। ओहाना लिकुड पार्टी से हैं। अरब पार्टी रा'अम ने आइसेनकोट का समर्थन किया और कहा कि वह रक्षा मामलों में दखल नहीं देगी। हर्जोग के साथ मुलाकात में इस पार्टी के नेता मंसूर अब्बास ने हमास को स्पष्ट रूप से आतंकवादी संगठन मानने से परहेज किया। हालांकि, उन्होंने आतंकवाद और राजनीतिक हिंसा की बार-बार निंदा की और यह भी कहा कि हमास के हथियार छीन लिए जाने चाहिए और उसे सत्ता से हटा दिया जाना चाहिए। आइसेनकोट ने अपनी संभावित सरकार में शामिल होने की इच्छा रखने वाली पार्टियों के सामने यह शर्त रखी है कि उन्हें हमास को एक आतंकवादी संगठन के रूप में मान्यता देनी होगी। अब्बास ने उम्मीद जताई कि आइसेनकोट अच्छी सरकार बनाएंगे।



नेतन्याहू का सबसे लंबा कार्यकाल

प्रधानमंत्री नेतन्याहू का सत्ता से जाना तय माना जा रहा है। उन्हें देश में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहने के लिए जाना जाएगा। उन्होंने पहला कार्यकाल (3 साल) 18 जून 1996 से 6 जुलाई 1999 को पूरा किया। उनका दूसरा कार्यकाल (12 साल) 31 मार्च 2009 से 13 जून 2021 तक रहा। उनका तीसरा कार्यकाल चल रहा है। उन्होंने 29 दिसंबर 2022 को प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला।

आइसेनकोट संभाल चुके हैं आईडीएफ की कमान

आइसेनकोट इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) की कमान संभाल चुके हैं। पूर्व सेना प्रमुख (चीफ आफ स्टाफ) इस चुनाव में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरे।आइसेनकोट ने 1978 में आम सैनिक के रूप में अपना करियर शुरू किया था। वह 2015 से 2019 तक आईडीएफ के 21वें चीफ आफ स्टाफ रहे। वह इस पद पर पहुंचने वाले मिजराही यहूदी पृष्ठभूमि के पहले व्यक्ति हैं। सैन्य रणनीति में उनका दहिया सिद्धांत चर्चित है। सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने 2022 में राजनीति में प्रवेश किया। सितंबर 2025 में उन्होंने पार्टी बनाई।

ढाका के मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में बीजीपी की 33 प्लाटून तैनात, हालात पर नियंत्रण का दावा



ढाका (बांग्लादेश)

देश की राजधानी ढाका के मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में हालात में सुधार के आशिंक संकेत हैं। सरकार ने हिंसा के मद्देनजर बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीपी) की 33 प्लाटून को तैनात किया है। यहां के कर्मचारी एक सप्ताह से ज्यादा समय से न्यूनतम मासिक वेतन 30,000 टका करने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। पूरे इलाके को छावनी में बदल दिया गया। सड़कों पर चारों ओर पुलिस और एसआरबी के जवान ही नजर आए। प्रशासन ने हालात पर नियंत्रण का दावा किया है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, आठ दिनों की अशांति के बाद कपड़ा उद्योग के आंदोलनरत कर्मचारी शांत दिखे। मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र के सावर, गाजीपुर और नारायणगंज के कारखानों में उत्पादन फिर शुरू हो गया है। हालांकि अशुलिया में छिटपुट विरोध प्रदर्शनों की वजह से 70 फैक्टरियों में काम रोकना पड़ा है। अशुलिया में कर्मचारियों ने सड़कें ब्लाक कर दीं और उनकी पुलिस के साथ झड़प भी हुई।

प्रशासन ने समूचे औद्योगिक एरिया में सुरक्षा बढ़ा दी है। हालात से निपटने के लिए बीजीबी की 33 प्लाटून तैनात की हैं। सरकार ने वेतन की समीक्षा के लिए एक वेज बोर्ड बना दिया है। नया वेतनमान दिसंबर से लागू करने की बात कही जा रही है। हालांकि, प्रस्तावित बढ़ोतरी की रकम की घोषणा अभी बाकी है। मीरपुर औद्योकि क्षेत्र काफी बड़ा है। यह इलाका कई थाना क्षेत्र और अनेक पुलिस अधीक्षकों के नियंत्रण में होता है।

पुलिस अधीक्षक मोमिनुल इस्लाम भुइयां ने कहा कि उनके अधिकार क्षेत्र में 1,863 फैक्टरियां हैं। इनमें से 70 ने अवकाश घोषित किया है। बाकी में उत्पादन शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया कि कुछ जगहों पर हुई गड़बड़ी के बावजूद कुल मिलाकर हालात स्थिर हैं।

प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने अब्दुल्लापुर-बैपैल रोड को ब्लाक कर दिया। इससे यातायात में रुकावट आई। इसके बाद जामगोरा में झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस और साउंड ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। बीजीबी मुख्यालय के मुताबिक, मीरपुर में तीन प्लाटून, सावर और अशुलिया में 11, गाजीपुर में 12 और नारायणगंज में सात प्लाटून तैनात की गई हैं। डिटेक्टिव ब्रांच ने मंगलवार को मीरपुर-11 में पुलिस पर हुए हमले के सिलसिले में आठ और लोगों को गिरफ्तार किया है। सरकार ने उपायुक्त मोहम्मद अख्तार हुसैन को हिंसा की जांच करने का जिम्मा सौंपा है।

समुद्र में पाए जाने वाला जीव ग्लास स्पंज रहता है हजारों साल जीवित



वाशिंगटन। क्या आप जानते है, पृथ्वी पर ऐसे कई जीव मौजूद हैं जिनका जीवनकाल हजारों साल लंबा होता है। प्राकृतिक दुनिया के ये अद्भुत सदस्य अपनी असाधारण दीर्घायु के लिए जाने जाते हैं। ऐसा ही एक समुद्री जीव है ग्लास स्पंज। यह गहरे समुद्र में पाया जाता है और यह अनुमानत: 10,000 से 15,000 से भी अधिक सालों तक जीवित रह सकता है। इसी कड़ी में एक और बेहद खास जीव है टुरिटोप्सिस डोर्नी नाम की जेलीफिश, जिसे जैविक रूप से अमर माना जाता है। इसकी यह खूबी है कि यह अपने जीवन चक्र को उल्टा कर सकती है, यानी अपने वयस्क चरण से वापस पालीप चरण में लौट सकती है। हालांकि, जैविक अमरता का अर्थ यह नहीं है कि यह जीव कभी मर ही नहीं सकता, बल्कि यह है कि वह किसी भी उम्र में अपने जीवन के पिछले चरण में लौटकर खुद को फिर से युवा कर सकता है। समुद्र की गहराइयों में ऐसे कई प्राचीन जीव निवास करते हैं। अंटार्कटिक स्पंज भी एक ऐसा ही अद्भुत जीव है जो बेहद ठंडे पानी में काफी धीमी गति से बढ़ता है और 10,000 सालों से भी ज्यादा समय तक जीवित रह सकता है।

काठमांडू में बढ़ा वायु प्रदूषण, कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता अस्वास्थ्यकर' स्तर पर पहुंची

काठमांडू

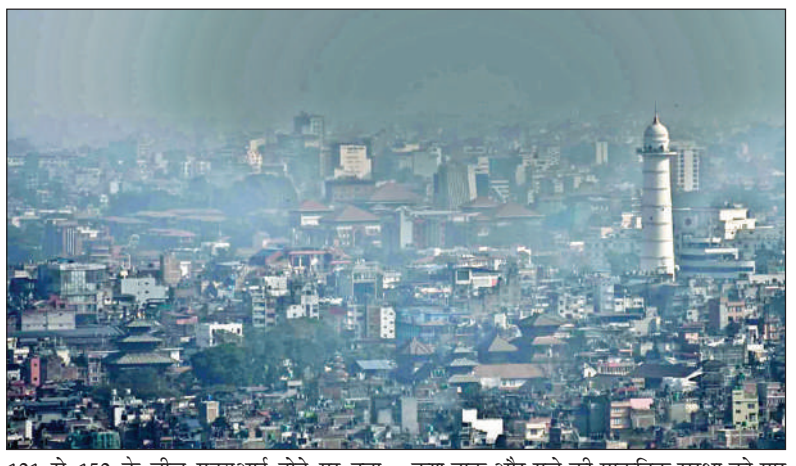
नेपाल में शुष्क मौसम की शुरुआत के साथ ही काठमांडू घाटी में वायु प्रदूषण बढ़ने लगा है। आज घाटी के कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता अस्वास्थ्यकर स्तर पर पहुंच गई ।

स्विट्जरलैंड स्थित वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था आईक्यूएआईआर के अनुसार, शुक्रवार सुबह घाटी के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर अस्वास्थ्यकर बना रहा। गुरुवार को भी स्थिति ऐसी ही थी। पूर्वानुमान के मुताबिक, रविवार तक हवा की गुणवत्ता इसी स्तर पर रहने की आशंका है।

आईक्यूएआईआर के अनुसार, घाटी का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 111 दर्ज किया गया। गुरुवार को काठमांडू के बानेश्वर इलाके में एक्यूआई का स्तर 153 तक पहुंच गया था। शुक्रवार सुबह 9 बजकर 15 मिनट तक इसी इलाके में यह घटकर 127 पर आ गया।

काठमांडू महानगरपालिका के वायु गुणवत्ता निगरानी डैशबोर्ड के अनुसार, स्वयंभू, बालाजू, टेकु, डल्लू, थापाथली, क्षेत्रपाटी, जडीबुटी, असन, कमलादी, शांतिनगर, चाबहिल, लैनचौर और हाँडीगांव समेत कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता अस्वास्थ्यकर पाई गई।

महानगरपालिका ने लोगों से वायु प्रदूषण बढ़ाने वाली गतिविधियों से दूर रहने की अपील की है। एयर क्वालिटी इंडेक्स के वर्गीकरण के अनुसार, 101 से 150 के बीच एक्यूआई होने पर हवा संवेदनशील समूहों के लिए अस्वास्थ्यकर मानी जाती है। इसमें विशेष रूप से सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोग, बुजुर्ग, बच्चे और पहले से किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोग शामिल हैं। वहीं, यह स्तर 151 से 200 के बीच पहुंचने पर हवा सभी लोगों के स्वास्थ्य के लिए अस्वास्थ्यकर मानी जाती है। पीएम 2.5 का मतलब 2.5 माइक्रोमीटर से कम व्यास वाले सूक्ष्म कणों से है। इसे वायु प्रदूषण के सबसे खतरनाक तत्वों में से एक माना जाता है। ये कण नाक और गले की प्राकृतिक सुरक्षा को पार करते हुए फेफड़ों के भीतर तक पहुंच सकते हैं और रक्तप्रवाह में भी प्रवेश कर सकते हैं। डाक्टरों के अनुसार, ऐसे कणों के संपर्क में आने से कैंसर समेत कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, हवा में पीएम 2.5 की वार्षिक औसत सांद्रता 5 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। वहीं, 24 घंटे के औसत के लिए इसकी अधिकतम अनुशंसित सीमा 15 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर है।



चीन की पनडुब्बी ने 7,000 मीटर की गहराई तक लगाया गोता, एआई का कमाल

बीजिंग

अपनी पनडुब्बियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का हाल ही में चीन ने सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। चीन ने अपनी अपग्रेड की गई मानवयुक्त पनडुब्बी जिया ओलोंग के साथ यह परीक्षण पश्चिमी प्रशांत महासागर के फिलीपीन बेसिन में किया। इस तकनीक से लैस एक अपग्रेडेड पनडुब्बी ने 7,000 मीटर से अधिक की गहराई तक गोता लगाकर अपनी अभूतपूर्व क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह विकास समुद्र के अंदर की परिस्थितियों को समझने, तकनीकी खराबी की पहचान करने और मुश्किल हालात में त्वरित निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे वैश्विक रक्षा परिदृश्य में नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। परीक्षण के दौरान, पनडुब्बी अधिकतम 7,056.9 मीटर की गहराई तक पहुंचने में सफल रही। इस पनडुब्बी में विशेष रूप से एआई-आधारित समुद्र तल विश्लेषण प्रणाली और एक अलग फाल्ट-डायग्नोसिस सिस्टम स्थापित किए गए हैं। ये सिस्टम पानी के अंदर परिचालन के दौरान पनडुब्बी के पायलट को आवश्यक जानकारी और महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करते हैं, जिससे मिशन की दक्षता और सुरक्षा बढ़ती है।



चीन का दावा है कि भविष्य में इसी तरह की अत्याधुनिक एआई तकनीक का उपयोग परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों में भी किया जा सकता है, जिससे चालक दल को आपातकालीन स्थितियों से निपटने में मदद मिलेगी। पनडुब्बियों के लिए पानी के भीतर गहरे डूबे रहते हुए सैटेलाइट से लगातार संपर्क बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में, चालक दल को बाहरी मदद के बिना ही जटिल जानकारी का विश्लेषण करना और महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ते हैं। एआई इस प्रक्रिया को सरल और तेज बना सकता है। यह सोनार से प्राप्त संकेतों का विश्लेषण कर सकता है, संभावित खतरों की पहचान कर सकता है, उपकरणों में खराबी का पता लगा सकता है और इंसानों की तुलना में आपातकालीन स्थितियों में तेजी से समाधान सुझा सकता है। जानकारों के अनुसार, शोधकर्ताओं ने इस प्रणाली को समुद्र की गहराई में रहने वाले जीवों और समुद्र तल पर मौजूद वस्तुओं की आठ लाख से अधिक तस्वीरों की मदद से प्रशिक्षित किया है, जिससे इसकी सटीकता और प्रभावशीलता बढ़ी है। यह लंबी अवधि के मिशनों के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध होगा, जहाँ तत्काल तकनीकी सहायता उपलब्ध नहीं होती। यह तकनीकी प्रगति अमेरिका जैसे देशों के लिए चिंता का विषय बन सकती है, जो स्वयं भी सैन्य क्षेत्र में एआई के इस्तेमाल की संभावनाओं को तलाश रहे हैं। चीन और अमेरिका दोनों ही सैन्य अनुप्रयोगों में एआई के अग्रणी बनने की होड़ में हैं। हालांकि, परमाणु हथियारों और उनसे संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लेने की प्रक्रिया में एआई की भूमिका को लेकर अभी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी बहस और विवाद है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिज़ूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज़ हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख-कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा-शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम-संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालांकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे- साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे - बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने-फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे- लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिगाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग-पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता-कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिज़ुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे- इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को महेनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 नवंबर 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रात: 10:47 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 05:52 तक
योग : प्रीति रात्रि 03:26 तक
करण : वणिज प्रात: 10:47 तक
चन्द्रराशि : कन्या सायं 05:15 तक
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:15, सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:08 सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , नरक चतुर्दशी भद्रा प्रात: 10:47 से रात्रि 11:04 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

धनतेरस का पर्व आरोग्य, समृद्धि और सेवा का देता है पावन संदेश : सोहनलाल दायमा





हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास शुक्रवार को धनतेरस के पावन अवसर पर नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दीपावली पर्व की शुरुआत के प्रतीक धनतेरस के इस शुभ अवसर पर वातावरण में धार्मिक आस्था, उत्साह और सेवा भावना का सुंदर संगम देखने को मिला। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सोहनलाल दायमा ने कहा कि धनतेरस केवल धन-संपत्ति और वैभव की प्राप्ति का पर्व नहीं है, बल्कि यह आरोग्य, उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरोगी जीवन का अमूल्य संदेश देने वाला पावन त्योहार है। यह पर्व भगवान धन्वंतरि को समर्पित है, जिन्हें आयुर्वेद और चिकित्सा विज्ञान का देवता माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। उनके प्राकट्य से ही संसार को आरोग्य, चिकित्सा और स्वस्थ जीवन का दिव्य संदेश प्राप्त हुआ। यही कारण है कि धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना कर परिवार और समाज के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-शांति तथा समृद्धि की कामना की जाती है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य को सबसे बड़ा धन माना गया है। जीवन में धन-दौलत, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन यदि मनुष्य का शरीर स्वस्थ नहीं है तो इन सभी उपलब्धियों का आनंद अधूरा रह जाता है। वास्तविक समृद्धि वही है, जिसमें व्यक्ति स्वयं स्वस्थ रहने के साथ-साथ दूसरों के सुख-दुख में भी सहभागी बने। धनतेरस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम अपने जीवन में स्वास्थ्य, संस्कार, सदाचार और परोपकार को विशेष स्थान दें। भगवान धन्वंतरि की आराधना का वास्तविक भाव भी यही है कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ, सुखी और निरोगी जीवन प्राप्त हो।

सोहनलाल दायमा ने कहा कि त्योहारों की सार्थकता केवल पूजा-पाठ और परंपराओं के निर्वहन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इन पावन अवसरों पर समाज के जरूरतमंद और अभावग्रस्त लोगों के जीवन में भी खुशियां लाने का प्रयास होना चाहिए। किसी भूखे को भोजन कराना, किसी असहाय की सहायता करना और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना भी ईश्वर की सच्ची आराधना है। सेवा का भाव ही मनुष्य को मनुष्य से जोड़ता है और समाज में प्रेम, सद्भावना तथा आपसी भाईचारे को मजबूत बनाता है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्नसेवा इसी पवित्र भावना का जीवंत उदाहरण है। ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निरंतर सेवा कार्य कर रहे हैं। इस सेवा अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और जरूरतमंदों की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता। ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्न वितरण करना नहीं, बल्कि समाज में सहयोग, समर्पण, सद्भावना और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करना भी है। सेवा के इस कार्य में प्रत्येक सदस्य अपनी सामर्थ्य के अनुसार योगदान देकर सामूहिक जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहा है।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, महेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, ई. जगन चंपापेट, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया एवं सोहनलाल दायमा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित थे। सभी ने सामूहिक रूप से अन्नसेवा में सहभागिता निभाते हुए सेवा और परोपकार की भावना को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

बसवेश्वर भवन को 3 करोड़ मंजूर

वीरशैव लिंगायत समुदाय के प्रतिनिधियों ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर से की शिष्टाचार भेंट



हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर से हैदराबाद स्थित उनके मंत्री आवास पर कामारेड्डी जिले के वीरशैव लिंगायत समुदाय के प्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कामारेड्डी जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष येले मल्लिकार्जुन की उपस्थिति में समुदाय के प्रतिनिधियों ने मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने रंगारेड्डी जिले के गांडीपेट मंडल के अंतर्गत कोकापेट गांव में सर्वे नंबर 240 के तहत एक एकड़ भूमि आवंटित करने तथा बसवेश्वर भवन के निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपये मंजूर कराने में दिए गए सहयोग के लिए मंत्री पोन्नम प्रभाकर के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।गौरतलब है कि कामारेड्डी जिला डीसीसी अध्यक्ष येले मल्लिकार्जुन भी वीरशैव लिंगायत समुदाय से संबंधित हैं। अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के साथ-साथ वे अपने समुदाय के विकास, आत्मसम्मान और एकता को प्राथमिकता देते रहे हैं। समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ मंत्रियों से मुलाकात कर समाज के हितों से जुड़े मुद्दों को उठाना उनकी विशेष प्राथमिकता रही है।

इस अवसर पर वीरशैव लिंगायत समुदाय के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री एनुमुला रेवंत रेड्डी और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर का हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया। उन्होंने बसवेश्वर भवन के निर्माण के लिए भूमि आवंटन और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में किए गए सहयोग की सराहना की।

जल संयंत्रों पर कार्रवाई की मांग



मदनूर, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल की विशेष बैठक में बिना लाइसेंस संचालित जल संयंत्रों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। सदस्यों ने सवाल किया कि मिशन भागीरथ योजना शुरू हुए कई वर्ष बीतने के बावजूद मंडल केंद्र में बोतलबंद पानी 20 रुपये प्रति बोतल क्यों बेचा जा रहा है। इस संबंध में मंडल विशेष अधिकारी राममोहन राव एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के सहायक अभियंता से जवाब मांगा गया। एई ने अवैध जल संयंत्रों पर कार्रवाई करने तथा मिशन भागीरथ के पानी की नियमित आपूर्ति के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया।

बैठक में कई गांवों में शिक्षकों की कमी से प्रभावित हो रही पढ़ाई का मुद्दा भी उठाया गया तथा शिक्षकों की नियुक्ति की मांग की गई। विभिन्न विभागों के विकास कार्यों पर भी गरमागरम चर्चा हुई।बैठक की अध्यक्षता मंडल विकास अधिकारी (एमपीडीओ) पी. सायलु ने की। मंडल विशेष अधिकारी राममोहन राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। बैठक में केवल पांच-छह सरपंच शामिल हुए, जबकि अधिकारियों की संख्या अधिक रही। ग्राम सचिवों की अनुपस्थिति को लेकर भी चर्चा हुई।

इस अवसर पर मंडल पंचायत अधिकारी सत्यनारायण रेड्डी, तहसीलदार एमडी मुजीब, आवास विभाग के डीई गोपाल, कृषि अधिकारी राजू, एपीओ पद्मा, एपीएम जगदीश कुमार, सिंचाई एवं वन विभाग के अधिकारी, पशु चिकित्सक विनीत कुमार, सरपंच, ग्राम सचिव और एमपीडीओ कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे।

एंटरप्रेन्योर सर्कल का भव्य दीपावली मिलन समारोह आयोजित



हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुबली हिल्स स्थित ड्यून रेस्टोरेंट में एंटरप्रेन्योर सर्कल (ईसी) की ओर से भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने अपने परिवारों के साथ सहभागिता की और दीपावली की खुशियां आपस में साझा कीं।

कार्यक्रम में एंटरप्रेन्योर सर्कल के अध्यक्ष कनिष्क गुप्ता, उपाध्यक्ष राहुल तापड़िया एवं कोषाध्यक्ष अंकुर तिबरेवाला सहित भारत चाण्डा, निखिल बाहेती, अभिषेक गुप्ता, गोविंद कंकाणी, अभिषेक अग्रवाल, जीत खुसरेजा, भरत अग्रवाल, प्रदीप रेड्डी एवं अभय अग्रवाल सहित अन्य सदस्य अपने परिवारों के साथ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन अभिषेक गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर सदस्य जीत खुसरेजा की वैवाहिक वर्षगांठ भी उत्साहपूर्वक मनाई गई। सभी सदस्यों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए इस खुशी के पल को यादगार बनाया।

समारोह के दौरान सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं तथा आपसी प्रेम, विश्वास एवं सहयोग की भावना को और मजबूत किया। इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि एंटरप्रेन्योर सर्कल केवल व्यापारिक संपर्कों का मंच नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, मित्रता और पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने वाला एक परिवार है। व्यापार में सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, नए विचारों के आदान-प्रदान, अनुभवों को साझा करने और एक-दूसरे को आगे बढ़ाने से मिलती है।इस प्रकार के आयोजन व्यापारिक संबंधों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मकता, एकता और सामूहिक विकास की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं।

बिजली टैंक का उद्घाटन



बांसवाड़ा, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा मंडल के बोरलाम गांव स्थित रेणुका येल्लम्मा कॉलोनी में बिजली की ओवरलोडिंग की समस्या के समाधान के लिए स्थापित नए बिजली टैंक का उद्घाटन सरपंच एम. रमेश और सहायक अभियंता (एई) अनिल ने किया। इस अवसर पर गांव के सरपंच ने कार्यक्रम में उपस्थित सहायक अभियंता अनिल को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही लाइनमैन को भी शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बिजली व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान की सराहना की गई। इस अवसर पर उपसरपंच सुनुगुरु बसवैया, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष (एमसी चेयरमैन) एन. नरसिमलू सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गांव के बुजुर्ग राजेश्वर गौड़, सतीश गौड़, सैयद जलील, मन्ने चिन्ना, सैलू, कम्मारी नरसिमलू, कम्मारी गंगाराम और श्रीपद सहित गांव के अन्य लोग शामिल हुए।

सद्गुणों से सजाएं आत्मा

रूप और रंग क्षणिक, सद्गुण ही बनाते हैं व्यक्ति को पूजनीय : कमल मुनि कमलेश

मैसूर, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

थानकवासी जैन संघ के हल्लदकेरी स्थित जैन स्थानक भवन में रूप चौदस की पूर्व संध्या पर प्रवचन देते हुए कमल मुनि कमलेश ने कहा कि यदि व्यक्ति में सद्गुण नहीं हैं तो उसके लिए बाहरी रूप-रंग व्यर्थ है। सुंदरता क्षणिक होती है। बीमारी के कारण कब सुंदरता कुरूपता में बदल जाए और वृद्धावस्था में कब चेहरे का रंग-रूप फीका पड़ जाए, इसका कोई भरोसा नहीं है।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति जितना समय नश्वर शरीर को सजाने-संवारने में लगाता है, यदि उतना ही समय सद्गुणों के माध्यम से अपनी आत्मा को सजाने में लगाए तो न केवल उसका स्वयं का कल्याण होगा, बल्कि वह सदियों तक पूजनीय बनकर समाज का मार्गदर्शन कर सकता है।

मुनिश्री ने कहा कि किसी व्यक्ति का मूल्यांकन उसके रूप-रंग के आधार पर करना अज्ञानता का प्रतीक है। रंग और नस्ल के आधार पर किसी के साथ भेदभाव करना साक्षात परमात्मा का अपमान करने के समान है। यह धर्म के सिद्धांतों के साथ विश्वासघात भी है।

उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति से जो प्राकृतिक सौंदर्य प्राप्त हुआ है, उसके साथ छेड़छाड़ करना धन की बर्बादी के साथ त्वचा संबंधी बीमारियों को निमंत्रण देने जैसा है। यह प्रकृति को झुठलाने के समान है।

कमल मुनि कमलेश ने कहा कि रूप निखारने के नाम पर निर्दोष प्राणियों की हत्या करके तैयार की गई सौंदर्य प्रसाधन सामग्री का उपयोग करना मांसाहार से कम नहीं है। ऐसी सामग्री में कई प्रकार के रसायन मिलाए जाते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं। व्यक्ति बाहरी रूप से नहीं, बल्कि सद्गुणों को अपनाकर दुनिया में मरने के बाद भी अमर हो सकता है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि शेर अपनी खाल रंगवाने कहां गया? मोर में रंग किसने भरे और तितली को सुंदरता किसने प्रदान की? राम, कृष्ण और पार्श्वनाथ जैसे महापुरुष सांवले रंग के होने के बावजूद अपने श्रेष्ठ कर्मों के कारण विश्व में पूजनीय बने। वहीं सुंदरता का दम भरने वाले, लेकिन गुणों से रहित लोगों के पास कितना ही साम्राज्य और धन क्यों न रहा हो, आज उनका नाम लेने वाला भी कोई नहीं है। मुनिश्री ने कहा कि भक्त रविदास, कबीर, तुलसीदास और गुरु नानक जैसे महापुरुष बाहरी रूप-रंग के कारण नहीं, बल्कि अपने गुणों और विचारों के कारण अनंत आत्माओं की श्रद्धा के केंद्र बने हुए हैं।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय जैन दिवाकर विचार मंच की महिला शाखा प्रमुख स्नेहल महावीर चोरड़िया ने कहा कि मातृशक्ति ने हिंसारहित स्वदेशी सामग्री अपनाने का संकल्प लिया है।

भारत की सबसे बड़ी बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए चेन्नई पर जेक पॉल की नजर



हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के स्टार मुक्केबाज नीरज गोयत और पूर्व यूएफसी चैंपियन एंथनी 'शोटाइम' पेटिस 23 जनवरी 2027 को होने वाली ऐतिहासिक बॉक्सिंग प्रतियोगिता से पहले पहली बार हैदराबाद में आमने-सामने आए। इस अवसर पर मोस्ट वैल्यूएबल प्रमोशंस (एमवीपी) के सह-संस्थापक जेक पॉल ने वीडियो संदेश के जरिए चेन्नई को मुकाबले का मेजबान शहर बनाने की इच्छा जताई। जेक पॉल ने कहा कि 47 वर्ष पहले जनवरी 1980 में चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में महान मुक्केबाज मुहम्मद अली ने प्रदर्शनी मुकाबला किया था। नीरज गोयत और पेटिस का मुकाबला चेन्नई में आयोजित होना भारतीय बॉक्सिंग के लिए ऐतिहासिक वापसी साबित होगा।

भारतीय प्रो बॉक्सिंग लीग (आईपीबीएल) ने बताया कि हैदराबाद, विशाखापत्तनम और चेन्नई मुकाबले की मेजबानी की दौड़ में हैं। आयोजन स्थल, टिकट और प्रसारण संबंधी जानकारी जल्द घोषित की जाएगी।

आईपीबीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सह-संस्थापक अक्षर माधवरम ने कहा कि दुनिया इस मुकाबले को गंभीरता से ले रही है। नीरज गोयत ने कहा कि इस बार भारतीय दर्शक उन्हें अपने देश में खेलते देखेंगे और वे घरेलू रिंग में जीत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वहीं, एंथनी पेटिस ने कहा कि 15 वर्षों तक विश्व चैंपियनों के साथ मुकाबला करने का अनुभव उन्हें इस चुनौती के लिए तैयार करता है।भारतीय बॉक्सिंग परिषद (आईबीसी) के विवेक ने बताया कि इस प्रतियोगिता के सभी मुकाबले विश्व बॉक्सिंग परिषद (डब्ल्यूबीसी) के मानकों के अनुरूप आईबीसी से स्वीकृत होंगे।

रूप चौदस : मन की पवित्रता और मानवता का अनुपम श्रृंगार

तन की सुंदरता क्षणिक, मन की पवित्रता और श्रेष्ठ कर्म ही वास्तविक सौंदर्य; सेवा, संस्कार और सद्भाव से जीवन को बनाएं प्रकाशमय





भारतीय संस्कृति में दीपावली का पर्व केवल दीप जलाने, मिठाइयां बांटने और खुशियां मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह आत्मिक चेतना, सकारात्मक विचारों और जीवन में नई ऊर्जा का संचार करने वाला महान पर्व है। दीपावली से एक दिन पूर्व मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी, जिसे रूप चौदस अथवा रूप चतुर्दशी के नाम से भी जाना जाता है, धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व हमें बाहरी सुंदरता के साथ-साथ आंतरिक सुंदरता को निखारने तथा अपने विचारों, व्यवहार और कर्मों को पवित्र बनाने की प्रेरणा देता है।

बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक

नरक चतुर्दशी का पौराणिक संबंध भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध से जुड़ा हुआ है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नरकासुर एक अत्याचारी असुर था, जिसने अपने अहंकार और शक्ति के मद में अनेक निर्दोष लोगों को कष्ट पहुंचाया था। उसके अत्याचारों से संसार को मुक्त कराने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने उसका अंत किया और धर्म की स्थापना की। इस विजय को बुराई पर अच्छाई, अन्याय पर न्याय तथा अंधकार पर प्रकाश की विजय के रूप में देखा जाता है। यही इस पर्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक संदेश है कि मनुष्य को अपने जीवन से अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मकता रूपी बुराइयों को समाप्त कर सद्गुणों को अपनाना चाहिए।

बाहरी नहीं, आंतरिक सुंदरता का महत्व

रूप चौदस का महत्व केवल शारीरिक सौंदर्य और सजने-संवरने तक सीमित नहीं है। भारतीय परंपरा में इस दिन प्रातःकाल अभ्यंग स्नान, स्वच्छता, पूजा-पाठ और दीपदान का विशेष महत्व माना गया है। यह दिन शरीर की शुद्धि के साथ मन और आत्मा की पवित्रता का संकल्प लेने की भी प्रेरणा देता है। वास्तव में मनुष्य का असली सौंदर्य उसके चेहरे, वस्त्रों या बाहरी व्यक्तित्व में नहीं, बल्कि उसके विचारों, संस्कारों, व्यवहार और दूसरों के प्रति उसके दृष्टिकोण में दिखाई देता है। मधुर वाणी, विनम्र स्वभाव, करुणा, दया और परोपकार की भावना ही व्यक्ति के व्यक्तित्व को वास्तविक सुंदरता प्रदान करती है।आज के आधुनिक और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में रूप चौदस का यह संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। भौतिक सुख-सुविधाओं, धन-संपत्ति और बाहरी दिखावे की दौड़ में मनुष्य अपने आंतरिक सौंदर्य और आत्मिक शांति को कहीं पीछे छोड़ता जा रहा है। ऐसे समय में यह पर्व हमें अपने भीतर झांकने, आत्ममंथन करने और अपनी कमियों को दूर करने का अवसर प्रदान करता है। हमें समझना होगा कि सच्चा सौंदर्य महंगे वस्त्रों, आभूषणों अथवा बाहरी सजावट से नहीं, बल्कि अच्छे विचारों और श्रेष्ठ कर्मों से निखरता है। जिस हृदय में दूसरों के लिए प्रेम, सम्मान और संवेदना होती है, वही हृदय वास्तव में सुंदर होता है।

सकारात्मक सोच से दूर होगा नकारात्मकता का अंधकार

इस पर्व का एक महत्वपूर्ण संदेश जीवन से नकारात्मकता को दूर करना भी है। जिस प्रकार एक दीपक जलते ही आसपास का अंधकार समाप्त होने लगता है, उसी प्रकार मनुष्य के जीवन में ज्ञान, विवेक और सकारात्मक सोच का प्रकाश आने पर अनेक समस्याओं का समाधान संभव हो जाता है। क्रोध के स्थान पर क्षमा, ईर्ष्या के स्थान पर प्रेम, अहंकार के स्थान पर विनम्रता और स्वार्थ के स्थान पर सेवा की भावना अपनाना ही वास्तविक आध्यात्मिक उन्नति है। हमें अपने मन को इतना निर्मल बनाना चाहिए कि हमारे विचारों और कर्मों से दूसरों को भी प्रेरणा मिले।

सेवा और परोपकार ही जीवन का सच्चा दीपदान

दीपदान की परंपरा भी हमें जीवन का गहरा संदेश देती है। मिट्टी का एक छोटा-सा दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। इसी प्रकार मनुष्य का जीवन भी तभी सार्थक होता है, जब वह स्वयं के साथ-साथ दूसरों के जीवन में भी खुशियों का उजाला फैलाए। किसी भूखे को भोजन कराना, जरूरतमंद की सहायता करना, दुखी व्यक्ति को सांत्वना देना और किसी निराश व्यक्ति के जीवन में आशा जगाना भी एक प्रकार का दीप प्रज्वलित करना ही है।

की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब हमारी खुशियों में समाज के हर वर्ग की भागीदारी हो।भारतीय संस्कृति में सेवा और परोपकार को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। मानव सेवा को ईश्वर की सच्ची आराधना माना गया है। गौसेवा, अन्नसेवा, जरूरतमंदों की सहायता, पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था तथा समाज में आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देना ऐसे कार्य हैं, जिनसे जीवन में वास्तविक संतोष और आनंद की अनुभूति होती है। हमारा छोटा-सा प्रयास भी किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। इसलिए त्योहारों के अवसर पर हमें केवल अपने परिवार की खुशियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज के उन लोगों का भी ध्यान रखना चाहिए, जिन्हें सहयोग और अपनत्व की आवश्यकता है।

नारी सम्मान और आत्मविश्वास का संदेश

रूप चौदस हमें नारी के सम्मान, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व की गरिमा का भी संदेश देती है। भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति, ममता, त्याग और संस्कारों का प्रतीक माना गया है। बाहरी रूप के साथ-साथ नारी की वास्तविक पहचान उसकी आत्मनिर्भरता, संवेदनशीलता, धैर्य और परिवार एवं समाज के प्रति उसके योगदान में निहित है। प्रत्येक व्यक्ति को एक-दूसरे के सम्मान और गरिमा का ध्यान रखते हुए ऐसा वातावरण बनाना चाहिए, जहां प्रेम, समानता और सद्भाव को महत्व मिले।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम त्योहारों को केवल परंपराओं के निर्वहन तक सीमित न रखें, बल्कि उनके पीछे छिपे जीवन मूल्यों को भी आत्मसात करें। नरक चतुर्दशी हमें सिखाती है कि वास्तविक अंधकार हमारे भीतर मौजूद बुरे विचारों और विकारों में है, जबकि वास्तविक प्रकाश प्रेम, शांति, संतोष और सद्भाव से निर्मित होता है। यदि हम अपने व्यवहार में मधुरता, अपने विचारों में सकारात्मकता और अपने कर्मों में निस्वार्थता ले आएं, तो हमारा परिवार, समाज और पूरा वातावरण सुंदर बन सकता है।

इस पावन अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने घरों के साथ-साथ अपने मन को भी स्वच्छ रखेंगे, दूसरों के प्रति सद्भाव बनाए रखेंगे, किसी का अहित नहीं करेंगे और अपनी सामर्थ्य के अनुसार समाजसेवा में योगदान देंगे। साथ ही, अपने जीवन में ऐसे संस्कार विकसित करेंगे, जिनसे आने वाली पीढ़ियां भी भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मानवीय मूल्यों से जुड़ी रहें।

रूप चौदस का वास्तविक आध्यात्मिक संदेश यही है कि तन की सुंदरता क्षणिक है, लेकिन मन की पवित्रता, विचारों की श्रेष्ठता और कर्मों की सुंदरता सदैव बनी रहती है। सच्चा श्रृंगार आभूषणों से नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, प्रेम और मानवता से होता है। आइए, इस नरक चतुर्दशी पर हम केवल अपने घरों में ही नहीं, बल्कि अपने हृदय में भी सद्भाव और सकारात्मकता के दीप प्रज्वलित करें तथा दूसरों के जीवन में खुशियों का प्रकाश फैलाने का संकल्प लें।

आप सभी को नरक चतुर्दशी एवं रूप चौदस की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशियों का नया प्रकाश लेकर आए।



-सुनीता अग्रवाल
एमडी, गोयल ड्रग्स, हैदराबाद

अहंकार से समाज का विनाश हो सकता है, लेकिन जनकल्याण की भावना संपूर्ण मानव जाति का भला कर सकती है।

भगवान इंद्र के कहने पर दधीचि ने किया था 'अस्थि दान'

एक बार देवराज इंद्र को अपनी शक्तियों का अहंकार हो गया और उन्होंने गुरु बृहस्पति को अपनी बातों से दुखी कर दिया। बृहस्पति के देवलोक छोडते ही देवताओं की शक्तियां कम हो गईं और असुरों ने उन पर आक्रमण कर दिया। नाना प्रकार की कोशिशें करने के बाद महर्षि विश्वरूप की कृपा से देवता जीत तो गए, लेकिन इंद्र ने दोबारा गलती कर दी। उन्होंने अपनी बातों से विश्वरूप को दुखी कर दिया। विश्वरूप के साथ छोडते ही वृतासुर नाम के असुर ने देवराज इंद्र पर आक्रमण कर दिया। देवराज भागकर सीधे भगवान विष्णु की शरण में आ गए। विष्णु ने उनसे कहा कि अहंकार के वशीभूत होकर आपने जो गलती की है, वह अक्षम्य है। ऐसी स्थिति में महर्षि दधीचि ही आपकी रक्षा कर सकते हैं।



इंद्र ने दधीचि के पास जाकर कहा कि श्री विष्णु के बताए उपाय के अनुसार, यदि आप अपनी अस्थियां दान में दे दें तो उनसे वज बनाकर वृतासुर से युद्ध किया जा सकता है। तब दधीचि ने कहा कि यदि मेरी अस्थियां जनकल्याण के काम में लायी जाती हैं, तो मैं तैयार हूं। उन्होंने अपने शरीर पर मिष्ठान्न का लेपन किया और समाधिस्थ हो गए।

कामधेनु गाय ने उनके शरीर को चाटना आरंभ कर दिया। कुछ देर में महर्षि के शरीर की त्वचा, मांस और मज्जा उनके शरीर से विलग हो गए। मानव देह के स्थान पर सिर्फ उनकी अस्थियां ही शेष रह गईं। इंद्र ने उन अस्थियों से 'तेजवान' नामक वज बनाया। इस वज्र के बल पर उन्होंने वृतासुर को ललकारा।

'तेजवान' वज से प्रहार कर इंद्र ने वृतासुर का वध कर डाला। सच ही कहा गया है कि अहंकार से समाज का विनाश हो सकता है, लेकिन जनकल्याण की भावना संपूर्ण मानव जाति का भला कर सकती है।

मेडिटेशन के बिल्कुल करीब है नींद

अत्यधिक तनाव के कारण लोग स्वाभाविक नींद को भूलते जा रहे हैं और दवाइयों के सहारे सोने का प्रयास करते हैं, लेकिन अगर ध्यान तकनीक का यूज किया जाए तो यह नींद के लिए काफी मददगार साबित हो सकता है।



नींद विश्रांति का सबसे अच्छा तरीका है जो ध्यान, मेडिटेशन के बिल्कुल करीब है। इसीलिए जो लोग अच्छी नींद लेते हैं, वे सदैव तन से भी सेहतमंद रहते हैं और मन से भी प्रफुल्लित रहते हैं। शेक्सपीयर के अनुसार नींद प्रतिदिन के जीवन के लिए मृत्यु, कठिन परिश्रम के लिए स्नान, घायल मस्तिष्क के लिए शान्तिदायिनी औषधि और क्षतिपूर्ण शरीर के लिए अमृतकुंड है।

वस्तुतः मृत्यु के अनंतर भी हम एक लंबे विकास की स्थिति में होते हैं और जिस तरह हंसते-खेलते शिशु के रूप में हम पुन: जीवन धारण करते हैं, ठीक उसी तरह प्रतिदिन की नींद के बाद भी नवचेतना के साथ नया जीवन प्राप्त कर हम पुन: अपने कामकाज में लग जाते हैं. वाह! यह कैसा अद्भुत खेल है प्रकृति का यह कैसी महान कृपा है निद्रादेवी की मनुष्य पर की जो वह हारा थका चूर-चूर होकर संसार की परेशानियों से क्लांत होकर निद्रादेवी की गोद में आकर सो जाता है और दूसरे दिन नव जागृत स्फूर्ति नवजीवन प्रसन्नता एवं उत्साह के साथ तरोताजा होकर उठता है। मजे की बात तो यह है कि इस महान उपकार के बदले हमें मां पकृति को कुछ भी देना नही पडता। किन्तु मनुष्य तो आखिर मनुष्य ही ठहरा, जो मुत में प्राप्त हुई इतनी अमूल्य सौगात, जिसकी तुलना में संसार का कोई भी पदार्थ समर्थ नहीं है, उसे भी अपने पास रख नहीं पाता। जी हां, हम सभी जानते हैं कि आज के संसार में एक गहरी नींद का आनंद तो जैसे दुर्लभ अवसर बन गया है, क्योंकि आज लाखों लोग स्लीप एप्निया, अनिद्रा, रेस्टलेस लेग सिंड्रोम एवं नार्कोलेप्सी जैसे विविध नींद संबंधी विकारों से ग्रस्त हैं।

भारत में हुए एक ताजा सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि बडे महानगरों में रहनेवाले लगभग 75 प्रतिशत से भी अधिक लोग नींद संबंधी शिकायतों को लेकर अपने डॉक्टरों के पास पहुंचते हैं। क्यों क्योंकि अत्यधिक तनाव के कारण लोग स्वाभाविक निद्रा को भूलते जा रहे हैं और दवाइयों के सहारे सोने का प्रयास करते हैं। हमारी नींद को प्रभावित करनेवाला अन्य एक महत्वपूर्ण कारक है हमारा आहार। जी हां। यह एक चिकित्सकीय सिद्ध तथ्य है कि खराब मानसिक स्वास्थ्य प्रतिकूल रूप से व्यक्ति की खाने की आदतों को प्रभावित करता है और आगे चलकर फिर वह उसकी नींद और स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। ऐसी बीमारियों में समुचित ध्यान तकनीक का यदि नियमित रूप से अयास किया जाये तो वह शरीर, स्वास्थ्य और नींद के लिए काफी मददगार सिद्ध हो सकती है।

मनुष्य के लिए कितने घंटे की नींद पर्याप्त है। इस विषय पर वर्षो से अनेक विचार-विमर्श और बहस होती रही हैं। शरीर विज्ञानियों के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को नींद की आवश्यकता अलग-अलग होती है।

कई व्यक्ति तीन-चार घंटे की नींद में ही पूर्ण विश्राम ले लेते हैं, जबकि बहुत से लोग ऐसे भी होते हैं जो आठ-दस घंटे सोने पर भी पर्याप्त विश्राम नहीं ले पाते।

अत: निद्रा का समय व्यक्ति विशेष को अपनी आवश्यकतानुसार दिनचर्या में समाविष्ट करना चाहिए। शास्त्रकारों के अनुसार प्रात: जल्दी उठना और रात्रि को जल्दी सो जाना उत्तम स्वास्थ्य एवं स्वस्थ मस्तिष्क के लिए सर्वोत्तम है।

शिव का अर्थ है कल्याण

महंत रविंद्र पुरी महाराज धर्मनगरी के प्रख्यात शिव विद्या के उपासकों में से एक माने जाते हैं। महंत रविंद्र पुरी महाराज ने 1984 में संन्यास ग्रहण किया था। वर्तमान में वे कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर के परमाध्यक्ष व महानिर्वाणी अखाडा के सचिव हैं। सर्वेश्वर भगवान शिव की जगत कल्याणकारी अनेक लीलाओं का वर्णन शिव पुराण के अंतर्गत श्री व्यास जी ने किया है। इसका पठन पाठन श्रवण कर सांसारिक प्राणी तो क्या देवताओं ने भी मनोवांछित फल की प्राप्ति की है। इसके अलावा मानव जगत में शिव मोक्ष के देव हैं। शिव के पूजन के कई तरह के विधि विधान शास्त्रों और पुराणों में वर्णित है। लेकिन, यदि देखा जाए तो शिव से सरल और कोई देव नहीं है। वास्तव में शिव ही इस संसार का सत्य हैं। पृथ्वी पर जितने उपासक शिव के हैं अन्य किसी देवता के नहीं हैं, क्योंकि शिव ही सभी रूपों में विद्यमान हैं। शिव महापुराण में वर्णित है कि भगवान शिव ने विष्णु भगवान से कहा था कि 'त्रिदेवा अपि में रूपं हर: पूर्णो विशेषत:। उमाया अपि रूपाणि भविष्यन्ति त्रिधा सुता।।'

अर्थात हे तात् यद्यपि ब्रहम हरि तथा तुम तीनों ही मेरे रूप हो परंतु विशेषकर हरि ही मेरा पूर्ण रूप है, इसी प्रकार लक्ष्मी, सरस्वती तथा उमा शक्ति के भी तीन रूप हैं, किंतु उमा सब में पूर्ण रूप हैं। विष्णु रूप की लक्ष्मी, ब्रहम रूप की सरस्वती तथा हरि रूप की उमा अर्धागिनी होंगी इसलिए सिर्फहर यानि शिव को पूजने से ही सभी देवताओं की कृपा प्राप्त हो जाती है। शिव का वास श्मशान में भी माना जाता है, इसलिए श्मशान की भस्म का पूजन भी विशेष पूजन विधियों में आता है। कनखल से भगवान शिव का आदि काल से नाता है। यह पृथ्वी पर मात्र एक ऐसा मानव सभ्यता वाला नगर है जहां पर साल में श्रवण मास में शिव वास करते हैं।

सुख पाने के लिए ये 6 उपाय आजमाएं



सुख की चाहत हर किसी को होती है। इसके चलते ही लोग परिश्रम करते हैं ताकि धन के जरिए सुख को प्राप्त किया जा सके। लेकिन सुख मन से भी मिलना चाहिए। इसके लिए घर का वास्तु बेहतर होने बेहद जरूरी है।

- घर में नीले रंग के प्लास्टिक और मनी प्लांट के पौधे को नीले कलश में रखें। ऐसा करने पर घर में सुख समृद्धि बनी रहती है।
- घर में मौजूद रसोई घर को दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशा में बनाएं। और दीवारों का रंग लाल, नारंगी या गुलाबी रखें।
- चूल्हे और जूठे बरतन धोने की स्लैब अलग-अलग होनी चाहिए।
- घर के सदस्यों के अच्छी सेहत के लिए रसोईघर में दवाइयां नहीं रखनी चाहिए।
- फेंगशुई के अनुसार घर में विंड चाइम लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।
- घर में ड्रैगन की मूर्ति अथवा चित्र रखने से घर को सुरक्षा कवच प्राप्त होता है।

किचिन को यहां बनाने से होती है किच-किच

दुनिया के हर धर्म में रसोईघर को बेहद अहम माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अतिरिक्त फेंगशुई में भी किचन को लेकर कई टिप्स दिए गए हैं।

रसोईघर के लिए फेंग शुई के उपाय

- विभिन्न ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार रसोईघर को शुभ दिशा में होना चाहिए। यदि रसोईघर सही दिशा या स्थिति में नहीं है तो यह कई प्रकार की समस्या उत्पन्न कर सकता है। फेंगशुई के अनुसार रसोईघर के लिए निम्न उपाय हैं।
- फेंगशुई के अनुसार रसोईघर को घर के पूर्व व दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए , क्योंकि ये दोनों दिशाएं वायु और प्रकाश का संचालन करती हैं।
- रसोईघर की दीवारों का रंग सफेद रखना चाहिए। सफेद रंग स्वच्छता की निशानी माना जाता है।
- रसोईघर में टूटे हुए बर्तन, और शीशा कभी नहीं रखने चाहिए। ऐसी चीजें अशुभ साबित हो सकती हैं।
- जरूरत न होने पर रसोई का दरवाजा बंद ही रखना चाहिए।
- झाड़ू और पोछे को रसोईघर से दूर रखना चाहिए। ऐसी चीजें घर में अन्न की कमी का आभास कराते हैं।
- रसोईघर को घर में मुख्य प्रवेश द्वार के सामने नहीं होना चाहिए। ऐसे में विवाद होना संभव है।
- रसोईघर में बिजली के अत्यधिक उपकरण नहीं रखने चाहिए।
- चाकू, कैंची या किसी अन्य कटार को रसोईघर की दीवार पर नहीं लटकाना चाहिए।
- इस्तेमाल में न आने वाले बर्तन व बासी भोजन को रसोईघर में नहीं रखना चाहिए।
- किचन में हमेशा अच्छे मूड से जाना चाहिए।कहा जाता है एक हैप्पी कूक इज द बेस्ट कूक।

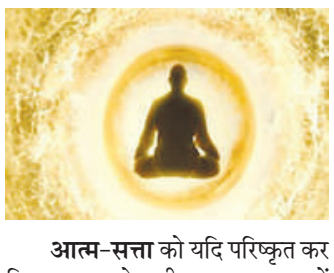
रसोईघर उपकरण के लिए फेंग शुई के उपाय

- चूल्हा, स्टोव या गैस, रसोईघर में इस प्रकार से रखा होना चाहिए कि जातक दरवाजे को देख सके। इससे मनुष्य तनावमुक्त होता है।
- रसोईघर में माइक्रोवेव ओवन को दक्षिण- पश्चिम दिशा में रखना चाहिए, जिसके फलस्वरूप रसोईघर स्वत: ही सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करता है।
- रेफ्रिजरेटर एक इलेक्ट्रिक मशीन है, जिसे ऐसे स्थान या मंडल में रखना चाहिए जो जातक के लिए विशेष प्रेरक के रूप में हो।
- दक्षिण दिशा में रेफ्रिजरेटर रखने से नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है, क्योंकि दक्षिण दिशा का तत्व 'अग्नि' है।
- जिसके फलस्वरूप दक्षिण दिशा, रेफ्रिजरेटर के ठंडे तापमान से मेल नहीं खाता।

रसोईघर (किचिन), घर का एक महत्वपूर्ण भाग है। यदि मनुष्य अच्छा भोजन करता है तो उसका दिन भी अच्छा गुजरता है।

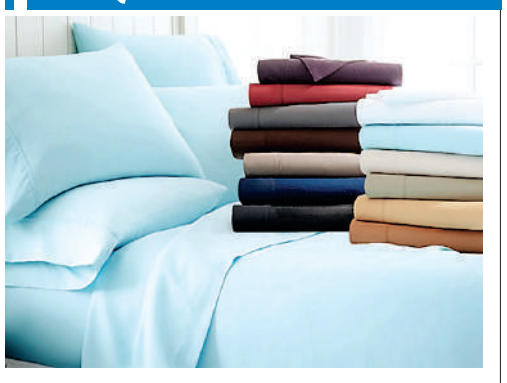


ईश्वर बाहर नहीं, आपके मन में



आत्म-सत्ता को यदि परिष्कृत कर लिया जाए, तो वही परमात्म-सत्ता में विकसित हो सकती है। अर्थात् यदि हम अपने गुणों को निखार लें, तो हम अपने भीतर के भगवान को जान सकते हैं। समझा जाता है कि विधाता ही एकमात्र निर्माता है। ईश्वर की इच्छा के बिना पत्ता नहीं हिलता। इन दोनों बातों से कोई भ्रम में भी पड सकता है कि परमात्मा कहीं दूर बैठा है। इन धारणाओं के साथ इतना और जोडना चाहिए कि विधाता से मिलने का सबसे निकटवर्ती स्थान अपना अंत:करण ही है। वैसे तो ईश्वर सर्वव्यापी है, उसे कहीं भी माना जा सकता है, पर यदि दूर जाना संभव न हो, तो अपने अंत:करण को टटोलना चाहिए। उसी में बैठे परमात्मा को हृदय खोलकर मिलने की अभिलाषा पूरी कर लेनी चाहिए। काल्पनिक उडाने भरने से बात कुछ नहीं बनती।

खरीदने जा रहे है बेड शीट तो रखें इन बातों पर ध्यान



फेस्टिव में जहां लोग अपने घरों की साफ-सफाई करने में व्यस्त हैं, वहीं मार्किटों में खरीदारी भी जोरो शोरो पर चल रही है। लोग अपने घर का इंटीरियर तक चेंज करने में लगे है । घर को डिफरैंट लुक सिर्फ फर्नीचर ही नहीं, बल्कि घरों में लगे पर्दे और बिस्तर बीछी बेड शीट भी अपना अहम रोल निभाती है। त्योहारों के तीन लोग अपने खड़ी-दरवाजों पर नए पर्दे लगाते है और बेड शीट भी नई बिछाते है। अगर आप भी बेड शीट्स के चेंज करने वाली है तो फेस्टिव सीजन में उसके डिजाइन ,कलर और फेब्रिक का खास ध्यान रखें। वैसे तो फेस्टिव सीजन में डार्क कलर्स ज्यादा पसंद करते है लेकिन बहुत से लोग ऐसे भी जो लाइट कलर को अहमियत देते है। अगर आप त्योहार के मौके पर बेड शीट खरीदने जा रहे है तो अपने रूम के थीम के अनुसार बेडशीट खरीदें। नहीं तो रूम के कलर से मैचिंग करके चादर का चुनाव करें।

फैब्रिक का रखें खास ध्यान: फैब्रिक हमेशा मौसम के हिसाब से चुने। जैसा की सर्दियां शुरू होने को है। ऐसे में सिल्क, फलालेन, साटिन, लिनेन एवं नेट आदि की बेडशीट्स भी बिछाई जा सकती हैं।

बिना किसी दवाई या नुस्खे के पाएं चैन की नींद



बिजी लाइस्टाइल में तनाव की समस्या अधिक देखने को मिलती है। दिनभर का तनाव दूर करने के लिए रात को चैन की नींद लेना बहुत जरूरी है। अगर रात को भी चैन से नींद न आए तो शरीर को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में लोग कई तरह की दवाईयों और नुस्खों का इस्तेमाल करते है, जिससे शरीर को दवाइयों की लत लग जाती है। आज हम आपको साधारण सा तरीका बताएंगे, जिसको अपनाकर आप हर रोज चैन की नींद ले सकते है।

अपने रूम में लाएं सुधार : अक्सर देखा जाता है कि लोग अपने बेड की दीवार के साथ सटा कर रखते है। फेंग सुई के अनुसार बेड के दोनों साइड में स्पेस छोड़ना बहुत जरूरी है। इसके अलावा अपने बेड को दीवार से थोड़ा हटा कर रखें। इसी के साथ इस तरह बेड को रखने से पार्टनर्स के बीच की नजदीकियां बढ़ती है।

कैसे आती है चैन की नींद: अपने बेड को ऐसे रखने से कमरे में एनर्जी का सही फ्लो रहता है। जिससे अच्छा महसूस होता है और अच्छी नींद भी आती है। यहीं छोटे-छोटे बदलाव आपकी जिंदगी में काफी बदलाव ला सकते है।

दिवाली पर दें ये खास गिफ्ट



दिवाली में हर कोई अपने रिश्तेदारों और फ्रेंड्स को अलग तरह के गिफ्ट देता है। आज हम आपको ऐसे ही कुछ गिफ्ट के बारे में बताएंगे जिससे रिश्तेदारों में आपकी अलग पहचान बन जाएगी। आइए जानते कि इस दिवाली आपको अपने खास रिश्तेदार या फ्रेंस को क्या गिफ्ट करना चाहिए।

लक्ष्मी या गणेश: आप उन्हें लक्ष्मी या गणेश पूजन के लिए एक सुंदर सी मूर्ति गिफ्ट कर सकते है। वैसे भी त्योंहार या फिर ऐसे ही किसी मौके पर भगवान की मूर्ति गिफ्ट करना अच्छा माना जाता है।



हैंड क्रॉफ्ट: आप अपने रिश्तेदारों को अपने हाथ से कुछ क्राफ्ट या कार्ड बना कर दें सकते है।

सूखें मेवे: अक्सर लोग त्यौहारों पर अपने रिश्तेदारों को मिठाई गिफ्ट करते है। इस दिवाली उन्हें मिठाई देने की बजाए आप उन्हें सूखे मेवे या चॉकलेट गिफ्ट कर दें।

डैकोरेटिव आइटम्स: इस दिवाली अपने रिश्तेदारों को कपड़े गिफ्ट करने की बजाएं उन्हें कोई सुंदर सी डैकोरेटिव पीस गिफ्ट करें। इससे वो आपके गिफ्ट को हमेशा याद रखेंगे। आप चाहें तो अपने खास को डैकोरेटिव कैंडल का बाक्स या करोकरी भी गिफ्ट कर सकते है।



चांदी के सिक्के: दिवाली पर किसी को चांदी के सिक्कों को गिफ्ट करना शुभ माना जाता है। आप अपने रिश्तदारों को चांदी या सोने के सिक्के भी गिफ्ट कर सकते है।

नरक चतुर्दशी कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को कहा जाता है। नरक चतुर्दशी को 'छोटी दीपावली' भी कहते हैं। इसके अतिरिक्त इस चतुर्दशी को 'नरक चौदस', 'रूप चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'नर्क चतुर्दशी' या 'नरका पूजा' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन प्रातः काल स्नान करके यम तर्पण एवं शाम के समय दीप दान का बड़ा महत्व है। इस दिन यमराज की पूजा करने और उनके लिए व्रत करने का विधान है। माना जाता है कि महाबली हनुमान जी का जन्म इसी दिन हुआ था । इसीलिए आज बजरंगबली की भी विशेष पूजा की जाती है। इससे वर्ष भर के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस लेख के माध्यम से जाने नरक चतुर्दशी के बारे में रोचक जानकारियां।

वर्ष भर के पाप होगें खत्म ...



इस दिन स्नान से पहले शरीर पर तिल्ली के तेल से मालिश जरूर करनी चाहिए। कार्तिक के महीने में जो लोग तेल का प्रयोग नहीं करते है वह भी इस दिन तेल का प्रयोग कर सकते हैं। ऐसी मान्यता है की इस दिन तिल्ली के तेल में लक्ष्मी जी का और जल में गंगा जी का निवास होता हैं। तेल लगाने से पहले शरीर में उबटन भी लगाना चाहिए। जल में हल्दी और कुमकुम डालकर स्नान करना सर्वोत्तम माना है। स्नान करने से पूर्व तुम्बी (लौकी का टुकड़ा) और अपामार्ग (आठ उंगली लकड़ी का टुकड़ा), दोनों को अपने सर के चारो ओर 7 बार घुमाना चाहिए। इससे नर्क का भय समाप्त हो जाता है। तुम्बी और अपामार्ग को घुमाते वक्त यह बोले - हे तुम्बी, हे अपामार्ग आप बार-बार फिराएं जाते हो , आप मेरे पापों को दूर करों ओर कुबुद्धि का नाश करो। स्नान करने के बाद इस तुम्बी और अपामार्ग को घर की दक्षिण दिशा में विसर्जित कर देना चाहिए। नहाने के बाद साफ कपड़े पहनकर, तिलक लगाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके निम्न मंत्रों से प्रत्येक नाम से तिलयुक्त तीन-तीन जलांजलि देनी चाहिए। यह यम-तर्पण कहलाता है।

पुराणों की कथा के अनुसार

भगवान श्री कृष्ण ने कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी तिथि को नरकासुर नाम के असुर का वध किया। नरकासुर ने 16 हजार कन्याओं को बंदी बना रखा था। नरकासुर का वध करके श्री कृष्ण ने कन्याओं को बंधन मुक्त करवाया। इन कन्याओं ने श्री कृष्ण से कहा कि समाज उन्हें स्वीकार नहीं करेगा अतः आप ही कोई उपाय करें। समाज में इन कन्याओं को सम्मान दिलाने के लिए सत्यभामा के सहयोग से श्री कृष्ण ने इन सभी कन्याओं से विवाह कर लिया। नरकासुर का वध और 16 हजार कन्याओं के बंधन मुक्त होने के उपलक्ष्य में नरक चतुर्दशी के दिन दीपदान की परंपरा शुरू हुई। एक अन्य मान्यता के अनुसार नरक चतुर्दशी के दिन सुबह स्नान करके यमराज की पूजा और संध्या के समय दीप दान करने से नर्क के यतनाओं और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। इस कारण भी नरक चतुर्दशी के दिन दीनदान और पूजा का विधान है।

पूजन विधि

इस दिन सुबह सूर्योदय से पहले उठकर शरीर पर तेल या उबटन लगाकर मालिश करने के बाद स्नान करना चाहिए। ऐसा माना जाता हैं कि जो व्यक्ति नरक चतुर्दशी के दिन सूर्य के उदय होने के बाद नहाता हैं। उसके द्वारा पूरे वर्ष भर में किये गये शुभ कार्यों के फल की प्राप्ति नहीं होती। सूर्य उदय से पहले स्नान करने के बाद दक्षिण मुख करके हाथ जोड़कर यमराज से प्रार्थना करें। ऐसा करने से व्यक्ति के द्वारा किये गये वर्ष भर के पापों का नाश होता हैं। इस दिन विशेष पूजा की जाती है जो इस प्रकार होती है, सर्वप्रथम एक थाल को सजाकर उसमें एक चौमुख दिया जलाते हैं तथा सोलह छोटे दीप और जलाएं तत्पश्चात रोली खीर, गुड़, अबीर, गुलाल, तथा फूल इत्यादि से ईष्ट देव की पूजा करें। इसके बाद अपने कार्य स्थान की पूजा करें। पूजा के बाद सभी दीयों को घर के अलग अलग स्थानों पर रख दें तथा गणेश एवं लक्ष्मी के आगे धूप दीप जलाएं। इसके पश्चात संध्या समय दीपदान करते हैं जो यम देवता, यमराज के लिए किया जाता है। विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो प्रभु को पाता है।

नरक चतुर्दशी का महत्व

हिन्दू मान्यताओं के अनुसार यह माना जाता है कि कार्तिक कृष्णपक्ष चतुर्दशी के दिन मृत्यु के देवता यमराज की पूजा का विधान है। दीपावली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी के दिन संध्या के पश्चात दीपक प्रज्जवलित किए जाते हैं। इस चतुर्दशी का पूजन कर अकाल मृत्यु से मुक्ति तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यमराज जी की पूजा व उपासना की जाती है।

आलस्य और दुष्टता को करें नष्ट

लोग अपने जीवन में वास्तविक प्रकाश लाने के साथ साथ अपने जीवन से आलस्य और दुष्टता को नष्ट करने के लिये पूजा करते है। लोगो की मान्यता है कि सिर धोने और आँखों में काजल लगाने से सभी बुरी दृष्टि उनसे दूर रहेंगी। तंत्र से संबंधित व्यक्तियों की धारणा है कि इस दिन पर उनके मंत्रों का अभ्यास उनकी तंत्र शक्ति में और वृद्धि करेगा।

इन उपायों को भी आजमाएं

नरक चतुर्दशी को शाम के बाद अपने घर व व्यावसायिक स्थल पर तेल का दिया जलाने से लक्ष्मी का स्थायी निवास होता है। इस दिन अपने घर की सफाई जरूर करनी चाहिए। घर की सफाई के साथ ही सौन्दर्य प्राप्ति के लिए भी शरीर पर उबटन लगा कर स्नान करना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि जो इस दि सूर्य उदय से पहले स्नान करता है उसको नरक नहीं भोगना पड़ता है। इस दिन रात को तेल अथवा तिल के तेल के 14 दीपक जलाने की भी परम्परा है। ऐसा माना जाता है कि नरक चतुर्दशी के दिन तिल के तेल में माँ लक्ष्मी और पानी में गंगा जी का वास होता है। जो व्यक्ति धनतेरस से लेकर दिवाली तक घर में रोज दीपक जलाता है उसके घर में कभी भी पैसों की कमी नहीं रहती। कहा जाता है कि इस दिन नर्क से बचने के लिए तिल के तेल से नहाना चाहिए।

क्या अवश्य करें

इस दिन जहां घर की सफाई की जाती है वहीं घर से हर प्रकार का टूटा-फूटा सामान भी फैंक देना चाहिए। घर में रखे खाली पेंट के डिब्बे, रद्दी, टूटे-फूटे कांच या धातु के बर्तन, किसी प्रकार का टूटा हुआ सजावटी सामान, बेकार पड़ा फर्नीचर व अन्य प्रयोग में न आने वाली वस्तुओं को यमराज का नरक माना जाता है इसलिए ऐसी बेकार वस्तुओं को घर से हटा देना चाहिए। इस दिन सायं 4 बत्ती वाला मिट्टी का दीपक पूर्व दिशा में अपना मुख करके घर के मुख्य द्वार पर रखें तथा **'दत्तो दीप' चतुर्दश्यो नरक प्रीतये मया। चतुर्वर्ति समायुक्त - सर्व पापा न्विमुक्तये।।'** मंत्र का जाप करें और नए पीले रंग के वस्त्र पहन कर यम का पूजन करें। जो व्यक्ति इन बातों पर अमल करता है उसे नर्क की यातनाओं और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता।

जलायें 11, 21, 31 दीए



नरक चतुर्दशी पर शाम को 11, 21 या 31 दीये जलाने का विधान है। इनमें से पांच या सात दीपक घी के जलायें और शेष सरसों के तेल से घी का एक-एक दीपक पूजा के स्थान, पानी रखने के स्थान, भण्डारगृह और गौशाला में रखना चाहिए। शेष दीपक विभिन्न स्थानों पर रख दिये जाते हैं। दीपक जलाते समय रोली, चावल, खील और बताशों से इनकी पूजा भी करनी चाहिए। स्नान के बाद तीन अंजुलि जल यमराज के निमित्त तर्पण करना चाहिए। इससे यमराज प्रसन्न होते हैं। ऐसा करने से अकाल मृत्य का भय समाप्त हो जाता है।

नरक चतुर्दशी को मानते हैं हनुमान जयंती के रूप में

भारत में कहीं कहीं ऐसा माना जाता है कि इस दिन कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की चौदस के दिन हनुमान जी ने माता अंजना के गर्भ से जन्म लिया था। इस जयंती का उल्लेख वाल्मीकि रामायण में मिलता हैं। वैसे हनुमान जयंती चैत्र महीने की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है लेकिन आप नरक चतुर्दशी यानी कि कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की चौदस के दिन हनुमान चालीसा, हनुमानअष्टक, सुन्दरकाण्ड आदि जैसे पाठ करते हैं तो आपके लिए शुभकारी होता है। इससे मुसीबतों से मुक्ति और अनहोनी से रक्षा होती है। नरक चतुर्दशी की संध्या के समय घर के पश्चिम दिशा में खुले स्थान पर या घर के पश्चिम में 14 दीपक पूर्वजों के नाम से जलाना चाहिए। इससे पितृ दोषों का नाश होता है और पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इससे घर में धन-समृद्धि की बढ़ोत्तरी होती है।

रेसिपी

मैदा के मीठे पेठे



सामग्री

1 कप रवा (सूजी), चार कप मैदा छना हुआ, एक कटोरी घी मोयन के लिए, आधा चम्मच बेकिंग पाउडर, दो कटोरी शक्कर, इलायची पाउडर, घी अलग से, पाव कटोरी मेवे की कतरन।

विधि

सर्वप्रथम सूजी-मैदे में बेकिंग पाउडर मिला लें और गरम घी का मोयन देकर गुनगुने पानी से कड़ा आटा गूंथ लें। अब बड़ी-बड़ी लोई बनाकर मोटा बेल लें। मोटी व लंबी-लंबी स्ट्रिप काट लें। पूरे मैदे की स्ट्रिप बनने के बाद कपड़े पर एकाध घंटा सुखने के लिए रख दें। एक कड़ाही में आवश्यकता के अनुसार घी गरम करके धीमी आंच पर सारे पेठे तल लें। ध्यान रहे कि पेठों का रंग ज्यादा न बदलें। सारे पेठे तलने के बाद एक बर्तन में शक्कर में आधा कप पानी डालकर बूरे की चाशनी तैयार करके उसमें इलायची डाल दें। पेठे ठंडे होने के बाद कड़छी की सहायता से उन पर चाशनी बखेरती जाएं, ऊपर से मेवे की कतरन बुरक कर उन्हें पलटे की सहायता से धीमे-धीमे ऊपर-नीचे करती रहे। सारे पेठों पर चाशनी चढने के बाद उन्हें ठंडा करके एयर टाइट डिब्बे में भर दें। मैदे के मीठे पेठे का आनंद उठाएं।

शाही वेज बिरयानी



सामग्री

चावल भीगे हुए, 1 आलू छील कर कटा हुआ, 100 ग्राम उबले हरे मटर, 1 गाजर महीन कटा हुआ, 1-2 प्याज महीन कटा हुआ, अदरक लहसुन का पेस्ट आधा चम्मच, 1 टमाटर कटा हुआ, हरी मिर्च 4-5 कटी हुई, फूल गोभी 2-4 पीस कटा हुआ, 2 बड़े चम्मच घी या तेल, 2 लौंग, 2 इलायची, 1 टुकड़ा दाल चीनी, जायफल, आधा चम्मच गरम मसाला, स्वादानुसार नमक, 2 चम्मच हरा धनिया कटा हुआ, पानी अंदाज से।

विधि

पैन में घी गरम करें। उसमें जीरा, लौंग, इलायची, जायफल डाल दें। अब हरी मिर्च, अदरक लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर 2-3 मिनट भून लें। हलका गुलाबी होने पर अब सब्जियां डालकर 5-6 मिनट भून लें। अब सब्जी भूनने पर उसमें चावल डालकर धीरे-धीरे चलाते हुए भून लें। जिससे चावल टूटे नहीं। हलके भूनने के बाद उसमें 3 कप पानी डाल दें और नमक अंदाज से डालें और हलकी आंच पर 15 से 20 मिनट तक बनने दें। आंच से उतारने के 1-2 मिनट पहले उसमें पनीर डाले दे और गैस बंद कर दें। चावल ढंका ही रहने दें और सर्व करने के पहले उसमें गरम मसाला और हरा धनिया डाल दें।

कम बजट में भी ऐसे दें घर को नया लुक

दीवाली का त्यौहार भारत में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन को लेकर हर व्यक्ति के मन में बहुत ही उत्साह और खुशियां होती हैं। दीवाली के दिन सभी लोग अपने घरों को बड़े ही सुंदर तरीके से सजाते हैं और खूब दीपमाला करते हैं। वैसे भी आजकल मार्किट में दीवाली डैकोरेशन की कई तरह की ट्रैंडी चीजें मौजूद हैं जिससे घर की सुंदरता को चार चांद लग जाते हैं लेकिन ये मंहगी चीजें खरीदना हर किसी के बस की बात नहीं होती। ऐसे में कुछ आसान तरीके अपनाकर कम बजट में ही घर को खूबसूरत ढंग से सजाया जा सकता है।

मिट्टी के दीए



दीवाली के दिन घर के सभी कोनों में दीए जलाए जाते हैं और घर को रोशन किया जाता है। मार्किट में कई तरह के मंहगे दीए मौजूद हैं जो आजकल हर किसी की पहली पसंद होती है लेकिन जिन लोगों का बजट कम होता है वे ऐसे मंहगे दीए नहीं खरीद पाते। ऐसे में सिंपल मिटट्री के दीयों को घर पर ही रंग-बिरंगा पेंट करके सुंदर बनाया जा सकता है।

पेपर पेस्टिंग: ज्यादातर लोग दीवाली पर अपने घरों में पेंट करवाते हैं ताकि घर की गंदगी साफ हो सके। जो लोग पेंट नहीं करवा सकते वे दीवारों को पेपर पेस्टिंग के जरिए अलग अंदाज से डेकोरेट कर सकते हैं। इससे खर्चा भी कम होगा और घर को एक अलग लुक भी मिलेगा।

फूलों से घर सजाएं: बाजार से मंहगे तोरन और सजावट की चीजें लाने की बजाए रंग-बिरंगे फूलों से भी घर को डेकोरेट कर सकते हैं। आप चाहें तो एक बड़े बाउल में पानी डालकर उसमें भी फूल और दीए डालकर टेबल के बीच में रख सकते हैं। यह घर में आने वाले मेहमानों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा।



साड़ी के पर्दे: कुछ लोग दीवाली से पहले घर के पर्दे तक भी बदल देते हैं। ऐसे में कम बजट होने पर नए पर्दे लेने की बजाए आप अपनी पुरानी साड़ियों से भी पर्दे बनवा सकते हैं। इससे खर्च भी कम होगा और घर को यूनिक लुक भी मिलेगा।

कागज के कैंडल: दीवाली पर मार्किट में कई रंग-बिरंगी और डिजाइन किए हुए कैंडल मिल जाते हैं लेकिन ये काफी मंहगे होते हैं। ऐसे में घर पर ही सिंपल मोमबत्ती को रंग-बिरंगे कागज की मदद से डेकोरेट कर सकते हैं। मोमबत्तियों को डेकोरेट करने के बहुत से तरीके हैं। आप चाहे तो मोमबत्ती के चारों तरफ कलरफुल कागज लपेट सकते हैं या किसी चार्ट पेपर में बीच-बीच में कटिंग करके उसमें भी मोमबत्ती रख सकते हैं जो एक लैंप का भी काम करेगी।



संपादकीय

गिरफ्तारी में पारदर्शिता

किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेने और उसकी गिरफ्तारी को दर्शाने के समय को लेकर पुलिसिया कार्रवाई के बारे में अक्सर सवाल उठते रहे हैं। दरअसल, यह व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार होने के बावजूद, इसकी अनदेखी की जाती रही है। यही वजह है कि अब इस मामले मे देश की शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। शीर्ष अदालत का फैसला कहता है कि किसी भी हिरासत में लिए गए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की समय-सीमा, गिरफ्तारी के औपचारिक रिकॉर्ड से नहीं, बल्कि हिरासत में लिए जाने वाले पल से ही शुरू हो जाती है। सही मायने में, यह निर्णय आम भारतीय की संवैधानिक स्वतंत्रता की समयोचित पुष्टि ही है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह फैसला एक स्पष्ट संदेश देता है कि पुलिस मौलिक अधिकारों से बचने के लिये प्रक्रियाओं में हेरफेर नहीं कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 22(2) के उद्देश्य से हिरासत और गिरफ्तारी के बीच किए गए बनावटी अंतर को खारिज करते हुए, सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने एक गंभीर खामी को दूर किया है। इस खामी का लाभ उठाकर ही जांच व प्रवर्तन एजेंसियां लोगों को बिना किसी त्वरित न्यायिक निगरानी के हिरासत में रख सकती थीं। दरअसल, नशीले पदार्थों से जुड़े एक मामले में हिरासत में लिए गए चार लोगों से जुड़े इस प्रकरण ने, हिरासत में लेने और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच 18 घंटे के अंतराल की विसंगति को उजागर किया है। जिसका कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया गया था। वास्तव में गिरफ्तारी दिखाने में की गई यह देरी पुलिस को मनमाने ढंग से ताकत के इस्तेमाल और हिरासत में दुर्व्यवहार का मौका देती है। इसमें दो राय नहीं कि अक्सर आरोप लगते हैं कि गिरफ्तार व्यक्ति से मारपीट की गई और लंबी पूछताछ की गई। निस्संदेह, यह स्थिति भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली की छवि पर एक सवालिया निशान लगाती है। हमारा संविधान किसी भी व्यक्ति को न्यायिक जांच के बगैर हिरासत में रखे जाने के खिलाफ सुरक्षा की गारंटी तो देता है, लेकिन यह सुरक्षा जांच अधिकारियों के रहमो-करम के भरोसे नहीं रह सकती है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत को दो टूक शब्दों में कहना पड़ा कि किसी को हिरासत में लिये जाने की 24 घंटे की समय सीमा में केवल मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में लगने वाले उचित समय को ही घटाया जा सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि मजिस्ट्रेटों को भी स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे हिरासत में लिए जाने के वास्तविक समय को ही दर्ज करें। साथ ही यह भी कि वे स्वतंत्र रूप से इस बात की जांच करें कि क्या किसी व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया में संवैधानिक सुरक्षा उपायों का पालन वास्तविक रूप से किया गया है। इसके साथ ही जरूरी है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण भी स्वतंत्रता के गैर-कानूनी हनन के खिलाफ एक कानूनी प्रभावी उपाय बना ही रहना चाहिए। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में भी न्याय व्यवस्था के लिये एक मार्गदर्शक का कार्य करेगा। जहां अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद के लगभग चार वर्षों में प्रिवेंटिव डिटेंशन को चुनौती देने वाली दो हजार से अधिक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं दायर की गई थीं। इस बात में दो राय नहीं हो सकती हैं कि जब कानूनी प्रावधान के क्रियान्वयन में देरी होती है, अथवा जवाबदेही पर्याप्त नहीं होती है, तो संवैधानिक स्वतंत्रता प्रभावहीन होकर रह जाती है। निस्संदेह, किसी भी तरह के अपराध के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ी जानी चाहिए, ताकि समाज में कानून का राज्य स्थापित हो सके। लेकिन इसका अर्थ मौलिक अधिकारों को कमजोर करना कदापि नहीं होना चाहिए। बहरहाल, अदालत के निर्देश का सार यह भी है कि पुलिस को कानून के दायरे में रहकर ही कोई भी जांच करनी चाहिए। साथ ही इस मामले में अदालतों को भी सतर्क रहना चाहिए। यह सर्वमान्य सत्य है कि स्वतंत्रता महज प्रक्रियात्मक औपचारिकता भर नहीं है। सही मायने में यह किसी भी लोकतंत्र की बुनियाद है।

नशीले पदार्थों से जुड़े एक मामले में हिरासत में लिए गए चार लोगों से जुड़े इस प्रकरण ने, हिरासत में लेने और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच 18 घंटे के अंतराल की विसंगति को उजागर किया है। जिसका कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया गया था। वास्तव में गिरफ्तारी दिखाने में की गई यह देरी पुलिस को मनमाने ढंग से ताकत के इस्तेमाल और हिरासत में दुर्व्यवहार का मौका देती है। इसमें दो राय नहीं कि अक्सर आरोप लगते हैं कि गिरफ्तार व्यक्ति से मारपीट की गई और लंबी पूछताछ की गई। निस्संदेह, यह स्थिति भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली की छवि पर एक सवालिया निशान लगाती है। हमारा संविधान किसी भी व्यक्ति को न्यायिक जांच के बगैर हिरासत में रखे जाने के खिलाफ सुरक्षा की गारंटी तो देता है, लेकिन यह सुरक्षा जांच अधिकारियों के रहमो-करम के भरोसे नहीं रह सकती है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत को दो टूक शब्दों में कहना पड़ा कि किसी को हिरासत में लिये जाने की 24 घंटे की समय सीमा में केवल मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में लगने वाले उचित समय को ही घटाया जा सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि मजिस्ट्रेटों को भी स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे हिरासत में लिए जाने के वास्तविक समय को ही दर्ज करें। साथ ही यह भी कि वे स्वतंत्र रूप से इस बात की जांच करें कि क्या किसी व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया में संवैधानिक सुरक्षा उपायों का पालन वास्तविक रूप से किया गया है। इसके साथ ही जरूरी है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण भी स्वतंत्रता के गैर-कानूनी हनन के खिलाफ एक कानूनी प्रभावी उपाय बना ही रहना चाहिए। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में भी न्याय व्यवस्था के लिये एक मार्गदर्शक का कार्य करेगा।

पर्यावरण की इस भयानक समस्या के चलते यह क्षेत्र गैस चैंबर की स्थिति में परिवर्तित हो जाता है

गैस चैंबर बनती देश की राजधानी

सांस रोग अथवा फेफड़े संबंधी किसी प्रकार की बीमारी वाले लोगों के साथ-साथ हृदय रोगी भी कई प्रकार की समस्याओं से जूझते हुए दिखाई देते हैं। निर्दयी राजनीति और राजनीति में उतरकर काम करने वाले लोगों के लिए कुछ दिन इस पर टीका टिप्पणी करने का समय होता है, उसके पश्चात ये स्वयं भी अपनी दुनिया में जाकर कहीं खो जाते हैं। दीपावली के प्रकाश पर्व के अवसर पर और उसके बाद दिल्ली-एनसीआर का वायु गुणवत्ता सूचकांक अक्सर 400 से 500 के पार पहुँच जाता है, जिसे 'गंभीर' या 'आपातकालीन' श्रेणी में रखा जाता है। इतनी बुरी स्थिति में लोगों को जीने के लिए प्राणवायु कितनी शुद्ध मिलती होगी, यह सहज ही कल्पना की जा सकती है। अच्छी बात तो यह होगी कि लोगों को इस बुरी स्थिति से निकालने के लिए कुछ स्थाई सुरक्षा उपाय किये जाएं। परंतु ऐसा होता नहीं है।

प्रकाश पर्व दीपावली की चमक दमक पिछले कुछ दशकों से उत्तर भारत और विशेष रूप से दिल्ली के एनसीआर में बहुत फीकी पड़ चुकी है। इसका कारण होता है इस मौसम में यहां पर फैलने वाला पर्यावरण प्रदूषण, जिसके कारण लोगों का जीना कठिन हो जाता है। पर्यावरण की इस भयानक समस्या के चलते यह क्षेत्र गैस चैंबर की स्थिति में परिवर्तित हो जाता है। जिससे स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे कई लोगों को जीवन तक खोना पड़ जाता है। सांस रोग अथवा फेफड़े संबंधी किसी प्रकार की बीमारी वाले लोगों के साथ-साथ हृदय रोगी भी कई प्रकार की समस्याओं से जूझते हुए दिखाई देते हैं। निर्दयी राजनीति और राजनीति में उतरकर काम करने वाले लोगों के लिए कुछ दिन इस पर टीका टिप्पणी करने का समय होता है, उसके पश्चात ये स्वयं भी अपनी दुनिया में जाकर कहीं खो जाते हैं। दीपावली के प्रकाश पर्व के अवसर पर और उसके बाद दिल्ली-एनसीआर का वायु गुणवत्ता सूचकांक अक्सर 400 से 500 के पार पहुँच जाता है, जिसे 'गंभीर' या 'आपातकालीन' श्रेणी में रखा जाता है। इतनी बुरी स्थिति में लोगों को जीने के लिए प्राणवायु कितनी शुद्ध मिलती होगी, यह सहज ही कल्पना की जा सकती है। अच्छी बात तो यह होगी कि लोगों को इस बुरी स्थिति से निकालने के लिए कुछ स्थाई सुरक्षा उपाय किये जाएं। परंतु ऐसा होता नहीं है। दिल्ली की सरकार कुछ समय के लिए उछल कूद करती हुई दिखाई देती है, उसके बाद वह भी शांत हो जाती है। जहां तक आम जनता की बात है तो वह इस गैस चैंबर में जीने के लिए अपने आप को या तो अभ्यस्त बना चुकी है या मजबूरी में किसी प्रकार जीवन यापन कर रही है। एसआईआर के भ्रामक बिंदु पर आंदोलन खड़ा करने वाले लोग अर्थात आंदोलनजीवी इस मुद्दे पर कोई सकारात्मक चिंतन प्रस्तुत कर सकें, ऐसा भी कुछ दिखाई नहीं देता। इस संबंध में विशेषज्ञों का मत है कि हवा में तैरने वाले सूक्ष्म कण (PM 2.5) का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सुरक्षित मानकों से 30 से 40 गुना तक अधिक दर्ज किया जाता है। ये बारीक कण



सांस के जरिए सीधे फेफड़ों और रक्तप्रवाह में प्रवेश कर जाते हैं। जिससे ये सीधे ही मानव के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। जिसके कारण अस्पतालों में भी बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ लग जाती है। विभिन्न स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार, दीपावली के बाद दिल्ली के अस्पतालों में सांस की बीमारियों, अस्थमा के दौरों, आंखों में जलन और छाती में संक्रमण के मामलों में 30% से 40% की भारी बढ़ोतरी देखी जाती है। भीड़ में होने वाली इस वृद्धि से अस्पतालों में पहले से ही दाखिल उन रोगियों के लिए विशेष समस्या खड़ी होती है जो वहां पहले से ही अपना उपचार करा रहे होते हैं। वायु प्रदूषण की इस प्रकार की भयंकर मार से सबसे अधिक प्रभावित बच्चे और वरिष्ठ नागरिकगण होते हैं। इस भयंकर बीमारी का सबसे अधिक प्रभाव हमारी अपनी उम्र पर पड़ रहा है। लोगों की औसत उम्र निरंतर घट रही है। वैश्विक शोध संगठनों की रिपोर्ट बताती है कि वायु प्रदूषण के इसी खतरनाक स्तर के कारण दिल्ली में रहने वाले लोगों की औसत जीवन प्रत्याशा लगभग 10 से 12 वर्ष कम हो रही है। यह स्थिति बहुत ही चिंता उत्पन्न करने वाली है। इस पर न केवल सरकार को अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए बल्कि सारी राजनीति को भी एकमत से एक मंच पर आकर ठोस निर्णय लेना चाहिए। इसे अपनी ओच्छी राजनीति का माध्यम न मानकर प्रत्येक राजनीतिक दल लोक कल्याण के महत्वपूर्ण उद्देश्य के प्रति अपने समर्पण का एक माध्यम मानना चाहिए अर्थात जनसेवा का एक सबसे अनमोल अवसर। ऐसा भी नहीं है कि एनसीआर में फैलने वाले इस खतरनाक वायु प्रदूषण के लिए केवल दीपावली के पटाखों को कोई जिम्मेदार माना जाए, इसके लिए कुछ अन्य कारण भी जिम्मेदार हैं। दीपावली की अतिशबाजी से भारी मात्रा में सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और जहरीली धातुएं हवा में घुल जाती हैं। इस आतिशबाजी के अतिरिक्त इसी मौसम में पड़ोसी राज्यों (पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश) में धान की कटाई के बाद पराली जलाई जाती है, जिसका धुआं हवाओं के साथ दिल्ली पहुँचता है। पराली का धुंआ एनसीआर की वायु को और भी अधिक जहरीला बना देता है। पराली की यह समस्या मानव निर्मित है। इसे मानव ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारते हुए तैयार किया है। हम सभी जानते हैं कि गांव में भी किसान लोग गाय पालन, पशुपालन से लोग दूरी बना रहे हैं। जिसके कारण खेतों में पराली को जलाना पड़ रहा है। पहले इसको समाप्त करने की एक स्वाभाविक प्रक्रिया होती थी, जिसके अंतर्गत किसान पराली को घर ले जाकर पशुओं को खिलाता था। पशुओं से गोबर की खाद तैयार होती थी और वह गोबर की खाद फिर खेत में जाकर पड़ जाती थी। इस प्रकार एक चक्र बना हुआ था। जिसे मशीनी युग में मशीनों से तैयार होने वाले दूध ने तोड़ दिया है। ट्रैक्टर ने बैल आदि को किसान के खेत से और घर से दूर कर दिया है। उसी का यह परिणाम है कि पराली को जलाना किसान की मजबूरी हो गई है। आधुनिकता के नाम पर कुत्ते पालने वाले लोगों ने पशुपालन छोड़ दिया है। विशेष रूप से वह पशु जो उसके जीवन रक्षक होते थे, किसान के जीवन से दूर चले गए हैं। इसके चलते जो अवस्था उत्पन्न हुई है वह मनुष्य के लिए प्राणभक्षक बन गई है। इस वायु प्रदूषण से एनसीआर को बचाने के लिए सबसे बड़ा भगीरथ प्रयास तो यही करना पड़ेगा कि एनसीआर के लोगों को स्वाभाविक और शुद्ध दूध देने के लिए इतनी मात्रा में पशुपालन किया जाए कि सारी पराली उनके भोजन के काम आ जाए अर्थात उसे जलाना न पड़े। पराली के अतिरिक्त अक्टूबर नवंबर के महीने में आने वाली ठंड की सुगबुगाहट भी प्रदूषण को बढ़ाने का एक कारण बनती है। यह एक स्वाभाविक प्राकृतिक प्रक्रिया है। जिससे बचा नहीं जा सकता। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले समय में यह प्रदूषण एक क्रॉनिक हेल्थ क्राइसिस का रूप ले लेगा। आने वाली पीढ़ी कमजोर फेफड़ों के साथ पैदा होगी और कम उम्र में ही लोग फेफड़ों के कैंसर और दिल की बीमारियों से ग्रसित होने लगेंगे। उस स्थिति से बचने के लिए अभी से तैयारी करनी होगी। विशेष रूप से तब जबकि यह स्पष्ट हो गया है कि प्रदूषण के कारण अंतरराष्ट्रीय कंपनियां और कुशल पेशेवर दिल्ली से दूर बेंगलुरु, हैदराबाद या विदेश पलायन करने लगे हैं। लगातार स्मॉग के कारण पर्यटन उद्योग, निर्माण कार्य और व्यापार पर बुरा असर पड़ता है, जिससे देश को अरबों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इससे पहले की सब कुछ चौपट हो जाए समय रहते एनसीआर को गैस चैंबर से बाहर लाने की तैयारी युद्ध स्तर पर करनी होगी।

देश दुनिया से

नगद ईनाम समारोह में प्रशिक्षकों की उपेक्षा क्यों?

अक्तूबर माह की अंतिम तिथि को हुए हिमाचल प्रदेश खेल विभाग के नगद ईनाम समारोह में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को पदक जीतने व प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाडियों को उचित व सम्मान के साथ नगद ईनाम दिया गया। साथ ही साथ खेल विभाग में कार्यरत प्रशिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षक या टैक्निकल आफिशियल के रूप में प्रतिनिधित्व करने पर तीन-तीन लाख रुपए का नगद ईनाम सम्मान के साथ दिया गया, मगर वहीं पर खेल विभाग के बाहर कार्य करने वाले प्रशिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रशिक्षक के रूप में प्रतिनिधित्व करने पर सम्मानित करने की जगह शिमला बुलाकर उनकी अनदेखी कर अपमान किया, वह बहुत शर्मनाक था। करोड़ों रुपए जीतने वाले खिलाडियों के प्रशिक्षकों को न तो स्टेज पर बुलाया और न ही उन्हें नगद ईनाम दिया गया, जैसा केंद्र सरकार देती है। प्रशिक्षकों के साथ इस तरह की बदतमीजी कर क्या प्रदेश में खेलों का कभी भला हो सकता है? क्या अभी भी हिमाचल में खेलों के लिए वातावरण नहीं बन पाया है, जिसमें खिलाड़ी व प्रशिक्षक का सम्मान हो। हिमाचल प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को उनके द्वारा जीते गए पदकों के अनुसार नगद ईनाम दिया, मगर उनके प्रशिक्षकों को इस बार भी नगद ईनाम नहीं दिया गया, जबकि नई खेल नीति में खिलाड़ी के प्रशिक्षक को भी नगद ईनाम का प्रावधान है। खेल विभाग क्यों प्रशिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है, यह समझ से परे है। सीमा व सावन को शुरुआती दौर में तराशने वाले प्रशिक्षकों केहर सिंह पटियाल व गोपाल ठाकुर का किसी ने नाम तक नहीं लिया। केहर सिंह पटियाला तो



आए ही नहीं, मगर गोपाल ठाकुर अंत तक अपने नाम की घोषणा का इंतजार करते रहे। यही हाल कबड्डी में प्रशिक्षक रतन ठाकुर, मेहर चंद वर्मा व पूजा ठाकुर का भी रहा। वे भी स्टेज पर अपने ट्रेनी को दूर से ही देख पाए। विजेता खिलाडियों का भी अपने प्रशिक्षकों पर ध्यान नहीं गया। यह बहुत शर्मनाक व पीड़ादायी रहा। हैंडबाल के कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को नगद ईनाम मिला, मगर उनकी प्रशिक्षक स्नेहलता का नाम तक नहीं लिया गया। अंतरराष्ट्रीय कुश्ती प्रशिक्षक जौनी चौधरी का नाम भी स्टेज पर नहीं लिया गया, परन्तु उनके अंतरराष्ट्रीय शिष्य जरूर अपने गुरु को अपने साथ स्टेज पर लेकर गए। किसी भी खिलाड़ी को परशुराम अवार्ड व प्रशिक्षक को गुरु वशिष्ठ अवार्ड क्यों नहीं दिया गया? खिलाडियों को प्रशिक्षकों ने ही तराशा है। क्या वे नगद ईनाम के हकदार नहीं हैं? हिमाचल के कुछ पुराने एशियाई स्तर के खिलाडियों को शाल-टोपी तो जरूर दी, मगर वहां हिमाचल के एकमात्र ओलंपियन आशीष चौधरी को स्टेज पर तब बुलाने लगे, जब वह वहां से जा चुका था। पैरा ओलंपिक पदक विजेता व हाल ही में पैरा एशियन खेलों में दो स्वर्ण पदक विजेता निषाद कुमार को पिछले किसी पदक की ईनामी राशि तो जरूर दी, मगर हाल ही में अर्जित की गई दो स्वर्ण पदकों का नाम तक नहीं लिया गया। क्या एंकर को पता नहीं था? डेढ़ सौ करोड़ की आबादी में पहले तीन स्थानों पर आने वाले राष्ट्रीय पदक विजेताओं के साथ तो बहुत ही बुरा व्यवहार हुआ। एक साथ पूरे जिले के पचास से भी अधिक राष्ट्रीय पदक विजेताओं को सम्मानित करने की जगह जलील करना हर खेल प्रेमी को बहुत बुरा लगा। राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए वर्षों की कठिन ट्रेनिंग चाहिए होती है। तब राष्ट्रीय स्तर पर एथलीट पदक जीतता है। हर अभिभावक चाहता है कि उसके राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी व उसके प्रशिक्षक का शाल-टोपी व नगद ईनाम के साथ स्टेज पर सम्मान हो, मगर यहां पर खिलाडियों को दर्जनों की संख्या में केवल स्टेज के ऊपर-नीचे खड़ा कर बिना शाल-टोपी व ईनाम के वापस भेज देना बहुत बड़ा मजाक खिलाडियों के साथ शिमला में किया गया। कुछ राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाडियों को समारोह में बुलाया ही नहीं गया। यह क्या मजाक चल रहा है? राष्ट्रीय पदक विजेताओं को हर साल उनके जीते गए पदकों के लिए ईनाम बांट समारोह आयोजित किया जाए, ताकि हर विजेता का समय पर सम्मान हो तथा ईनामी राशि उसके आगामी प्रशिक्षण सीजन में काम आ सके। पिछले कई वर्षों से जब समारोह आयोजित ही नहीं होगा, तो फिर सैंकड़ों विजेताओं को एक दिन में सम्मानित इस तरह ही किया जाएगा। आनन फानन में आयोजित हुए इस समारोह में क्या किसी भी खिलाड़ी व प्रशिक्षक को टीए, डीए दिया गया? आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है। क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। हिमाचल में खेल व खिलाडियों से मजाक किया जा रहा है और प्रशिक्षकों को तो खेल पटल से ही गायब कर दिया है। देश में ओलंपिक आयोजन की बात हो रही है और हिमाचल में जो अपने दम पर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं, उनके साथ भद्दा मजाक चल रहा है। भविष्य में हिमाचल सरकार इस तरह का समारोह करती बार ध्यान रखे कि समारोह में बुलाए किसी विजेता खिलाड़ी या प्रशिक्षक के साथ इस तरह बदतमीजी न हो। अभिभावक अपने बच्चों के लिए खेलों में भी कैरियर तलाश रहा है और इस सबके लिए अच्छी खेल सुविधाओं के साथ साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षक भी लगातार कई वर्षों तक उसके बच्चों को मिलना चाहिए ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता बनने का सफर सफलतापूर्वक पूरा कर सकें। इससे प्रदेश में खेल वातावरण बनेगा तो हर खिलाड़ी व खेल प्रशिक्षक प्रेरित होकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा।

आप का नज़रिया

पर्यटन बाजार की खोज

पर्यटन संभावनाओं के अक्स में अब होटल एसोसिएशनें समूचे देश से अपने हिस्से का व्यवसाय खोज रही हैं, तो यह स्थायी रूप से प्रगतिशील कदम माना जाएगा। बेशक पिछले कई दशकों में हिमाचल का पर्यटन निवेश अब अपनी क्षमता के जोखिम से इतना बड़ा नजर आता है कि साल के कई भाग सूखे निकल जाते हैं। कहना न होगा कि टूरिस्ट आगमन पूरे साल की क्षमता में एक तरह का उतार चढ़ाव है। कभी अटल टनल से एक ही दिन में बीस हजार वाहन गुजर जाते हैं, तो कभी मनाली की राहें सूनी पड़ जाती हैं। इसी तरह की उदासियों से रूबरू हिमाचल के कमोबेश सभी टूरिस्ट डेस्टिनेशन अपने-अपने पर्यटन कैलेंडर को मजबूत करना चाहते हैं, लेकिन पर्यटन केवल होटल व्यवसाय नहीं, बल्कि पर्यटन व्यापार है जो विविध गतिविधियों के केंद्र में हुजूम बनाता है। होटल संघों के अलावा हिमाचल के व्यापार मंडलों, टैक्सी आपरेटरों, स्थानीय निकायों तथा रेहड़ी-फड़ी वालों के साथ मिल कर ही पर्यटन बाजार की परिभाषा को सुदृढ़ करने की जरूरत है। प्रदेश के पर्यटन सीजन को बारह महीने बांटने की कोशिश में नए डेस्टिनेशन, नए इवेंट, नए उपचार और नए पार्टनर खोजने होंगे। इसी तरह की एक कोशिश करते हुए धर्मशाला की स्मार्ट सिटी होटल एवं रेस्तरां एसोसिएशन तथा भद्रवाह टूरिज्म एसोसिएशन के बीच एक संयुक्त प्रयास शुरू हुआ है। दोनों एसोसिएशन एक सर्किट के तहत दो डेस्टिनेशन के बीच सामंजस्य, संपूर्णता, आकर्षण, विविधता तथा सहूलियत जोड़ रही हैं, तो यह अभिनव प्रयोग हिमाचल के कई अन्य पड़ोसी राज्यों के साथ भी हो सकता है। यह गठजोड़ हिमाचल पथ परिवहन निगम के साथ पड़ोसी राज्यों की परिवहन व्यवस्था से जुड़ कर उत्तर भारत के कई टूरिस्ट सर्किटों को बुलंदी दे सकता है। मसलन हिमाचल से हरिद्वार के लिए कम से कम सौ रूट संचालित होते हैं, लेकिन दोनों राज्यों के बीच अलग-अलग टूरिस्ट सर्किट बनाने के गंभीर प्रयास नहीं हुए। जो टूरिस्ट देवी दर्शन के लिए हिमाचल के मंदिरों में आता है, हम उसके लिए धार्मिक सर्किट नहीं बना पाए। उदाहरण के लिए ज्वालाजी आने वाले पर्यटक को नादौन की ध्यानूं समाधि आज भी मीलों दूर है। हम हाई एंड टूरिस्ट की बात करते हैं, लेकिन हाई एंड टूरिस्ट सर्किट नहीं बना पाए। यानी कि ट्राइबल, सांस्कृतिक और धरोहर के अलावा साहसिक पर्यटन को सर्किट के हिसाब से हाई एंड टूरिस्ट के काबिल नहीं बना पाए। शिमला आज हाई एंड के बजाय शोरगुल पर्यटन का हिस्सा बन गया, तो हमारी योजनाओं का कसूर है। हिमाचल को अपने सीमांत क्षेत्रों पर नए पर्यटक सर्किट बना कर भीड़ में भटकते पर्यटक को आसरा देना चाहिए। मसलन पौंग और कौल डैम के अलावा भाखड़ा व अन्य झीलों के किनारे पर्यटक मेले लगा कर एक वर्ग को संतुष्ट किया जा सकता है। मंदिरों तक आ रही भीड़ को धार्मिक परिसरों की परिक्रमा में व्यस्त किया जा सकता है, लेकिन मंडी-भरमौर और अन्य प्राचीन मंदिरों को विशेष पर्यटक के अनुरूप मान्यता मिलनी चाहिए। पूरे प्रदेश में पर्यटन कैलेंडर की व्यस्तता को मापते हुए ऑफ सीजन आयोजनों या खेल समारोहों को महत्त्व देना होगा। प्रदेश का अपना एक इवेंट सर्किट होना चाहिए। बहरहाल, धर्मशाला-भद्रवाह के बीच पर्यटन का अगर संयुक्त आधार ढूंढा जा रहा है, तो यही प्रेरणा उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, दिल्ली और राजस्थान को भी सामनांतर खड़ा कर सकती है। हिमाचल को अब अकेले होटलों की तादाद के अलावा पूरे पर्यटन बाजार पर तवज्जो देनी चाहिए। पर्यटन बाजार का विकास सुनिश्चित करते हुए ही अधोसंरचना का निर्माण होना चाहिए। हर डेस्टिनेशन के बाजार, टैक्सी स्टैंड, पार्किंग स्थल, परिवहन और पर्यटक सुविधाओं को नया आकार देने की जरूरत है। डेस्टिनेशन के भीतर पैकेज या दो तीन पर्यटक स्थलों के बीच सर्किट बनाने होंगे।

बेशक पिछले कई दशकों में हिमाचल का पर्यटन निवेश अब अपनी क्षमता के जोखिम से इतना बड़ा नजर आता है कि साल के कई भाग सूखे निकल जाते हैं। कहना न होगा कि टूरिस्ट आगमन पूरे साल की क्षमता में एक तरह का उतार चढ़ाव है। कभी अटल टनल से एक ही दिन में बीस हजार वाहन गुजर जाते हैं, तो कभी मनाली की राहें सूनी पड़ जाती हैं। इसी तरह की उदासियों से रूबरू हिमाचल के कमोबेश सभी टूरिस्ट डेस्टिनेशन अपने-अपने पर्यटन कैलेंडर को मजबूत करना चाहते हैं, लेकिन पर्यटन केवल होटल व्यवसाय नहीं, बल्कि पर्यटन व्यापार है जो विविध गतिविधियों के केंद्र में हुजूम बनाता है। होटल संघों के अलावा हिमाचल के व्यापार मंडलों, टैक्सी आपरेटरों, स्थानीय निकायों तथा रेहड़ी-फड़ी वालों के साथ मिल कर ही पर्यटन बाजार की परिभाषा को सुदृढ़ करने की जरूरत है। प्रदेश के पर्यटन सीजन को बारह महीने बांटने की कोशिश में नए डेस्टिनेशन, नए इवेंट, नए उपचार और नए पार्टनर खोजने होंगे। इसी तरह की एक कोशिश करते हुए धर्मशाला की स्मार्ट सिटी होटल एवं रेस्तरां एसोसिएशन तथा भद्रवाह टूरिज्म एसोसिएशन के बीच एक संयुक्त प्रयास शुरू हुआ है। दोनों एसोसिएशन एक सर्किट के तहत दो डेस्टिनेशन के बीच सामंजस्य, संपूर्णता, आकर्षण, विविधता तथा सहूलियत जोड़ रही हैं, तो यह अभिनव प्रयोग हिमाचल के कई अन्य पड़ोसी राज्यों के साथ भी हो सकता है। यह गठजोड़ हिमाचल पथ परिवहन निगम के साथ पड़ोसी राज्यों की परिवहन व्यवस्था से जुड़ कर उत्तर भारत के कई टूरिस्ट सर्किटों को बुलंदी दे सकता है।

कुछ अलग

कीर्तिशेष महाकवि मौजानंद

मौजानंदजी महाकवि को आज कौन नहीं जानता। साहित्य की गोष्ठी हो या कविता पाठ का कार्यक्रम, मौजानन्दजी अपनी-अपनी मौज में गुल-गुल गाते मिल जाएंगे। कम समय में ही उन्होंने जो ख्याति पायी है, वह बिरलों के भाग्य में ही होती है। साठ साल की आयु से शुरू हुआ लेखन अल्पसमय में ही परिपक्व हो गया है। लोग उन्हें अब तो महाकवि की उपाधि भी मानद् रूप से प्रदान कर चुके हैं। घुटनों तक लम्बे मोजे पहनकर जब वे साहित्य की चर्चा करते हैं तो लोगों के हाथों के तोते उड़ जाते हैं। उनकी धीर गम्भीर मुद्रा में साहित्य खिलता भी खूब है। कविता उनकी रग-रग में रच-बस गयी है। सब कुछ ठीक है, लेकिन एक रंज मुझे उनका पड़ौसी होने का जीवनभर सालता रहेगा। काश! मैं उनके ठीक सामने वाले मकान में नहीं रहा होता, लेकिन मकान मेरा पुश्तैनी है और उसे मैं छोड़ भी नहीं सकता।

दृष्टि कोण

राहुल की फीलिंग से निकली दिल्ली रैली

राहुल गांधी ने अंततः दिल्ली में एक रैली निकालने का निर्णय ले लिया था। वे कई दिनों से अपनी पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में घूम रहे थे। बीच में दो तीन किसी अति आवश्यक काम के लिए वियतनाम चले गए थे अन्यथा देश के विभिन्न हिस्सों में घूमने फिरने में ही बिताया। एक बार तो बहुत से लोगों का काफिला लेकर धूमधाम से सर्वोच्च न्यायालय में कुछ जरूरी कागजात जमा करवाने के लिए भी गए थे। इस भ्रमण में उनकी बहन प्रियंका गांधी भी प्रायः साथ रहती हैं। वैसे भी उनको घूमते फिरते देख कर दूसरे बहुत लोग भी जुडने लगते हैं और उनके साथ घूमने लगते हैं। उनके घूमने फिरने और विविध प्रकार के काम करते समय के चित्रों की एक प्रदर्शनी उनके भानजे ने कहीं लगाई भी थी। कभी कभार उनके माता जी भी उनके काफिलों को आशीर्वाद दे देती हैं। वैसे देखा गया है कि राहुल जी को घूमते समय एक विशेष प्रकार की 'फीलिंग' आने लगती है। यह बात वे खुद बताते भी हैं। यह सचमुच बहुत ऊंचे पाएं की बात होती है। लेकिन इस बार उनको उनकी इस फीलिंग ने ही बुरा फंसा दिया। घूमते घूमते उनको फीलिंग आ गई कि अब दिल्ली में एक बहुत बड़ी रैली कर लेनी चाहिए। उन्होंने इस महत्वपूर्ण काम के लिए एक नवंबर 2026 का दिन चुन लिया। लोगों ने बहुत समझाया भी कि इस दिन दिल्ली में ही बहुत भयंकर नरसंहार हुआ था। उसमें अनेकों बेगुनाहों की जान चली गई थी। कहा जाता है वह सब कांग्रेस का ही किया कराया था। यह शोक का दिन है। इस दिन दिल्ली में ही रैली करके जले पर नमक



छिडक़ने का काम होगा। लोगों में नाराजगी आएगी। अभी घूमते फिरते रहने के कारण कहीं कहीं लोगों को लगने लगा है कि आप अपने बलबूते लीडर बन सकते हैं। पप्पू के खोल से बाहर निकलने की प्रक्रिया शुरू होने लगी थी। यहां तक कि भाजपा का समर्थन करने वाले कुछ पत्रकारों ने भी कहीं कहीं कहना शुरू कर दिया था कि राहुल में कुछ तो है, एक प्रकार की व्याकुलता, एक प्रकार का उत्साह, जिसके चलते वे परिश्रम करें तो लीडर बन सकते हैं। लेकिन वे एक नवंबर पर अड़ गए। दिल्ली के लोगों ने बहुत कहा कि हम आपका साथ दे देंगे, चलिए आप की रैली में भी आ जाएंगे, लेकिन ये त्योहारों के दिन हैं, दिवाली आने वाली है, आप इस रैली नाम के इवेंट को कुछ दिनों के लिए टाल दीजिए। लेकिन राहुल जी की एक खूबी है। जब एक बार फीलिंग आ जाती है तो वे फिर पीछे नहीं हटते। आप



आईएसएल में खराब शुरुआत के बाद मैनोलो मार्केज ने छोड़ा मुंबई सिटी एफसी का साथ

मुंबई

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2026-27 सत्र में खराब शुरुआत के बाद मुंबई सिटी एफसी और पूर्व भारतीय कोच मैनोलो मार्केज ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। क्लब ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। मार्केज इससे पहले हैदराबाद एफसी और भारतीय राष्ट्रीय फुटबाल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं।

मुंबई सिटी ने इस सत्र में अपने अभियान की शुरुआत चर्चिल ब्रदर्स के खिलाफ हार के साथ की थी। इसके बाद घरेलू मैदान पर स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली ने उसे चौंका दिया। टीम अपने अन्य दो मुकाबलों में केरल ब्लास्टर्स और पंजाब एफसी के खिलाफ ड्रा खेलने में सफल रही।

क्लब के फुटबाल निदेशक सुजय शर्मा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इस सत्र में आईएसएल के प्रत्येक क्लब की तरह हम भी भारतीय फुटबाल के एक नए दौर से गुजर रहे हैं। कई मायनों में यह भारतीय फुटबाल के शीर्ष स्तर के लिए एक नई शुरुआत है।

उन्होंने आगे कहा, हम मैनोलो को भारतीय फुटबाल में उनके अनुभव और उपलब्धियों को देखते हुए क्लब में लेकर आए थे। अब हमारा पूरा ध्यान पहली टीम को समर्थन देने और मौजूदा सत्र के अपने लक्ष्यों को हासिल करने पर है। टीम और कोचिंग व्यवस्था से जुड़ी आगे की जानकारी उचित समय पर क्लब के आधिकारिक माध्यमों से साझा की जाएगी।

मार्केज ने 2022 में हैदराबाद एफसी को पहली और अब तक की एकमात्र आईएसएल खिताबी जीत दिलाई थी। इसके बाद उन्होंने एफसी गोवा को 2025 और 2025-26 सत्र में लगातार दो सुपर कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, मुंबई सिटी के साथ उनका कार्यकाल उम्मीद के मुताबिक शुरू नहीं हुआ।

चर्चिल ब्रदर्स के खिलाफ शुरुआती मुकाबले में हार के बाद मार्केज ने टीम की तैयारी के लिए पर्याप्त प्री-सीजन मैच नहीं मिलने पर नाराजगी जताई थी। मैच के बाद प्रसारकों से बातचीत में स्पेनिश कोच ने कहा था, हमारा प्री-सीजन मजाक था। क्लब एक भी मजबूत मुकाबले का आयोजन नहीं कर पाया। हमने जो भी मैच खेले, वे सभी एक तरह से झूठ थे। किसी मजबूत टीम के खिलाफ यह हमारा पहला मुकाबला था और दुर्भाग्य से हम हार गए।

मुंबई सिटी से अलग होने के साथ ही भारतीय फुटबाल में मार्केज का लगातार छह वर्षों से चला आ रहा कोचिंग कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। इस दौरान उन्होंने क्लब स्तर पर कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं और कुछ समय के लिए भारतीय राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी भी संभाली। भारतीय टीम के साथ उनके संक्षिप्त कार्यकाल में ब्लू टाइगर्स ने एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में मालदीव को हराया था। हालांकि, प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में जीत नहीं मिलने के कारण अंततः उन्होंने आपसी सहमति से भारतीय टीम का पद छोड़ दिया था।

न्यूज ब्रीफ

युवा ओलंपिक में तन्वी पत्री ने जीता रजत पदक, फाइनल में चीन की झांग यी शिन से हारीं



डकार। भारत की तन्वी पत्री को युवा ओलंपिक खेल 2026 की बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। खिताबी मुकाबले में उन्हें चीन की मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन झांग यी शिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तन्वी ने पहले गेम में शुरुआती लय हासिल करने में थोड़ा समय लिया, लेकिन इसके बाद लगातार सात अंक जीतकर 3-5 से 10-5 की बढ़त बना ली। उनके पंच टास और नेट पर शानदार नियंत्रण ने झांग को दबाव में रखा। भारतीय खिलाड़ी ने 25 मिनट में पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में तन्वी ने 4-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की। हालांकि, कोर्ट के पीछे से आने वाले हवा के रुख के कारण उनके क्लियर शाट्स पर नियंत्रण प्रभावित हुआ। मध्यांतर के बाद झांग ने मुकाबले पर पकड़ मजबूत की और दूसरा गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। निर्णायक गेम में झांग ने अपने क्रास-कोर्ट ड्राप शाट्स के दम पर शुरुआत से ही बढ़त बना ली और स्कोर 19-10 तक पहुंचा दिया। तन्वी ने हार नहीं मानी और लगातार अंक जुटाते हुए अंतर 19-15 कर दिया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी के एक क्रास-कोर्ट स्मैश के बाहर जाने से झांग को पांच मैच प्वाइंट मिल गए। तन्वी ने शानदार संघर्ष करते हुए पांचों मैच प्वाइंट बचा लिए और स्वर्ण पदक जीतने के लिए तीन मौके भी बनाए। लेकिन झांग के अधिक अनुभव ने अंततः निर्णायक भूमिका निभाई और उन्होंने खिताब अपने नाम कर लिया। इस रजत पदक के साथ तन्वी युवा ओलंपिक में बैडमिंटन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं।

जयपाल मालवीय ने विश्व चैंपियनशिप में जीता रजत, भारत को मिला पहला ओलंपिक कोटा



दोहा। भारतीय निशानेबाज जयपाल मालवीय ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का रजत पदक जीतकर देश को लास एंजिलिस ओलंपिक-2028 का पहला कोटा दिलाया। उन्होंने लुसैल शूटिंग काम्प्लेक्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए 24 शाट के फाइनल में 242.2 अंक हासिल किए और दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में ओलंपिक के तीन कोटा दांव पर थे। चीन के हू काई ने 243.9 अंकों के साथ स्वर्ण पदक और पहला कोटा हासिल किया। चेक गणराज्य के जिंद्रिच डुबोवी 220.9 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे और उन्होंने तीसरा ओलंपिक कोटा अपने नाम किया। जयपाल के रजत पदक के साथ भारत को दूसरा कोटा मिला। जयपाल ने फाइनल की शुरुआत से ही पदक की दौड़ में अपनी जगह बनाए रखी। उन्होंने पहली सीरीज में 50.5 और दूसरी सीरीज के बाद कुल 100 अंक हासिल किए। एलिमिनेशन दौर में भी उनका निशाना लगातार सटीक रहा। उन्होंने 10.8 और 10.7 जैसे शानदार शाट लगाए। अंतिम चरण में दबाव के बावजूद संयम बनाए रखते हुए उन्होंने डुबोवी को पीछे छोड़ा और रजत पदक पक्का किया। इससे पहले दिन के सत्र में भारतीय महिला 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने भी रजत पदक जीतकर देश को दोहरी खुशी दी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, सुरूचि इंदर सिंह और सायन्यम की तिकड़ी ने कुल 1738 अंक और 61 इनर-10 के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

सिराज की उपेक्षा से उठे सवाल , कहीं 2027 एकदिवसीय विश्वकप की योजनाओं से तो बाहर नहीं हुए

आकलैंड। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ आकलैंड में खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से जहां प्रशंसकों को हैरानी हुई वहीं इससे कुछ सवाल भी उठने लगे हैं। जसप्रीत बुमराह के इस सीरीज में नहीं खेलने से सिराज ही सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। फिर भी उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से आशंका हो रही है कि कहीं उन्हें अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम योजनाओं से बाहर तो नहीं रखा जा रहा। ये भी सवाल उठ रहा है कि क्या टीम प्रबंधन अब भविष्य की योजनाओं में नए तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रहा है और सिराज की अहमियत कम होती जा रही है यह स्थिति एक ऐसे खिलाड़ी के लिए है जो पिछले कई वर्षों से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा रहा है। गौरतल है कि सिराज ने तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी टीम के सदस्य थे, जहां उन्होंने अपनी सटीक गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता से अहम योगदान दिया था। इसके बावजूद, उन्हें हाल के एकदिवसीय मुकाबलों में नियमित अवसर नहीं मिल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में उनकी जगह आकिब नबी, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार और अर्शदीप सिंह जैसे अनकैप्ड युवा गेंदबाजों को मौका दिया गया, जिसने उनकी भूमिका और टीम में उनकी स्थिति पर सवालिया निशान लगने लगे हैं।

प्रीमियर लीग में कोई मुकाबला आसान नहीं, एक चूक भी पड़ सकती है भारी : चेल्सी कोच शाबी अलोंसो

नई दिल्ली

चेल्सी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में अच्छी शुरुआत की है। टीम नौ मुकाबलों में 16 अंक लेकर अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। चेल्सी के मुख्य कोच शाबी अलोंसो ने जियोस्टार को दिए एक साक्षात्कार में लीग की प्रतिस्पर्धा, टीम की रक्षात्मक कमजोरियों और कोल पामर की सर्वश्रेष्ठ पोजीशन को लेकर अपने विचार साझा किए।

अलोंसो ने कहा कि प्रीमियर लीग बेहद चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता है और यहां कोई भी मुकाबला आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, चेल्सी से जुड़ने से पहले मुझे इस लीग की चुनौती का अंदाजा था, लेकिन यहां आने के बाद सभी टीमों और खिलाड़ियों का स्तर देखने को मिला। हर मुकाबला एक नई परीक्षा होता है। आप हर सप्ताह ऐसी टीम के खिलाफ खेलते हैं, जो या तो खिताब की दौड़ में होती है या फिर लीग में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही होती है। इस लीग में एक पल के लिए भी ध्यान नहीं हटा सकते, क्योंकि यहां की गुणवत्ता आपकी छोटी सी चूक की सजा देगी।

उन्होंने कहा कि इस चुनौती के कारण टीम को हर मुकाबले के लिए पूरी एकाग्रता के साथ तैयारी करनी पड़ती है। कोचिंग स्टाफ को प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी का बारीकी से विश्लेषण करना होता है और खिलाड़ियों को मानसिक तथा शारीरिक रूप से तैयार रखना पड़ता है। कार्यक्रम व्यस्त जरूर है, लेकिन यही इस प्रतियोगिता की चुनौती भी है। चेल्सी के पास अच्छी गुणवत्ता और गहराई वाला दल है, जिसका पूरे सत्र में सही इस्तेमाल करना होगा।

रक्षात्मक प्रदर्शन में सुधार की जरूरत

टीम की रक्षात्मक कमजोरियों पर अलोंसो ने कहा कि अधिक गोल गंवाने के पीछे कोई एक कारण नहीं है, लेकिन यह ऐसा क्षेत्र है जिसमें टीम निश्चित रूप से सुधार करना चाहती है। उन्होंने कहा, हम इस दिशा में काम कर रहे हैं और टीम लगातार विकसित हो रही है। हमें मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा और कम गोल गंवाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमने मैदान पर अपनी संरचना और गेंद के बिना खिलाड़ियों की पोजीशनिंग पर काम किया है।

उन्होंने कहा कि टीम ने कई गोल छोटी-छोटी गलतियों के कारण गंवाए हैं, न कि इसलिए कि विरोधी टीम ने उसकी रक्षापंक्ति को पूरी तरह भेद दिया। यह सकारात्मक बात है, क्योंकि इन गलतियों को सुधारा जा सकता है। टीम को एक इकाई के रूप में अधिक संगठित होना होगा, व्यक्तिगत मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा और अंतिम क्षेत्र में सही फैसले लेने होंगे।

अलोंसो ने कहा कि रक्षात्मक जिम्मेदारी केवल चार डिफेंडरों की नहीं होती। इसकी शुरुआत अग्रिम पंक्ति से होती है, जहां खिलाड़ियों को दबाव बनाने और पीछे लौटकर मदद करने की जरूरत होती है। हर मैच में गोल गंवाने से बचना शायद संभव न हो, लेकिन कम गोल गंवाना निश्चित रूप से संभव है। पूरी टीम के बेहतर तालमेल से क्लीन शीट हासिल करने में मदद मिलेगी।

आक्रमण में आजादी के साथ अनुशासन भी जरूरी

अलोंसो ने कहा कि आक्रमण करने वाले खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने की आजादी मिलनी चाहिए, लेकिन इसके साथ अनुशासन भी जरूरी है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ आक्रमण की आजादी देने का मामला नहीं है। खिलाड़ियों को यह समझना होगा कि टीम को किस समय क्या चाहिए। जब आक्रमण करने वाले खिलाड़ी अपने खेल का आनंद लेते हैं, तो टीम बेहतर प्रदर्शन करती है और जीत की संभावना भी बढ़ती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उन्हें बिना किसी योजना के खेलने की छूट हो।

उन्होंने कोल पामर, मार्गन रोजर्स, जोआओ पेड्रो और एस्टेवाओ को टीम के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी बताया। उनके मुताबिक कुछ खिलाड़ी टीम को स्थिरता देते हैं, जबकि कुछ खिलाड़ी अपने कौशल से मैच में अंतर पैदा करते हैं। टीम को इन दोनों पहलुओं के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा।

पामर के लिए केंद्रीय आक्रामक मिडफील्डर की भूमिका उपयुक्त

कोल पामर की सर्वश्रेष्ठ पोजीशन के बारे में अलोंसो ने कहा कि उनके लिए पामर की सबसे अच्छी भूमिका केंद्रीय आक्रामक मिडफील्डर की है। उन्होंने कहा, जब कोल को अग्रिम पंक्ति और विरोधी टीम की रक्षापंक्ति के बीच गेंद मिलती है, तो वह आखिरी पास देने, डिफेंडरों को छकाने, गोल करने और सही समय पर दौड़ लगाने में सक्षम होते हैं। विरोधी टीम को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने की उनकी क्षमता इसी क्षेत्र में नजर आती है।

अलोंसो ने कहा कि पामर को सही जगह पर गेंद पहुंचाना जरूरी है। मिडफील्डरों और डिफेंडरों को तेजी से उन क्षेत्रों में उन्हें गेंद देनी होगी, जहां वह अपने कौशल का इस्तेमाल कर सकें। उन्होंने कहा कि पामर केवल गोल करने और मौके बनाने में ही नहीं, बल्कि गेंद के बिना भी मेहनत करते हैं। वह जगह बंद करने और खेल को जोड़ने में टीम की मदद करते हैं, जो संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है।

रविवार को सुंदरलैंड से भिड़ेगी चेल्सी

चेल्सी की टीम रविवार, 8 नवंबर को प्रीमियर लीग में सुंदरलैंड का सामना करेगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से जियोहाटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारित होगा।

हार्दिक अगले एक सत्र तक आईपीएल में कप्तान न करें : रायुडू



मुंबई

आलराउंडर हार्दिक पांड्या के आईपीएल 2027 में मुम्बई इंडियंस छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स या पंजाब जाने की अटकलों के बीच ही पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा है हार्दिक जिस भी टीमें में जायें ध्यान रखें कि अगले एक सत्र तक कप्तानी से दूर रहें। रायुडू के अनुसार हार्दिक के लिए सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स में जाना बेहतर विकल्प रहेगा पर उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में नहीं जाना चाहिये। इसका कारण है कि केकेआर को अभी कप्तान की जरुरत है और पांड्या अगर वहां जाते हैं तो उन्हें कप्तानी संभालनी पड़ेगी जिससे उनपर अनावश्यक बोझ आ जाएगा। अभी जिस स्थिति में वह है उसमें टीम की जिम्मेदारी संभालना हार्दिक के लिए आसान नहीं होगा। इसके विपरीत, रायुडू का मानना है कि चेन्नई या पंजाब में हार्दिक पर कप्तान का भार नहीं रहेगा जिससे वह अपने खेल पर ही ध्यान दे सकेंगे।

रायुडू ने पिछले आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की कमजोर स्थिति को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हार्दिक वहां अपने को एक कोने में धकेला हुआ महसूस कर रहे थे। इस तरह की असहजता का असर खिलाड़ी के व्यवहार और मैदान पर उसके प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। साथ ही कहा कि जब ड्रेसिंग रूम का माहौल सही नहीं होता, तो खिलाड़ी कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया दे सकता है, जैसा वह स्वयं भी नहीं चाहता। रायुडू ने संकेत दिया कि हार्दिक के लिए मुंबई में कई चीजें सही नहीं रहीं, जिसके लिए उनकी अपनी गलतियां भी हो सकती हैं या कुछ अन्य कारण भी।वहीं रायुडू ने साफ किया कि अगर हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी की भूमिका नहीं निभानी चाहिए।

उनका सुझाव है कि हार्दिक को केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए एक मैच विजेता के तौर पर प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर हार्दिक किसी दूसरी टीम में भी जाते हैं, तो कम से कम एक सत्र के लिए उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए ताकि वे नए माहौल में सहज हो सकें और अपने खेल को निखार सकें।हालांकि, इन चर्चाओं और रायशुमारी के बीच हार्दिक के ट्रेड को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि हार्दिक पांड्या आईपीएल 2026 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेले हैं।

12 नवंबर से हरियाणा में होगी अंतरराष्ट्रीय गोल्फ चैम्पियनशिप



नई दिल्ली। भारत में अब गोल्फ की एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। जिससे इस खेल के प्रशंसकों को अब दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। हरियाणा के नूंह में स्थित तरुधन वैली में 12 नवंबर से इंडिया इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन गोल्फ-2026 का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 56 विदेशी खिलाड़ियों के साथ ही 16 भारतीय खिलाड़ियों सहित कुल 72 गोल्फर भाग लेंगे। भारत के 16 खिलाड़ी इसमें उतरेंगे इस आयोजन को पिच एंड पट की वैश्विक संस्था फेडरेशन आफ इंटरनेशनल पिच एंड पट एसोसिएशंस (एफआईपीपीए) की मान्यता मिली है, जिससे इसका अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों को भी विदेशी गोल्फरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। 14 देशों के खिलाड़ियों के शामिल होने से देश में इस खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। इसी को देखते हुए इंडियन पिच एंड पट एसोसिएशन (आईपीपीए) के अध्यक्ष मुनीष अरोड़ा ने कहा कि 14 देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी भारत में पिच एंड पट की बढ़ती लोकप्रियता को दिखाती है।

कोकीन सेवन के मामले में क्रिस लिन पर लगा था एक महीने का प्रतिबंध, पुनर्वास कार्यक्रम भी पूरा किया

नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के टी20 बल्लेबाज क्रिस लिन को इंग्लैंड में जुलाई में खेले गए टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के बाद कोकीन सेवन के मामले में एक महीने के निलंबन का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड के क्रिकेट नियामक ने पुष्टि की है कि 36 वर्षीय लिन ने इसके बाद नशामुक्ति और पुनर्वास कार्यक्रम भी पूरा कर लिया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, लिन ने प्रतिबंध की अवधि पूरी कर ली है।

लिन का 18 जुलाई को नियमित डोपिंग परीक्षण किया गया था। इसी दिन नार्थम्पटनशायर ने फाइनल्स डे के मुकाबले जीतकर तीसरी बार टी20 ब्लास्ट का खिताब अपने नाम किया था। लिन ने उस दिन खेले गए दो मुकाबलों में 39 और चार रन बनाए थे।

इसके बाद उनका मूत्र नमूना जांच के लिए फ्रांस की एक प्रयोगशाला में भेजा गया, जहां उसमें बेंजोइलएक्गोनिन पाया गया। यह कोकीन के सेवन के बाद शरीर में बनने वाला एक मेटाबोलाइट है।

टी20 ब्लास्ट के तुरंत बाद लिन लंका प्रीमियर लीग में खेलने के लिए श्रीलंका रवाना हो गए थे। हालांकि, गाल ग्लैडिएटर्स के लिए केवल एक मैच खेलने के बाद 29 जुलाई को पैर में अज्ञात



चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया। इसके दो दिन बाद क्रिकेट नियामक ने उन्हें उनके नमूने में प्रतिकूल विश्लेषणात्मक परिणाम मिलने की जानकारी दी और अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। करीब तीन सप्ताह बाद लिन ने कोकीन सेवन की बात स्वीकार कर ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह घटना किसी खेल प्रतियोगिता के दौरान नहीं हुई थी और इसका उनके क्रिकेट प्रदर्शन से कोई संबंध नहीं था। लिन ने बताया कि उन्होंने 15 जुलाई 2026 की शाम से 16 जुलाई की सुबह तक कई घंटों के दौरान इस पदार्थ का सेवन किया था। इससे पहले उसी शाम नार्थम्पटनशायर की ग्लास्टरशायर के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जीत के दौरान डुआन जानसन की कम ऊंचाई वाली फुलटास गेंद पैर पर लगने के बाद वह रिटायर्ड हर्ट हो गए थे।

क्रिकेट नियामक ने शुरुआत में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के डोपिंग रोधी नियमों के दो प्रावधानों के तहत लिन पर आरोप लगाए थे। हालांकि, बाद में एक आरोप हटा दिया गया, क्योंकि उनके मूत्र नमूने में कोकीन की मात्रा विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के नियमों के तहत आरोप लगाने के लिए निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम पाई गई।

नियामक ने शुरुआत में तीन महीने के प्रतिबंध पर विचार किया था, लेकिन लिन द्वारा नशे के दुरुपयोग से निपटने के लिए उपचार कार्यक्रम पूरा करने की पुष्टि के बाद इसे घटाकर एक महीने कर दिया गया। उनका पुनर्वास कार्यक्रम 30 अगस्त को पूरा माना गया, जो उनके अस्थायी निलंबन की शुरुआत के एक महीने बाद की तारीख थी।

प्रतिबंध पूरा होने के बाद से लिन ने पेशेवर क्रिकेट में हिस्सा नहीं लिया है। वह आगामी बिग बैश लीग सत्र के लिए किसी अनुबंध की आधिकारिक पुष्टि भी नहीं कर पाए हैं। हालांकि, आस्ट्रेलियाई मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ जुड़ने पर सहमति जताई है।

आस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के सलाहकार कोच बने माइक हसी

सिडनी

आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइक हसी इस महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से राष्ट्रीय टीम के साथ सलाहकार कोच के रूप में जुड़ेंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। हसी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज और दक्षिणी अफ्रीका में आयोजित होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए भी टीम के सलाहकार कोच की भूमिका निभाएंगे।

51 वर्षीय हसी को वर्ष 2028 में होने वाले दो बड़े आयोजनों- लास एंजिल्स ओलंपिक और आस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड में प्रस्तावित टी20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम का टी20 सलाहकार भी नियुक्त किया गया है। इस भूमिका में वह अभियान की रणनीति तैयार करने, विरोधी टीमों की जानकारी जुटाने, खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचानने और प्रदर्शन से जुड़े मामलों में विशेषज्ञ सलाह देंगे।

हसी लगभग तुरंत अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। वह इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने के अंत में शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के साथ इस घरेलू सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी आस्ट्रेलियाई टीम को कोचिंग सहयोग देंगे। वह पिछले कुछ वर्षों में भी आस्ट्रेलियाई टीम के साथ इसी तरह की जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। पिछले तीन वर्षों में इंग्लैंड, भारत और पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पर्थ में टीम के अभ्यास सत्र में भी वह शामिल हुए थे।

वर्ष 2016 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद हसी ने कोचिंग के क्षेत्र में व्यापक अनुभव हासिल किया है। वह आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीमों के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। वर्ष 2022 में आस्ट्रेलिया में आयोजित टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम में वह मैथ्यू माट के कोचिंग पैनल के सदस्य थे। इसके अलावा वह स्टीफन फ्लेमिंग के मार्गदर्शन में चेन्नई सुपर



किंग्स के लंबे समय तक बल्लेबाजी कोच रहे और इस वर्ष द हंड्रेड में वेल्श फायर के मुख्य कोच की भूमिका निभाई।

हसी ने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम के साथ अधिक औपचारिक और महत्वपूर्ण भूमिका में जुड़ना उनके लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा, इस टीम ने हाल के वर्षों में काफी उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दौर में मैं कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों के लिए उपयोगी योगदान दे सकूंगा।

आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने हसी की नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि वह पहले भी टीम के कोचिंग स्टाफ के महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं। उनका अनुभव और कौशल मौजूदा कोचों तथा खिलाड़ियों के लिए काफी उपयोगी होगा। मैकडोनाल्ड ने कहा कि कई प्रारूपों, प्रतियोगिताओं और देशों में खिलाड़ी तथा कोच के रूप में हसी की विशेषज्ञता के साथ उनके व्यक्तिगत गुण भी टीम के लिए अहम हैं।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय टीमों के महाप्रबंधक बेन ओलिवर ने बताया कि टी20 सलाहकार के तौर पर हसी अभियान की रणनीति, विरोधी टीमों के विश्लेषण, खिलाड़ियों की तलाश और प्रदर्शन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपनी विशेषज्ञता देंगे।

हसी ने 2005 से 2013 के बीच आस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में कुल 302 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। वह 2007 में एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली आस्ट्रेलियाई टीम और 2006-07 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में 5-0 की जीत दर्ज करने वाली टीम का हिस्सा थे। उन्होंने 79 टेस्ट मैचों में 51 से अधिक की औसत से रन बनाए। टी20 विश्व कप 2010 के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ उनकी 24 गेंदों में नाबाद 60 रन की पारी आज भी यादगार मानी जाती है। उनकी इस तूफानी पारी की बदौलत आस्ट्रेलिया ने मुश्किल स्थिति से वापसी करते हुए मुकाबला जीत लिया था।

आस्ट्रेलिया-इंग्लैंड एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम

- पहला एकदिवसीय मैच : 13 नवंबर, पर्थ स्टेडियम।
- दूसरा एकदिवसीय मैच : 15 नवंबर, एडिलेड ओवल।
- तीसरा एकदिवसीय मैच : 18 नवंबर, बेलेरिव ओवल, होबार्ट

ईका मोबिलिटी का दूसरा शोरूम शुरू, 18 माह में तेलंगाना में खुलेंगे 20 आउटलेट



हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों की निर्माता कंपनी ईका मोबिलिटी के तेलंगाना में अधिकृत डीलर स्केड राइड्स प्राइवेट लिमिटेड ने शुक्रवार सुबह काचीगुड़ा में अपना दूसरा शोरूम शुरू किया। निम्बोलीअड्डा स्थित पटेल्स डिलाइट्स के पास खुले इस शोरूम का उद्घाटन अंबरपेट के विधायक वेंकट कुल्लूरी ने किया। इस अवसर पर स्केड राइड्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पृथ्वी रेड्डी तथा कार्यकारी निदेशक मनोज कोठारी और राजेंद्र कोठारी उपस्थित थे।

विधायक वेंकट कुल्लूरी ने कहा कि वर्तमान समय में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की आवश्यकता बढ़ती जा रही है।

यह शोरूम विशेष रूप से इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा के लिए शुरू किया गया है। यहां हाल ही में हैदराबाद में लॉन्च किया गया ईका एवीआई 3एस इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा भी उपलब्ध रहेगा। कार जैसी आकर्षक बनावट, विशाल इंटीरियर और एसी-डीसी चार्जिंग की विशेष सुविधा से युक्त यह वाहन व्यावसायिक चालकों को कम समय में चार्जिंग और अधिक समय तक कमाई करने में मदद करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

पृथ्वी रेड्डी ने बताया कि यह कंपनी का दूसरा शोरूम है। पहला शोरूम कुकटपल्ली में शुरू किया गया था। कंपनी ने विस्तार की योजना तैयार की है, जिसके तहत अगले 18 महीनों में तेलंगाना में कुल 20 शोरूम खोले जाएंगे। इनमें पांच शोरूम हैदराबाद शहर में और 15 राज्य के अन्य हिस्सों में स्थापित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि पुणे स्थित ईका मोबिलिटी इलेक्ट्रिक बसों, ट्रकों और छोटे वाणिज्यिक वाहनों सहित यात्री परिवहन, माल ढुलाई तथा अंतिम छोर तक डिलीवरी के लिए टिकाऊ एवं तकनीक आधारित परिवहन समाधान उपलब्ध करा रही है। कंपनी का उद्देश्य आधुनिक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों के माध्यम से भारत को स्वच्छ, हरित और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था की ओर ले जाना है। मनोज कोठारी ने बताया कि ईका मोबिलिटी के पास इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों की सबसे बड़ी शृंखला है। कंपनी को तेलंगाना सरकार से 915 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति का ऑर्डर भी मिल चुका है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने तेलंगाना में अपने पहले वर्ष के संचालन के दौरान 2,500 इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा बेचने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

भक्ति के रंग में रंगा पहाड़ी श्याम मंदिर



हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिन्द्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर में 'प्रेमी पहाड़ी श्याम के' की ओर से भव्य 'एकादशी संकीर्तन' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भजन गायक पंकज ओझा एवं खुशी जोशी ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित भक्तों को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। भजनों की मधुर धुनों पर भक्तजन झूम उठे और पूरा मंदिर परिसर श्याममय हो गया।संकीर्तन के दौरान भजन गायकों की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भक्तों ने पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ संकीर्तन में भाग लिया। इस अवसर पर मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया ने भजन गायकों एवं विशिष्ट अतिथियों का सम्मान किया। इस दौरान ट्रस्टी विजय अग्रवाल, राहुल गुप्ता, अक्षय डाकोतिया, रुपेश सिंघानिया, अशोक सिंघानिया, पंकज सिंगला, प्रदीप अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल (नाचारम), रवि सबलका, सुरेश अग्रवाल तथा 'प्रेमी पहाड़ी श्याम के' के सदस्य विकास राठौड़, अभिनव मंत्री, विशाल कच्छावा, अमित भंडारी, भवानी राठौड़, शेयांश सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

बुजुर्गों का आशीर्वाद सौभाग्य से ही मिलता है : डॉ. बसंत गोयल



नई दिल्ली, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुरानी सीमापुरी स्थित अनुकृति विशेष विद्यालय में विशेष बच्चों एवं बुजुर्गों के साथ दीपावली समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बुजुर्ग माताओं और विशेष देखभाल की आवश्यकता वाले बच्चों को नए परिधान, मिठाइयां, अल्पाहार एवं उपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध भामाशाह, अंतरराष्ट्रीय समाजसेवी एवं 'ब्लड मैन ऑफ इंडिया' डॉ. बसंत गोयल उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. बसंत गोयल ने कहा कि विशेष बच्चों, दिव्यांगजनों और अनाथालयों एवं वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों के साथ दीपावली मनाने का अवसर मिलना हमारा सौभाग्य है। एक खुशहाल घर की रौनक बुजुर्गों से ही बनी रहती है और उनका आशीर्वाद मिलना सबसे बड़े सौभाग्य की बात है। विशेष बच्चे भगवान के दिए हुए ऐसे पुष्प हैं, जो समाज में अपनी अलग पहचान रखते हैं और जिन्हें विशेष देखभाल एवं स्नेह की आवश्यकता होती है।

उन्होंने सभी से ऐसे यादगार पलों को सदैव संजोकर रखने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि पांच दिवसीय दीपोत्सव को जन-जन के मन में प्रेम, समर्पण और सहयोग की भावना का दीप जलाकर उल्लास एवं खुशियों के साथ मनाना चाहिए।

अनुकृति विशेष विद्यालय के संस्थापक सुनहरी लाल यादव ने बताया कि वे कई वर्षों से विशेष बच्चों के विद्यालय, वृद्धाश्रम और गौशाला का संचालन कर रहे हैं। भगवान ने उन्हें इन संस्थानों के माध्यम से सेवा करने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि उनके वृद्धाश्रम में ऐसे बुजुर्गों की देखभाल की जाती है, जिन्हें दिल्ली पुलिस असहाय अवस्था में या भटकते हुए पाती है। इसके अलावा विद्यालय में उन बच्चों को शिक्षा प्रदान की जाती है, जिन्हें विशेष देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता होती है।

कार्यक्रम में संगीतमय नृत्य एवं भजनों की प्रस्तुतियों ने दीपावली समारोह को यादगार बना दिया। इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं गणमान्य व्यक्तियों में राजकुमार उप्रेती, अतुल मुद्गल सहित संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

कंचनबाग हत्याकांड का खुलासा, छह आरोपी गिरफ्तार; दो फरार

हैदराबाद, 07 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के राजेंद्रनगर जोन के चंद्रायनगुट्टा डिवीजन के अंतर्गत कंचनबाग पुलिस थाना क्षेत्र में हुई हत्या और हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने आपराधिक षड्यंत्र रचकर सामूहिक उद्देश्य से हत्या और हत्या का प्रयास किया। यह वारदात हफीज बाबा नगर के 'बी' ब्लॉक स्थित पत्थर का मकान इलाके में एसए हेयर कटिंग सैलून एवं मेन्स पार्लर लेन के पास हुई थी।इस संबंध में कंचनबाग पुलिस थाने में अपराध संख्या 298/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 109(1) और 62 के साथ धारा 190 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता सैयद रफीक, पुत्र सैयद उमर, उम्र 60 वर्ष, कपड़ा व्यवसायी (सुवाद बिन डिजाइनर), निवासी मकान नंबर 18-12-418/9/2/अ, हफीज बाबा नगर हैं।घटना 3 नवंबर 2026 को सुबह लगभग 3:40 बजे कंचनबाग थाना क्षेत्र के पत्थर का मकान, 'बी' ब्लॉक, हफीज बाबा नगर स्थित एसए हेयर कटिंग सैलून एवं मेन्स पार्लर लेन के पास हुई।

पुलिस के अनुसार, 3 नवंबर 2026 को सुबह लगभग 8:30 बजे सैयद रफीक, पुत्र सैयद उमर, उम्र 60 वर्ष, निवासी हफीज बाबा नगर की ओर से अंग्रेजी में शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत में बताया गया कि उसी दिन सुबह लगभग 3:10 बजे उनका बेटा मशल्लाह उमर अपने बचपन के मित्र अमान कुरैशी से मिलने के लिए घर से निकला था। उसे अपने



बहनोई अब्दुल बरवाज और मकान मालिक के बीच चल रहे किराये के विवाद पर चर्चा करनी थी।

सुबह लगभग 4 बजे उन्हें अपने बड़े बेटे के मित्र निसार से सूचना मिली कि उनके बेटे मशल्लाह उमर पर पत्थर का मकान, 'बी' ब्लॉक, हफीज बाबा नगर स्थित एसए हेयर कटिंग सैलून एवं मेन्स पार्लर लेन के पास चाकू से हमला किया गया है।

आरोपियों से बचकर भागने के प्रयास में उनका बेटा पत्थर का मकान स्थित करीम किराना स्टोर (आंटी की दुकान) की ओर दौड़ा, जहां वह गिर पड़ा।

मौके पर पहुंचने पर शिकायतकर्ता ने अपने बेटे की गर्दन के दोनों ओर चाकू से किए गए कई घावों से खून बहता हुआ पाया। एंबुलेंस कर्मचारियों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पूछताछ के दौरान शिकायतकर्ता को घटना के प्रत्यक्षदर्शी नासिर खान से पता चला कि अमान कुरैशी और पांच से छह अन्य लोगों ने मशल्लाह उमर को घेर लिया था। इसी दौरान सैयद बिन महफूज, उम्र 44 वर्ष, शिकायतकर्ता के बेटे की मदद के लिए बीच-बचाव करने पहुंचे। आरोप है कि अमान कुरैशी ने चाकू से सैयद बिन महफूज और मशल्लाह उमर दोनों पर हमला किया और उनकी गर्दन पर चोटें पहुंचाईं।

शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि उनका बेटा अपने मामा (शिकायतकर्ता के बहनोई) और मकान मालिक अब्दुल खदर अहमद बताविल अलमूदी के बीच चल रहे किराये के विवाद में हस्तक्षेप कर रहा था। आरोप है कि घटना से पहले के तीन दिनों से मकान मालिक उनके बेटे को जान से मारने की धमकी दे रहा था।

शिकायतकर्ता को संदेह था कि मकान मालिक ने अमान कुरैशी, खालिद भाईसा, जाफर बिन हवल, अबरार, इमरान, मोहम्मद कुरैशी और अन्य लोगों के साथ मिलकर किराये के विवाद के कारण उनके बेटे की हत्या की साजिश रची। उन्होंने इस मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।,

पुलिस के अनुसार, इस हत्या के पीछे मृतक के मामा अब्दुल बरवाज और मकान मालिक अब्दुल खदर अहमद बताविल अलमूदी के बीच किराये के मकान को खाली कराने को लेकर पुराना विवाद था। यह मकान हफीज बाबा नगर के 'ए' ब्लॉक में सिद्दीक-ए-अकबर मस्जिद के पास स्थित है।

मृतक ने इस विवाद में अपने मामा के समर्थन में हस्तक्षेप किया था। आरोप है कि इसके बाद अमान कुरैशी और उसके साथियों के साथ मिलकर मृतक की हत्या करने की आपराधिक साजिश रची।

4 नवंबर 2026 को शाम लगभग 7:15 बजे विश्वसनीय सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक पुलिस श्री एम. श्रीकांत ने अपने स्टाफ के साथ आरोपियों को हिरासत में लिया और आगे की जांच के लिए कंचनबाग पुलिस थाने लाया। इसके बाद निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मामले की जांच कंचनबाग पुलिस थाना के निरीक्षक श्री जे. बालराजू कर रहे हैं। पूरी जांच चंद्रायनगुट्टा डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त श्री ए. सुधाकर की करीबी निगरानी में चल रही है। इसके साथ ही राजेंद्रनगर जोन के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री के. श्रीनिवास राव के मार्गदर्शन तथा हैदराबाद सिटी के राजेंद्रनगर जोन के पुलिस उपायुक्त श्री एस. श्रीनिवास, आईपीएस की समग्र निगरानी में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रतिभूति मुद्रणालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया



हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 मनाया गया। इस वर्ष का विषय समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा रखा गया। केन्द्रीय सतर्कता आयोग और एसपीएमसीआईएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री रविन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशानुसार कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण, वाक् प्रतियोगिता, क्विज और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। गवर्नमेंट पॉलीटेक्निक कॉलेज, मसाब टैंक और गवर्नमेंट प्रैक्टिसिंग स्कूल, खैरताबाद के विद्यार्थियों के लिए भी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

समापन समारोह 3 नवंबर को मुख्य सम्मेलन हॉल में आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक श्री के. एन. महापात्र ने विजेताओं को प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम का समन्वय प्रबंधक (सतर्कता) श्री रितेश पाल और वरिष्ठ पर्यवेक्षक (सतर्कता) श्री पी. साईनाथ ने किया। इस अवसर पर सभी ने ईमानदारी, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए संकल्प लिया।

गोशामहल में ग्रेजुएट एमएलसी मतदाता पंजीकरण फॉर्म जमा, घर-घर चलाया गया अभियान

हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ के नेतृत्व में स्नातक विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मतदाता पंजीकरण अभियान बड़े पैमाने पर चलाया गया। पिछले एक महीने से निर्वाचन क्षेत्र में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत एकत्रित किए गए स्नातक



मतदाता पंजीकरण फॉर्म शुक्रवार को बीआरएस पार्टी कार्यालय में पार्टी प्रभारी रावुल चंद्र शेखर को सौंपे गए।

इस अवसर पर आनंद कुमार गौड़ ने बताया कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) के निर्देशानुसार गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में चिन्हित स्नातकों के घर-घर जाकर उन्हें स्नातक एमएलसी चुनाव के लिए मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने की प्रक्रिया पूरी की गई।

उन्होंने बताया कि पिछले एक महीने से चलाए गए स्नातक एमएलसी मतदाता पंजीकरण अभियान के दौरान बड़ी संख्या में पंजीकरण फॉर्म एकत्र किए गए। इन फॉर्मों को तेलंगाना भवन में बीआरएस प्रभारी रावुल चंद्र शेखर को सौंपने के बाद अपनी उपस्थिति में ऑनलाइन अपलोड भी करवाया गया।

इस कार्यक्रम में बीआरएस नेता प्रिया गुप्ता, अहमद भाई सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ता एवं नेता उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

टेंपल ...

इन आलोचनाओं के जवाब में गोयल ने हू (डब्ल्यूएचओओपी) फिटनेस बैंड का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में जब कंपनी ने अपना फिटनेस बैंड बाजार में उतारा था, तब भी इसी तरह के सवाल उठे थे, लेकिन आज यह दुनिया भर में लोकप्रिय है।

पराली ...

ये उपग्रह दिन के निर्धारित समय पर ही किसी क्षेत्र की तस्वीर लेते हैं। ऐसे में यदि उपग्रह के गुजरने के बाद आग लगाई जाए और उसे जल्दी बुझा दिया जाए, तो उसके रिकॉर्ड में आने की संभावना कम हो सकती है।

पराली जलाने की घटनाओं में कमी के आंकड़े

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 में खेतों में आग लगने की करीब 80 हजार घटनाएं दर्ज की गई थीं, जबकि 2025 तक यह संख्या घटकर लगभग 6 हजार रह गई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कमी के पीछे सख्त कार्रवाई, मशीनरी पर सब्सिडी और जागरूकता अभियान के साथ किसानों की बदलती रणनीति भी एक कारण हो सकती है। कई किसान अब उपग्रह निगरानी के समय और उसकी सीमाओं के बारे में पहले से अधिक जानकारी रखते हैं।

द बर्निंग...

तीन सामान्य श्रेणी के डिब्बे आग से अधिक प्रभावित हुए, जबकि चौथे डिब्बे को मामूली नुकसान पहुंचा।

1500 यात्रियों को सुरक्षित निकाला

घटना के समय ट्रेन में 1500 से अधिक यात्री सवार थे। आग प्रभावित डिब्बों से यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात रही कि किसी की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है।आग का पता चलते ही रेलवे ने दोनों बिजली की ऊपरी लाइनों की आपूर्ति बंद कर दी। इसके बाद गार्ड और लोको पायलट ने प्रभावित डिब्बों को बाकी ट्रेन से अलग किया और नियंत्रण कक्ष को सूचना दी। अन्य रेल लाइनों पर ट्रेनों की आवाजाही को भी व्यवस्थित किया गया।

यात्रियों के लिए दूसरी ट्रेन की व्यवस्था

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कर्मभूमि एक्सप्रेस बिना आरक्षण वाली ट्रेन थी। यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए दूसरी ट्रेन से यात्रा की व्यवस्था की गई। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। रेलवे अधिकारियों ने घटना की जांच करने की बात कही है।

अब तक...

डॉ. मिर्जा ने कहा कि जबरन हिरासत और कथित रूप से गायब किए जाने के बाद हजारों लोगों का अब तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने 30 जून को गिरफ्तार किए गए शौकत नवाज मीर के ठिकाने को लेकर भी चिंता जताई। उनका आरोप है कि मीर के परिवार और वकीलों को उनसे मिलने नहीं दिया गया तथा उन्हें कानूनी प्रक्रिया तक पहुंच से भी वंचित रखा गया है।

धनतेरस पर राधे-राधे ग्रुप ने की अन्नसेवा, सेवा और समर्पण का दिया संदेश

हैदराबाद। धनतेरस के पावन एवं शुभ अवसर पर हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दीपावली के इस पावन पर्व पर सेवा, सहयोग और मानवता के भाव को आत्मसात करते हुए ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर त्योहार की खुशियां साझा कीं।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, मनीष अग्रवाल, संजय गुप्ता एवं कमल मूंदड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप के



अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने मिलकर अन्नसेवा के कार्य में सहभागिता निभाई और समाज में निस्वार्थ सेवा की भावना को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया।

धनतेरस का पर्व सुख-समृद्धि, आरोग्य और मंगलकामना का प्रतीक है। इस शुभ अवसर पर जरूरतमंदों के बीच अन्नसेवा करना पर्व की सार्थकता को और अधिक बढ़ाता है। राधे-राधे ग्रुप का मानना है कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी है, जब समाज का प्रत्येक वर्ग खुशियों में सहभागी बने और कोई भी व्यक्ति अभाव के कारण उत्सव की खुशियों से वंचित न रहे।

ग्रुप की ओर से निरंतर संचालित अन्नसेवा का उद्देश्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में प्रेम, करुणा, सद्भाव और परस्पर सहयोग की भावना का विस्तार करना भी है। ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से सेवा कार्यों के माध्यम से यह संदेश दे रहे हैं कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची दीपावली है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की यह सेवा गतिविधि समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 07 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मिधानि में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रक्षा मंत्रालय के अधीन मिनीरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निर्देशों के अनुसार 26.10.2026 से 01.11.2026 तक सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2026 मनाया गया।



सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2026 का शुभारंभ 26.10.2026 को 15:00 बजे मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाए जाने के साथ हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त), श्री पडवित्तन बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), श्रीमती स्फूर्ति रेड्डी, आई.आर.एस., मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा मिधानि के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

सप्ताह के दौरान कर्मचारियों के लिए इस वर्ष के विषय अर्थात् सत्यनिष्ठा से समृद्धि पर आधारित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गईं। सीवीसी के निर्देशों के अनुरूप वेंडर मीट, ग्राहक शिकायत निवारण सत्र (ऑनलाइन), मिधानि के हैदराबाद संयंत्र एवं रोहतक संयंत्र के आसपास 4 किमी की वॉकथॉन तथा तेलंगाना के मोइनाबाद स्थित कनकमामिडी गाँव में ग्राम सभा आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों के हितधारकों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ने हेतु प्रोत्साहित करना था।

मिधानि के सतर्कता विभाग के अनुरोध पर, सप्ताह के दौरान आउटरीच गतिविधियों के अंतर्गत मिधानि टाउनशिप स्थित बीपीडीएवी स्कूल के प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों के लिए पोस्टर बनाना, भाषण, एथिक्स ओलंपियाड एवं नारा लेखन प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं।

05.11.2026 को सप्ताह का समापन समारोह के आयोजित किया गया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि प्रोफेसर शांता सिन्हा थीं। कार्यक्रम में श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त), श्रीमती स्फूर्ति रेड्डी, आई.आर.एस., मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा मिधानि के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

मिधानी की मुख्य सतर्कता अधिकारी श्रीमती स्फूर्ति रेड्डी, आई.आर.एस. ने संगठन में सतर्कता के कार्यक्षेत्रों पर बल दिया और कहा कि इसका स्वरूप समय के साथ विकसित हुआ है तथा प्राथमिकताएँ दंडात्मक सतर्कता से निवारक सतर्कता की ओर स्थानांतरित हुई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में माननीय सीवीसी द्वारा सहभागितात्मक सतर्कता एवं पूर्वानुमानात्मक सतर्कता की अवधारणाओं तक और विस्तारित किया जा रहा है।मुख्य अतिथि प्रोफेसर शांता सिन्हा ने उपस्थित कर्मचारियों और बीपीडीएवी के छात्रों को संबोधित किया। विषय से संबंधित अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा कि नैतिक मानदंड मूलतः व्यक्तिपरक होते हैं, जिनका उल्लंघन प्रतिकूल शारीरिक तनाव उत्पन्न कर सकता है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि जो अधिकारी अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए पहले से वेतन प्राप्त कर रहे हैं, उनके द्वारा रिश्वत लेना एक संस्थागत अन्याय है, जो कोशिकीय स्तर तक चुभता है और जनमानस का मनोबल तीव्रता से गिरा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि मनुष्य के रूप में हमें आशावादी दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए, क्योंकि हमारा राष्ट्र मज़बूत नैतिक मानदंडों में गहराई से प्रतिष्ठित और संचालित है। इसके अतिरिक्त उन्होंने देश की रक्षा एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में निःशब्द और अथक परिश्रम करने के लिए मिधानि की सराहना की। अवसर पर सतर्कता की गृह पत्रिका जागृति का विमोचन किया गया और सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। सत्र का समापन मिधानि के उन सभी कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने भारत को भ्रष्टाचार-मुक्त, विकसित एवं समृद्ध राष्ट्र बनाने के इस कार्यक्रम के लक्ष्य को सफल बनाने में पूर्ण निष्ठा से योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई।



अग्रवाल शिक्षा समिति में दीपावली पूजन



हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति में धनतेरस के पावन अवसर पर दीपावली पूजन कार्यक्रम श्रद्धा एवं उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया, ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन डॉ. श्याम सुंदर, मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मोहन गुप्ता, मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल, श्री मुकुंद लाल अग्रवाल, श्री राजेश कुमार अग्रवाल एवं श्री शेष कुमार गोयल ने भगवान गणेश एवं माता लक्ष्मी की विधिवत पूजा-अर्चना की।

पूजन के पश्चात समिति के पदाधिकारियों ने अग्रवाल शिक्षा समिति के सभी सदस्यों, शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों, निदेशकों, प्राध्यापकों एवं समस्त कर्मचारियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दीपावली का यह पावन पर्व आपसी प्रेम, सहयोग, सद्भाव एवं खुशियों का संदेश देता है। समिति के सभी कर्मठ कर्मचारियों ने अपने सहयोग एवं समर्पण से इस पूजन कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया गया।इस शुभ अवसर पर समिति की ओर से सभी कर्मचारियों को भेंट एवं मिठाई वितरित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया।

आईआईएमआर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित



हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) एवं केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निर्देशानुसार, आईसीएआर–भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), हैदराबाद में 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू–2026) सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस वर्ष का विषय 'समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा' रखा गया, जिसमें भ्रष्टाचार मुक्त संगठन और समाज के निर्माण में नैतिक मूल्यों एवं ईमानदारी की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ 26 अक्टूबर 2026 को सभी कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर किया गया। इसमें वैज्ञानिकों, प्रशासनिक, तकनीकी एवं अनुसंधान कर्मचारियों के साथ परियोजना सहयोगियों ने भी भाग लिया। सप्ताहभर कर्मचारियों के बीच निबंध लेखन, भाषण, प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रस्तुति जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, ताकि कार्यस्थल पर सत्यनिष्ठा एवं नैतिक मूल्यों को बढ़ावा दिया जा सके। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं, कार्यक्रमों के सफल आयोजन में योगदान देने वाले कर्मचारियों को प्रशंसा स्वरूप उपहार प्रदान किए गए।

भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और विद्यार्थियों में छोटी उम्र से ही जिम्मेदार व्यवहार एवं नैतिक आदतें विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त, नागरिकों के बीच भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था के उपायों का प्रचार करने और सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता ग्रामसभा का आयोजन किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह 4 नवंबर 2026 को भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान की निदेशक डॉ. सी. तारा सत्यवती ने अपने संबोधन में व्यक्तिगत और संस्थागत दोनों स्तरों पर सत्यनिष्ठा की संस्कृति को मजबूत करने तथा नैतिक प्रशासन के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

प्रधान वैज्ञानिक एवं सतर्कता अधिकारी डॉ. एन. कन्नाबाबू ने सप्ताहभर आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कर्मचारियों से ईमानदारी, पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही जैसे नैतिक मूल्यों को बनाए रखने का आह्वान किया।

प्रशासनिक अधिकारी श्री पी. शिव प्रसाद तथा वित्त एवं लेखा अधिकारी श्री शैक रुकमान ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने सतर्कता के सिद्धांतों के अनुरूप निर्धारित प्रशासनिक नियमों, वित्तीय प्रोटोकॉल और नियामक प्रक्रियाओं का पालन करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संस्थान के कामकाज में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए इन नियमों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने 270 एकल नारियों को दीपावली उपहार भेंट किए



हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा दीपावली के पावन अवसर पर एकल नारी पेंशन योजना की लाभार्थियों को दीपावली उपहार भेंट किए गए। समाज की आर्थिक दृष्टि से कमजोर अग्रबंधुओं की सहायता योजना के अग्रबंधुओं के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा सहायता योजना, एकल नारी को प्रतिमाह पेंशन तथा प्रतिमाह राशन किट उपलब्ध कराने की योजनाएं शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि दीपावली के शुभ अवसर पर एकल नारी पेंशन योजना की करीब 270 लाभार्थियों को उपहार वितरित किए गए। इस पहल के माध्यम से समाज ने जरूरतमंद महिलाओं के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं।कार्यक्रम का सुचारू संचालन करने के लिए तीन काउंटर लगाए गए थे। सभी लाभार्थियों को व्यवस्थित ढंग से टोकन प्रदान किए गए तथा टोकन के अनुसार उन्हें उपहारों की टोकरी भेंट की गई। तीनों काउंटरों का प्रबंधन श्री मुकुंद लाल अग्रवाल, श्री सुनील चोखानी, श्री अजय तुलसियान एवं श्री दिनेश मोदी ने किया।

चेयरमैन श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (सी.एस.के.) ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि समाज के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता एवं कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल के नेतृत्व में समाज द्वारा कई जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें



दीपावली के शुभ एवं पावन अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना की मलकपेट शाखा के अध्यक्ष श्री पंकज संघी ने सामाजिक सेवा एवं मानवता की भावना को ध्यान में रखते हुए दिलसुखनगर स्थित जगदम्बा साड़ीज़ में किन्नर समाज के सदस्यों को साड़ियों का वितरण किया



बच्छ बारस एवं धनतेरस के पावन अवसर पर काचीगुड़ा स्थित श्याम मंदिर की हनुमान गौशाला में संकेदिकदास महाराज एवं गणेश महाराज के सान्निध्य में गौसेवा की गई। इस अवसर पर लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीदार, शिव मंदिर गौशाला के अध्यक्ष अमित अग्रवाल, गुरुकुल गौशाला के कैलाश नारायण बांगड़िया, अखिल भारत गौसेवा संघ के अध्यक्ष बालकृष्ण गुरुस्वामी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने गौसेवा में भाग लिया।





उप महानिदेशक (लैंड ऑर्डर) महेश भगवत को पुलिस फंड के लिए 11 लाख रुपये का चेक भेंट करते हुए तथा डीजीपी श्री सी.वी. आनंद से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए अग्रवाल समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, सुरेश कुमार चिमनलाल एवं पीर्ति अग्रवाल।



गीतांजलि रूट्स जूनियर कॉलेज, सोमाजीगुड़ा में आचार्या श्रीमती पद्मा स्मृति महोदया जी के सान्निध्य में छात्र-छात्राओं एवं समस्त प्राध्यापकगणों ने उत्साहपूर्वक धनतेरस पर्व मनाया। इस अवसर पर आचार्या जी ने सभी को धनतेरस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

मतदाता सूची से हटाए गए नामों की समीक्षा के निर्देश तेलंगाना समेत सात राज्यों को चुनाव आयोग का पत्र



नई दिल्ली/हैदराबाद, 7 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरी प्रविष्टि (एएसडीडी) के आधार पर मतदाता सूची से हटाए गए नामों की समीक्षा कर उन्हें पुनः शामिल करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नगालैंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को पत्र लिखकर एएसडीडी सूची की समीक्षा करने को कहा है। यह कदम 28 अक्टूबर को दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के बाद उठाया गया है।

फॉर्म-6 को लेकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने पहले कहा था कि एएसडीडी सूची में शामिल हटाए गए मतदाताओं से फॉर्म-6 भरवाना, जिसमें पहली बार मतदाता बनने की घोषणा करनी पड़ती है, एक त्रुटि है। अदालत ने सुझाव दिया था कि ऐसे मतदाताओं को इसके बजाय गणना प्रपत्र या फॉर्म-8 जमा करने की अनुमति दी जानी चाहिए, विशेषकर उन लोगों को जिन्हें स्थायी रूप से स्थानांतरित या अनुपस्थित/पता न चलने योग्य बताया गया है।

निर्वाचन आयोग के नए दिशा-निर्देश

मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने की समस्या को दूर करने के लिए निर्वाचन आयोग ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

1. स्थान बदलने वाले मतदाताओं के नाम दोबारा शामिल होंगे

एएसडीडी सूची में निवास स्थान बदलने के कारण शामिल मतदाता अब अपना नया पता बताते हुए एक विवरण के साथ गणना प्रपत्र जमा कर सकेंगे। बेघर व्यक्तियों के मामले में बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) द्वारा मौके पर किया गया सत्यापन पर्याप्त होगा।

2. पहले जमा नहीं किए गए गणना प्रपत्रों का अवसर

जिन मतदाताओं ने पहले निर्धारित समय सीमा में गणना प्रपत्र जमा नहीं किया था और जिनके नाम एएसडीडी सूची में शामिल हैं, वे अब देरी का कारण बताते हुए अपना प्रपत्र जमा कर सकेंगे।

3. पुराने मतदाता पहचान पत्र नंबर दोबारा आवंटित होंगे

महत्वपूर्ण रूप से, एएसडीडी सूची में शामिल वे सभी मतदाता, जो अब गणना प्रपत्र और आवश्यक विवरण जमा करेंगे, उन्हें उनका पुराना ईपीआईसी (मतदाता फोटो पहचान पत्र) नंबर दोबारा आवंटित किया जाएगा। इसका उद्देश्य मतदाताओं का पुराना रिकॉर्ड और उनकी मौजूदा मतदाता स्थिति सुरक्षित रखना है।

जनता तक जानकारी पहुंचाने के निर्देश

निर्वाचन आयोग ने सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इन नई सुविधाओं का व्यापक प्रचार किया जाए। इसके लिए समाचार माध्यमों, सोशल मीडिया, सार्वजनिक घोषणाओं और व्हाट्सऐप जैसे सीधे संदेश माध्यमों का उपयोग किया जाए। मतदाताओं को पूरी प्रक्रिया में आवश्यक सहायता और सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए।

अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने की प्रक्रिया

सभी स्वीकार किए गए मामलों को उचित सत्यापन के बाद अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए अलग रखा जाएगा।

मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर प्रतिक्रिया

इस मामले में याचिकाकर्ता अंजलि भारद्वाज और अमृता जोहरी ने निर्वाचन आयोग के इस कदम का स्वागत किया है। उन्होंने इसे बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने की समस्या को सुधारने की दिशा में सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा कि अकेले दिल्ली में एएसडीडी सूची में शामिल 47.56 लाख हटाए गए मतदाताओं में से 31.59 लाख को स्थायी रूप से स्थानांतरित और 11.73 लाख को अनुपस्थित/पता न चलने योग्य बताया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण के साथ नेहा राठी और चेरिल डिसूजा पैरवी कर रहे हैं।

तत्काल अमल की मांग

याचिकाकर्ताओं ने दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और अन्य प्रभावित राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से इन निर्देशों को तत्काल लागू करने तथा पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में फिर से शामिल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इन प्रयासों की प्रगति पर नजर रखने की उम्मीद है।

क्या तेलंगाना के बीएलओ तक पहुंचे नए आदेश?

निर्वाचन आयोग का नया पत्र न्यायिक हस्तक्षेप का सीधा परिणाम है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से एएसडीडी श्रेणी में शामिल मतदाताओं के लिए नाम दोबारा शामिल करने की प्रक्रिया को सरल बनाना है।

हालांकि, तेलंगाना में इस संबंध में संचार की बड़ी कमी देखी जा रही है। यहां कई बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) को नए आदेशों की जानकारी नहीं है। अपने बीएलओ से संपर्क करने वाले कई लोगों को उनसे संपर्क करने में परेशानी हो रही है। बीएलओ सरकारी ड्यूटी में व्यस्त हैं और उनमें से कई मतदाताओं से प्रपत्र लेने के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

गलतियों को सुधारने की उम्मीद

कार्यकर्ताओं का कहना है कि नामों को दोबारा शामिल करने से पिछली गलतियों को सुधारा जा सकेगा और भविष्य में बड़े पैमाने पर पात्र मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित होने से बचाया जा सकेगा। इन दिशा-निर्देशों का सही तरीके से क्रियान्वयन चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए महत्व-पूर्ण होगा।

दिग्गज नेताओं से मिले बंडारू दत्तात्रेय दी दीपावली की शुभकामनाएं



नई दिल्ली, 6 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने 6 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट के दौरान भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन, पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद, तमिलनाडु के राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर तथा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री बंदी संजय से मुलाकात की।

इस दौरान श्री बंडारू दत्तात्रेय ने सभी गणमान्य व्यक्तियों को दीपावली के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

तेलंगाना साधु परिषद के प्रदेश अध्यक्ष चुने गए सोमयप्पा स्वामी



हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना साधु परिषद के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में श्री सोमयप्पा स्वामी निर्वाचित हुए हैं। यह जानकारी विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी), तेलंगाना के राज्य धर्माचार्य संपर्क प्रमुख पगुडाकुला बालस्वामी ने दी।

शुक्रवार को काचीगुड़ा स्थित श्याम बाबा मंदिर में तेलंगाना राज्य के विभिन्न मठों, पीठों एवं धार्मिक परंपराओं से जुड़े साधु-संतों और स्वामीजी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में स्वामीजी के विचारों एवं सुझावों के आधार पर नई राज्य कार्यकारिणी का चुनाव किया गया।

इस अवसर पर बालस्वामी ने कहा कि वर्तमान समय में हिंदू धर्म अनेक चुनौतियों और समस्याओं का सामना कर रहा है। इनके समाधान के लिए साधु परिषद को सामूहिक रूप से प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने राज्य के विभिन्न मठों, पीठों और धार्मिक परंपराओं के बीच समन्वय बढ़ाने तथा साधु-संतों की एकता को मजबूत करने का आह्वान किया।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि साधु परिषद हिंदू धर्म की रक्षा, धार्मिक परंपराओं के संरक्षण, मंदिरों से संबंधित समस्याओं, हिंदू समाज के समक्ष आने वाली कठिनाइयों के समाधान तथा धार्मिक चेतना के प्रसार जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देगी।

बालस्वामी ने कहा कि राज्यभर में आयोजित होने वाले हिंदू धार्मिक कार्यक्रमों में व्यापक रूप से भाग लेते हुए समिति को धर्म प्रचार और धर्म जागरण के लिए कार्य करना चाहिए।

नवनिर्वाचित राज्य कार्यकारिणी

प्रदेश अध्यक्ष: श्री सोमयप्पा स्वामी, मानद अध्यक्ष: श्री चंद्रमौलीश्वर स्वामी,

उपाध्यक्ष: श्री रघोत्तम स्वामी, उपाध्यक्ष: श्री वीर धर्मज स्वामी, महासचिव: श्री शिवानंद स्वामी, सह सचिव: श्री कृष्णानंद ब्रह्मचारी, कोषाध्यक्ष: श्री महादेव स्वामी, सत्यापन समिति सदस्य: श्री कैवल्यानंद स्वामी, अन्य: समिति के सदस्य।

दीपावली के बाद होगा कार्यकारिणी का विस्तार

बालस्वामी ने बताया कि दीपावली के बाद राज्य कार्यकारिणी की बैठक आयोजित कर समिति का और विस्तार किया जाएगा। तेलंगाना के सभी जिलों तथा सभी हिंदू धार्मिक परंपराओं को प्रतिनिधित्व देते हुए अधिक से अधिक स्वामीजी को कार्यकारिणी में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नवनिर्वाचित राज्य कार्यकारिणी का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।बैठक में विश्व हिंदू परिषद के नेता श्री रामराजू, वीएचपी केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल के सदस्य श्री संग्राम महाराज, श्री दुर्गानंदपुरी महाराज तथा श्री बनारस गुरुजी स्वामी ने पर्यवेक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाई।

डीपफेक से एमएलसी को ब्लैकमेल, छह गिरफ्तार



हैदराबाद, 7 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) को मॉर्फ्ड तस्वीरों और डीपफेक वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर 5 करोड़ रुपये की मांग करने के आरोप में साइबराबाद पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने तेलंगाना के एमएलसी मिर्जा रहमत बेग को निशाना बनाया और मांग पूरी नहीं करने पर उनकी छेड़छाड़ की गई तस्वीरें तथा डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी दी।

आरोपियों ने शुरुआत में 5 करोड़ रुपये की मांग की और बाद में एमएलसी से 5 लाख रुपये वसूले। जांच के दौरान पता चला कि उन्होंने अतिरिक्त 5 लाख रुपये की भी मांग की थी। पुलिस के मुताबिक, 5 नवंबर को फातिमा बेगम उर्फ रीमा अपने पांच अन्य साथियों के साथ इब्राहिमबाग स्थित एमएलसी के कार्यालय पहुंची और रकम ली। गुप्त सूचना के आधार पर नरसिंगी पुलिस की विशेष टीम ने छापा मारकर नकदी लेकर जा रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। बाद में एक अन्य आरोपी मोहम्मद मोहसिन खान को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 4 लाख 70 हजार रुपये नकद, दो ऑटो रिक्शा, छह मोबाइल फोन और एक लैपटॉप जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में शामिल कुछ अन्य संदिग्ध अभी फरार हैं। उनकी तलाश कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। नरसिंगी पुलिस थाने में अपराध संख्या 1803/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

साइबराबाद पुलिस ने जनता से अपील की है कि मॉर्फ्ड तस्वीरों अथवा डीपफेक वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने वालों के दबाव में न आएं और उन्हें पैसे न दें। ऐसी धमकी मिलने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

सरकारी कर्मचारियों की पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग

हैदराबाद, 7 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकारी कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति (टीजीई-जेएसी) ने अल नीनो परिस्थितियों को देखते हुए सरकारी कार्यालयों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग की है। समिति का कहना है कि इससे पानी और बिजली की बचत के साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी।टीजीई-जेएसी के अध्यक्ष मरम जगदीश्वर और महासचिव एलुरी श्रीनिवास राव ने कहा कि पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने से सरकारी खजाने पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा, बल्कि बचत भी हो सकती है। उन्होंने कार्यालयों का समय सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक निर्धारित करने का सुझाव दिया। इसके तहत प्रतिदिन साढ़े सात घंटे काम होगा। शुक्रवार को आयोजित जेएसी की कार्यकारी समिति की बैठक में यह मांग उठाई गई।

समिति ने 1 जुलाई 2023 से 51 प्रतिशत फिटमेंट के साथ द्वितीय वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) को तत्काल लागू करने की मांग भी की। उसका कहना है कि कर्मचारी, शिक्षक, राजपत्रित अधिकारी, पेंशनभोगी और श्रमिक पिछले तीन वर्षों से पीआरसी की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

जेएसी ने लंबित कर्मचारी बिलों के भुगतान के लिए मासिक आवंटन 1,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2,000 करोड़ रुपये करने की मांग की। इसके अलावा अंशदायी पेंशन योजना (सीपीएस) समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने की मांग की गई। समिति ने 1 सितंबर 2004 से पहले जिन कर्मचारियों की नियुक्ति या अधिसूचना जारी हुई थी, उन्हें भी पुरानी पेंशन योजना के दायरे में लाने के लिए उचित निर्णय लेने का आग्रह किया।

एनआईआईएमएच में हर्षोल्लास से मनी धन्वंतरि जयंती



हैदराबाद, 06 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद के तत्वावधान में धन्वंतरि जयंती समारोह अत्यंत धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्थान परिसर में प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में प्रातः 7 से 9 बजे तक लोक कल्याण एवं सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना के साथ धन्वंतरि होम (हवन) का आयोजन किया गया। वैदिक विद्वानों के मंत्रोच्चार के बीच संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हवन में आहुतियां अर्पित कीं।

इस उत्सव में मॉर्निंग स्टार हाई स्कूल (गद्दीअन्नाराम) और श्री वेंकटेश्वर जूनियर कॉलेज (दिलसुखनगर) के विद्यार्थियों ने विशेष रूप से भाग लिया तथा भारत की प्राचीन चिकित्सा संपदा और आयुर्वेद के महत्व की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही राजस्व बोर्ड कॉलोनी एवं अन्य स्थानीय कॉलोनियों के निवासियों, वरिष्ठ नागरिक संघ के सदस्यों तथा मलकपेट और वेंकटाद्रि से नगर कॉलोनी के गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

पर्यावरण संरक्षण और औषधीय पौधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा त्वचा रोग अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से आंवला, पिप्पली, पान, ग्वारपाठा (एलोवेरा), ब्राह्मी, जलब्राह्मी, इंसुलिन प्लांट, रणपला, माचीपत्री और अजवाइन सहित विभिन्न औषधीय पौधे स्थानीय नागरिकों को निःशुल्क वितरित किए गए।

इसके अतिरिक्त आयुर्वेदिक जीवनशैली (ऋतुचर्या एवं दिनचर्या), संतुलित आहार, आयुर्वेदिक घरेलू उपचार, स्वस्थवृत्त और पंचकर्म प्रक्रियाओं से संबंधित जागरूकता पर्चे भी वितरित किए गए।

इस सफल आयोजन में संस्थान की डॉ. श्रीदेवी (अनुसंधान अधिकारी, आयुर्वेद), डॉ. संतोष माने (अनुसंधान अधिकारी, आयुर्वेद), डॉ. साकेत राम (अनुसंधान अधिकारी, आयुर्वेद), डॉ. बिश्वरंजन दास (अनुसंधान अधिकारी, होम्योपैथी), डॉ. सत्यव्रत नंद (अनुसंधान अधिकारी, संस्कृत), लाइब्रेरियन के. श्रीनिवास राव सहित संपूर्ण अनुसंधान दल एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में लगभग 300 अतिथियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं कॉलोनीवासियों को प्रसाद वितरित किया गया। तत्पश्चात संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

श्रद्धा और सेवाभाव के साथ किया गया अन्नदान



हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास शुक्रवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, समर्पण और सेवाभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाया।

राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्नदान करना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं की भावना को मजबूत करना है।

ग्रुप द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्नसेवा के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि किसी जरूरतमंद की भूख मिटाना भी ईश्वर की सच्ची आराधना है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही जीवन की सबसे बड़ी सार्थकता है। इस अवसर पर अनिल अग्रवाल धरसूवाले, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल एवं मीना अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर अन्नसेवा में सहभागिता निभाई।

ग्रुप के सदस्यों ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि समाज में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे, इसी भावना के साथ राधे-राधे परिवार सेवा और समर्पण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रहा है।

सेवा ही सच्चा धर्म है और मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है, इसी विचार को आत्मसात कर ग्रुप द्वारा नियमित अन्नसेवा की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.